



मेसी पर भारी पड़े..

09

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता



म्यूजिकल लव स्टोरी में बनी...

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 02, अंक - 208

गाजियाबाद / शुक्रवार 30 अक्टूबर 2026

PRGI No. - UPHIN/25/A0086

पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रुपए

संक्षिप्त

समाचार

आरएसएस में पहली बार बनेंगी राज्य इकाइयां

- 11 क्षेत्र घटकर अब 9 होंगे, 46 प्रांतों से 90 संगम बननेगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने संगठनात्मक ढांचे में बड़े बदलाव की तैयारी कर रहा है। प्रस्तावित बदलावों में क्षेत्र घटना और नए संभाग बनाना शामिल है। सूत्रों के मुताबिक, आरएसएस के 11 क्षेत्र घटाकर 9 किए जाएंगे। मौजूदा 46 प्रांतों की जगह करीब 90 संभाग बनाए जाएंगे। संघ पहली बार राज्य स्तर पर संगठनात्मक इकाइयां बनाएगा। इनमें केवल राज्य प्रचारक और राज्य कार्यवाह होंगे। इस व्यवस्था में



राज्य संघचालक का पद नहीं होगा। संघ की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की वार्षिक बैठक 2 से 4 नवंबर तक मध्यप्रदेश के इंदौर में होगी। तीन दिन की बैठक में संगठन के पुनर्गठन, शताब्दी वर्ष की गतिविधियों और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा होगी।

संगठन में विकेंद्रीकरण की तैयारी

प्रस्तावित बदलावों का मकसद संघ के कामकाज को विकेंद्रीकृत करना है। इसके तहत जिम्मेदारियां व्यापक प्रभावी ढंग से बांटी जाएंगी और अलग-अलग स्तरों पर तालमेल बेहतर किया जाएगा। अधिक संख्या में संभाग बनने से संगठनात्मक गतिविधियों का प्रबंधन आसान होने की उम्मीद है।

आजम को जमानत, लेकिन बाहर आना होगा मुश्किल

- बेटा जेल से छूटेगा, 2 पैनाई

मामले में 10 साल की सजा सस्पेंड

लखनऊ (एजेंसी)। सपा नेता आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला की 10 साल की सजा को हाईकोर्ट ने सस्पेंड कर दिया। दोनों को जमानत भी दे दी। गुरुवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने डबल पैनाई का मामला में यह फैसला सुनाया है। हालांकि, कोर्ट ने दोषसिद्धि पर रोक लगाने से



इनकार कर दिया है। हाईकोर्ट के इस फैसले के बाद अब्दुल्ला के जेल से बाहर निकलने का रास्ता साफ हो गया है। हालांकि, आजम अभी जेल से बाहर आएंगे या नहीं, यह स्पष्ट नहीं है। वजह आजम के खिलाफ अभी दो पॉइज केस हैं। आजम के खिलाफ एक मामला ईडी ने हाल ही में दर्ज किया है। जबकि एक मामला 10 सितंबर का है, जिसमें यूपी विजिलेंस ने आजम के खिलाफ केस दर्ज किया था। अगर इन मामलों में पुलिस वाटर्-बी नहीं लेती है तो आजम जेल से बाहर आ सकते हैं। आजम को बेटे अब्दुल्ला के डबल पैनाई का मामले में रामपुर की कोर्ट ने दोषी ठहराया था।

घेराबंदी तोड़ो, आगे बढ़ो! पटना की सड़कों पर ‘आक्रोश’

फूटा दारोगा अभ्यर्थियों का गुस्सा, पुलिस बैरिकेडिंग तहस-नहस

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजधानी पटना में दारोगा भर्ती के अभ्यर्थियों का गुस्सा सड़कों पर फूट पड़ा। 1799 पदों के लिए आयोजित दारोगा मुख्य परीक्षा को रद्द किए जाने के निर्णय से नाराज सैकड़ों अभ्यर्थी मुख्यमंत्री आवास (लोक सेवक आवास) का घेराव करने के मकसद से सड़कों पर उतर आए। पुलिस की ओर से गांधी मैदान और जेपी गोलंबर पर की गई सख्त घेराबंदी और बैरिकेडिंग को तोड़ते हुए उग्र अभ्यर्थी डाकबंगला चौराहे की ओर बढ़ गए। अभ्यर्थियों का आरोप है



कि पिछले एक महीने से शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने के बाद भी शासन-

प्रशासन की ओर से उनकी मांगों की लगातार अनदेखी की गई, जिससे उन्हें

यह कड़ा रुख अपनाने पर मजबूर होना पड़ा। प्रदर्शन की शुरुआत गुरुवार सुबह गांधी मैदान के गेट नंबर-10 से हुई। नारेबाजी करते हुए आगे बढ़ रहे अभ्यर्थियों को रोकने के लिए पुलिस ने जेपी गोलंबर पर मजबूत बैरिकेडिंग लगा रखी थी। हालांकि, आक्रोशित अभ्यर्थियों ने पुलिस की बैरिकेडिंग उखाड़ फेंकी और डाकबंगला चौराहे की तरफ बढ़ गए। स्थिति बेकाबू होते देख पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा, जिससे राजधानी के मुख्य मार्गों पर काफी देर तक यातायात ठप्प रहा।

गर्दनीबागमें महीने भर से जारी था शांतिपूर्ण धरना

सड़कों पर उतरे अभ्यर्थियों ने बताया कि वे पिछले एक महीने से गर्दनीबाग धरना स्थल पर अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण ढंग से आंदोलन कर रहे थे। इसके बावजूद सरकार और प्रशासन के किसी भी जिम्मेदार अधिकारी ने उनकी सुध नहीं ली और न ही कोई आश्वासन दिया। अधिकारियों की इस लगातार अनदेखी और दुर्लभ रवैये के कारण ही उन्हें मजबूरन सड़क पर उतरकर मुख्यमंत्री आवास की ओर रुख करना पड़ा। डाकबंगला चौराहे पर पुलिस के साथ हुई नोकझोंक के बीच प्रदर्शनकारियों ने साफ कर दिया है कि जब तक उनकी मांगों पर लिखित और ठोस आश्वासन नहीं मिलता, उनका ये आंदोलन खत्म नहीं होगा। अभ्यर्थियों ने चेतावनी दी है कि अगर परीक्षा बहाली और पीईटी की तिथि जारी नहीं की गई, तो आंदोलन और तीव्र किया जाएगा। फिलहाल, सुरक्षा के मद्देनजर प्रशासन और पुलिस बल की टीमें पूरे इलाके में मुस्तैद हैं।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग की धमकी में नया पेच! अंशु प्रजापति के ‘दीपक’ पर सवाल, धर्मेश वधैर कौन? 13 अक्टूबर के ‘हेलो’ मैसेज से खुल सकते हैं बड़े राज

राष्ट्रीय शिखर के समाचार संपादक आरव शर्मा को धमकी देने के मामले में कई सवाल अनुत्तरित

गाजियाबाद (शिखर समाचार)।

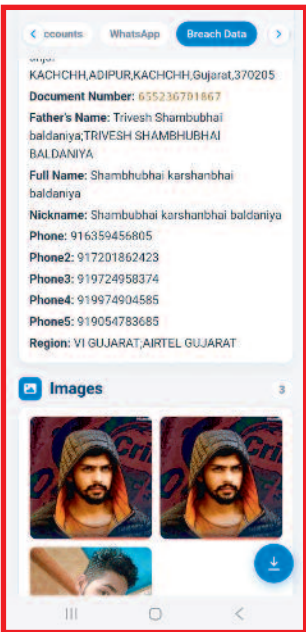
राष्ट्रीय शिखर के समाचार संपादक आरव शर्मा को कथित तौर पर लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर जान से मारने की धमकी देने के मामले में गिरफ्तार अंशु प्रजापति के बयान के बाद जांच की गुथी और उलझती दिखाई दे रही है। सबसे बड़ा सवाल 13 अक्टूबर को भेजे गए ‘हेलो’ मैसेज को लेकर है। आरोपी ने इस संदेश को भेजने से इनकार किया है, जबकि मोबाइल नंबर से जुड़ी ट्रैकलॉगर प्रोफाइल में अंशु प्रजापति के साथ धर्मेश वधैर का नाम भी सामने आने की बात कही जा रही है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर धर्मेश वधैर कौन है और इस पूरे प्रकरण में उसकी क्या भूमिका हो सकती है?

मामले में सामने आई जानकारी के अनुसार, अंशु प्रजापति ने पूछताछ के दौरान पहले 13 अक्टूबर को भेजे गए ‘हेलो’ मैसेज से इनकार किया। बाद में उसने इस संदेश के लिए अपने दोस्त दीपक का नाम लिया। लेकिन पुलिस की ओर से जारी प्रेस विज्ञापन में उसके साथ रहने वाले दोस्तों के नाम अमित, अमर और सौरभ बताए गए हैं। इन नामों के बीच दीपक का नाम सामने नहीं आने से आरोपी के बयान को लेकर नए सवाल खड़े हो रहे हैं। हालांकि, यह स्पष्ट होना अभी बाकी है कि दीपक नाम का कोई अन्य परिचित है या नहीं।

‘दीपक’ के नाम के पीछे कौन? धर्मेश वधैर पर उठ रहे सवाल

इस मामले में धर्मेश वधैर का नाम भी जांच के लिहाज से महत्वपूर्ण हो सकता है। दावा किया जा रहा है कि संबंधित मोबाइल नंबर की ट्रैकलॉगर प्रोफाइल में धर्मेश वधैर का नाम दिखाई देता है। यदि यह जानकारी सही है, तो पुलिस के लिए यह पता लगाना जरूरी होगा कि नंबर का वास्तविक उपयोगकर्ता कौन था, सिम किसके नाम पर पंजीकृत है और अलग-अलग नामों का इस नंबर से क्या संबंध है।

क्या आरोपी जिस दीपक का नाम ले रहा है, उसकी पहचान की स्वतंत्र रूप से

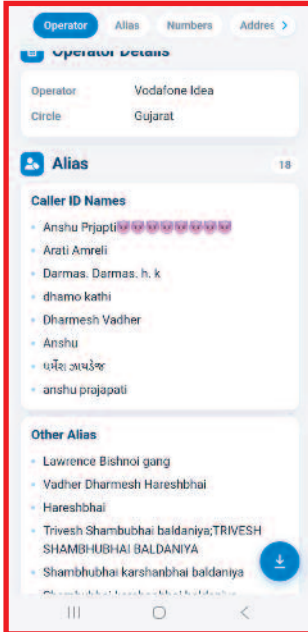


पुष्टि की गई है? क्या दीपक और धर्मेश वधैर अलग-अलग व्यक्ति हैं या इस मामले में किसी नाम को लेकर भ्रम पैदा हो रहा है? फिलहाल इन सवालों के जवाब उपलब्ध तथ्यों से निर्णायक रूप से नहीं दिए जा सकते। इनकी पुष्टि मोबाइल फोन के तकनीकी साक्ष्यों, कॉल डिटेल रिकॉर्ड, संदेशों के मूल डेटा और संबंधित व्यक्तियों से पूछताछ के आधार पर ही हो सकती है।

लॉरेंस बिश्नोई के साथ कथित तस्वीर

की भी हो जांच

अन्य स्रोतों से मिली जानकारी में धर्मेश वधैर की कथित तस्वीर लॉरेंस बिश्नोई के साथ होने का दावा भी किया जा रहा है। हालांकि, तस्वीर की प्रामाणिकता, उसमें दिखाई देने वाले व्यक्ति की पहचान और तस्वीर के संदर्भ की स्वतंत्र पुष्टि होना आवश्यक है। केवल किसी तस्वीर या सोशल मीडिया प्रोफाइल के आधार पर किसी व्यक्ति का गैंग से संबंध स्थापित नहीं किया जा सकता। फिर भी, यदि जांच एजेंसियों को इस संबंध में कोई विश्वसनीय डिजिटल साक्ष्य मिलता है, तो उसकी विधिवत जांच की जानी चाहिए।

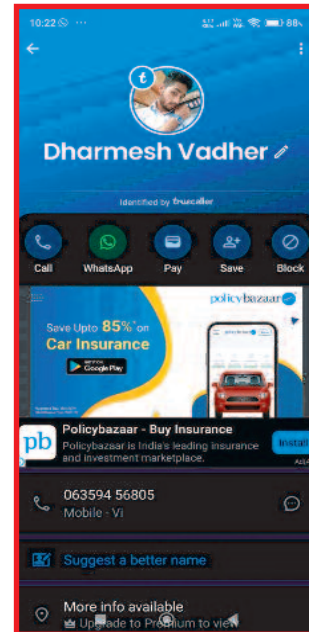


18 अक्टूबर के वॉइस नोट को लेकर भी उठ सकते हैं सवाल

इस प्रकरण में 13 अक्टूबर के व्हाट्सएप संदेश के अलावा 18 अक्टूबर को भेजे गए धमकी भरे वॉइस नोट की भी आवाज संबंधी जांच महत्वपूर्ण हो सकती है। यदि आरोपी 13 अक्टूबर के संदेश को भेजने से इनकार कर रहा है, तो पुलिस को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि बाद में भेजे गए वॉइस नोट वास्तव में उसी की आवाज में हैं या किसी अन्य व्यक्ति ने उसके नाम अथवा नंबर का इस्तेमाल किया था। इसका पता लगाने के लिए मूल ऑडियो की फॉरेंसिक जांच और जरूरत पड़ने पर आवाज के नमूनों का वैज्ञानिक मिलान कराया जा सकता है।

कम उम्र का आरोपी, लेकिन क्या पूरी साजिश का खुलासा हुआ?

अंशु प्रजापति की उम्र लगभग 20 वर्ष बताई जा रही है। उसकी पृष्ठभूमि, संपर्कों और कथित धमकी के पीछे संभावित मकसद की जांच भी महत्वपूर्ण है। लेकिन कम उम्र, आर्थिक स्थिति या किसी क्षेत्र विशेष से संबंध के आधार पर किसी व्यक्ति को दूसरे मामलों के



आरोपियों से जोड़ना उचित नहीं होगा। जांच का आधार ठोस साक्ष्य ही होने चाहिए।

राष्ट्रीय शिखर के समाचार संपादक आरव शर्मा को मिली धमकी के मामले में सबसे अहम सवाल अब भी यही है कि क्या गिरफ्तार आरोपी ही पूरे घटनाक्रम में शामिल है या इसके पीछे अन्य लोगों की भी कोई भूमिका है? पुलिस को 13 अक्टूबर के संदेश, 18 अक्टूबर के वॉइस नोट, मोबाइल नंबरों से जुड़ी डिजिटल पहचान और आरोपी के बताए संपर्कों की कड़ियों को जोड़कर जांच करनी होगी।

जब तक सभी संदिग्ध कड़ियों की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक घटनाक्रम स्पष्ट नहीं होता, तब तक मामले के हर पहलू पर सवाल बने रहेंगे। आरव शर्मा और उनके परिवार की सुरक्षा को देखते हुए यह भी जरूरी है कि धमकी के स्रोत और संभावित अन्य संलिप्त व्यक्तियों की पहचान में कोई चूक न हो। किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले पुलिस को डिजिटल और फॉरेंसिक साक्ष्यों के आधार पर पूरे मामले का खुलासा करना चाहिए।

जमीन में गाड़े नीले ड्रमों से निकला बड़ा ‘खजाना’

500-500 के नोटों के बंडल से भरा था ड्रम

प्रयागराज (एजेंसी)। नीला ड्रम की बात सामने आते ही लोगों के जहन में डर पैदा हो जाता है। मेट्र की मुस्कान का नीला ड्रम वाला कांड के बारे में हर कोई जानता है। मुस्कान ने अपने पति की हत्या करने के बाद नीले ड्रम में रख दिया था। इसके बाद से नीला ड्रम क्राइम का प्रयाग बना हुआ है। अब प्रयागराज में भी एक नीला ड्रम पुलिस को बरामद हुआ है। इस बार नीला ड्रम में कोई लाश नहीं बल्कि नोटों के बंडल मिले हैं।



नवाबगंज थाना क्षेत्र के बरईपुर गांव में चौकाने वाला मामला सामने आया है। पुलिस ने एक घर पर दबिश देकर जमीन के अंदर गाड़े गए तीन नीले ड्रमों को बरामद किया। ड्रमों को खोलने पर उनके अंदर 500-500 रुपये की नोटों की सैकड़ों बंडल बचे दिखे। नीला ड्रम वो भी नोटों से भरे हुए मिलने की घटना से क्षेत्र में खलबली मच गई।

मकान के अंदर कमरे की जमीन खोदकर ड्रम बरामद

पूरा मामला यह है कि बरईपुर रामनगर गांव में बुधवार देर शाम मुंबई पुलिस और प्रयागराज पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा एक राजेश यादव और राकेश यादव उर्फ महाकाल के मकान को घेर कर तलाशी अभियान शुरू किया गया। मकान के अंदर एक कमरे की जमीन खोदकर पुलिस ने 03 नीला ड्रम बरामद किया। ड्रमों को खोलने पर पता चला कि उसमें पांच 500 - 500 नोटों की गड़िय़ा भरी हुई हैं।

ओडिशा में ‘अर्नब’ का कहर बाढ़ संकट में घिरे 300 गांव

आंध्र प्रदेश में रेलवे पुल डूबा, कई जगह होर्डिंग उखड़े

नई दिल्ली (एजेंसी)। बंगाल की खाड़ी से उठा चक्रवाती तूफान अर्नब भले ही कमजोर पड़ गया है लेकिन देश भर में इसका असर जारी है। चक्रवात ने सबसे ज्यादा ओडिशा और आंध्र प्रदेश में तबाही मचाई है। दोनों राज्यों में करीब 6 लोगों की मौत हुई है। ओडिशा के गंजाम जिले में लगातार 4 दिनों से भारी बारिश हो रही है। करीब 300 गांवों में बाढ़ आ गई है। राज्य सरकार इन इलाकों में फंसे लोगों



को हेलीकॉप्टर से निकालने की तैयारी कर रही है। राज्य में अब तक करीब 30 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। वहीं, आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले में एक रेलवे पुल पानी में डूब चुका है, जिसके चलते दोनों ओर से ट्रेनों की आवाजाही रोक दी गई है। प्रशासन फंसे यात्रियों को सड़क के रास्ते निकालने की तैयारी कर रहा है। ओडिशा और आंध्र प्रदेश के कई इलाकों में हजारों पेड़ गिर गए हैं।

यूपी में व्यवस्था परिवर्तन के लिए हिंसा पड़ेगी भारी!

सरकार ने बनाया नया नियम, नौकरी पर छाएगा संकट



लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में व्यवस्था बदलने के लिए युवा अगर सड़क पर उतरकर हिंसा करते हैं तो उन्हें सरकारी नौकरी नहीं मिलेगी। राज्य सरकार ने अलग-अलग विभागों, परिषदों, निगमों और स्थानीय निकायों में सीधी भर्ती से चुने जाने वाले कैडिडेट्स के चरित्र प्रमाण पत्र से जुड़े नियमों में यह बदलाव किया है। यूपी में नियुक्ति एवं कार्मिक विभाग के अपर मुख्य सचिव एम. देवराज ने हाईकोर्ट के आदेश के बाद नए नियम जारी किए हैं। इसके मुताबिक, अगर कोई व्यक्ति ऐसे संगठन का सदस्य है, जिसका मकसद हिंसा के जरिए समाज की व्यवस्था बदलना है, तो उसे सरकारी नौकरी के लिए अयोग्य माना जाएगा।

21 साल की उम्र के बाद की गतिविधियां नोट की जाएंगी

नए नियमों में उम्र और समय से जुड़ी शर्त भी रखी गई है। 21 साल की उम्र पूरी करने के बाद किसी व्यक्ति की ऐसी गतिविधियों को देखा जाएगा। संबंधित मामले की जांच की तारीख से तीन साल के भीतर अगर वह व्यवस्था परिवर्तन से जुड़े प्रदर्शनों में शामिल पाया जाता है, तो माना जाएगा कि वह अब भी ऐसी गतिविधियों में शामिल है। हालांकि, इस दौरान व्यक्ति की सोच और व्यवहार में अच्छा बदलाव दिखाई देता है, तो उसे सरकारी नौकरी देने पर विचार किया जा सकेगा। यानी ऐसे मामलों में व्यक्ति के व्यवहार और उसमें आए बदलाव को भी ध्यान में रखा जाएगा।

बंगाल बॉर्डर पर ‘फेंसिंग’ देख तिलमिलाया बांग्लादेश

- जवानों पर फेंके पत्थर तो बीएसएफ ने दिया मुंहतोड़ जवाब

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने का काम तेज हो गया है। शुभेदु अधिकारी सरकार द्वारा 1100 एकड़ से अधिक जमीन सौंपे जाने के बाद, सीमा सुरक्षा बल ने कई संवेदनशील इलाकों में निर्माण कार्य शुरू कर दिया है। यह जमीन कई सालों से उपलब्ध नहीं हो पा रही थी। राज्य के गृह विभाग के आंकड़ों के अनुसार, सरकार ने मई से अब तक बीएसएफ को 1177.1 एकड़ जमीन सौंपी है। इससे एक बड़ी प्रशासनिक बाधा दूर हो गई है, जिसके कारण अंतरराष्ट्रीय सीमा के कुछ हिस्सों पर बाड़ लगाने का काम रुका हुआ था। इधर भारत- बांग्लादेश बॉर्डर पर फेंसिंग का काम देखकर पड़ोसी देश तिलमिला गया है। बंगाल की ओर हो रही बाड़बंदी अब नजर आने लगी है। ऐसे में बांग्लादेश तिलमिला रहा है।



113 किमी नदी वाला इलाका

पश्चिम बंगाल, बांग्लादेश के साथ भारत की 4,096.7 किलोमीटर लंबी सीमा का लगभग 2,216.7 किलोमीटर हिस्सा साझा करता है। इस तरह, अंतरराष्ट्रीय सीमा का सबसे लंबा हिस्सा इसी राज्य में पड़ता है। मई में जब मौजूदा राज्य सरकार सत्ता में आई, तब पश्चिम बंगाल में सीमा का 563 किलोमीटर से अधिक हिस्सा बिना बाड़ के था।

संवेदनशील सीमावर्ती इलाकों में निर्माण कार्य जारी

मुर्शिदाबाद के जलांगी जैसी जगहों पर बाड़ लगाने का काम शुरू हो गया है। यहां अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास खेतों के किनारे एक्स आकार के कंटोले तारों वाले ढांचे और जालीदार पैनल लगाए जा रहे हैं। इस काम का उद्देश्य मौजूदा बाड़ नेटवर्क में मौजूद खाली जगहों को भरना और संवेदनशील हिस्सों पर आवाजाही की निगरानी करने की बीएसएफ की क्षमता को मजबूत करना है। बाड़ लगाने के लिए सबसे अधिक जमीन मुर्शिदाबाद को आवंटित की गई है, जहां 362.8 एकड़ जमीन बीएसएफ को सौंपी गई है। इसके बाद मालदा को 247.7 एकड़ और उत्तर 24 परगना को 243.7 एकड़ जमीन दी गई है। नदिया, कूच बिहार, जलपाईगुड़ी और दिनाजपुर जिलों में भी जमीन सौंपी गई है। इन इलाकों में जमीन की उपलब्धता और अन्य प्रशासनिक मुद्दों के कारण निर्माण कार्य रुका हुआ था।

छह राज्यों में 1600 संदिग्ध विदेशी नागरिक मिले, मतदाता सूची से हटाए जाएंगे नाम

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत निर्वाचन आयोग की ओर से मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए चलाए जा रहे सिरस्टमेटिक आइडेंटिफिकेशन एंड रिव्यू (एसआईआर) अभियान के तहत एक अहम जानकारी सामने आई है। इस अभियान के तहत छह राज्यों में करीब 1600 संदिग्ध विदेशी नागरिकों की पहचान की गई है, जिनके नाम मतदाता सूची से हटाए जाने हैं। एसआईआर का काम इन छह राज्यों में पूरा हो चुका है और कुछ अन्य राज्यों में यह प्रक्रिया अभी भी जारी है। यह कदम मतदाता सूची की अखंडता को बनाए रखने और यह तय करने के लिए अहम है कि केवल पात्र भारतीय नागरिक ही मतदान कर सकें। एक रिपोर्ट के मुताबिक जिन 1,600 संदिग्ध विदेशी नागरिकों की पहचान की गई है, उनकी संख्या इन छह राज्यों के कुल मतदाताओं की संख्या के मुकाबले बहुत कम है। इन छह राज्यों में रहने वाले मतदाताओं की कुल संख्या 9.86 करोड़ है, जिससे पता चलता है कि यह अभियान बड़े पैमाने पर नहीं, बल्कि लक्षित रूप से त्रुटियों को सुधारने पर केंद्रित है। यह निर्वाचन आयोग की निरंतर कोशिशों का हिस्सा है ताकि मतदाता सूची में किसी भी प्रकार की अनियमितता या अपात्र व्यक्ति के नाम को समाप्त किया जा सके।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड-मुंबई पुलिस पर दिखावे की कार्रवाई का आरोप

मुंबई। एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में उनकी पत्नी शहजीन सिद्दीकी ने मुंबई पुलिस पर गंभीर आरोप लगा दिए हैं। उनका कहना है कि पुलिस केवल दिखावे की कार्रवाई कर रही है और अपनी मनमानी छिपाने के लिए प्रशासनिक अड़चनों का सहारा ले रही है। शहजीन के वकील निवनकुमार कारनानी ने कहा कि मुंबई पुलिस जानबूझकर अदालती आदेशों के बावजूद जेल में पूछताछ या वीडियो कॉन्फेंसिंग के माध्यम से हिरासत सुनिश्चित करने जैसे आवश्यक कदम नहीं उठा रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यह प्रशासनिक देरी हत्या के मामले की सुनवाई को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकती है, खासकर तब जब पुलिस को प्रक्रियागत विकल्पों की जानकारी है। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की 12 अक्टूबर 2024 को मुंबई के बांद्रा ईस्ट इलाके में उनके बेटे के कार्यालय के बाहर तीन हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस हत्याकांड में गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का नाम सामने आया था, और मुंबई पुलिस ने अपनी चार्जशीट में लॉरेंस के भाई अनमोल बिश्नोई को वांछित आरोपी के रूप में चिह्नित किया है। ये आरोप तब सामने आए हैं, जब मुंबई पुलिस पर बॉलीवुड अभिनेता टाडगार श्राफ की कार पर हुए हालिया हमले के बाद भी सवाल उठ रहे हैं। 18 सितंबर को जुड़ू में हुए इस हमले में टाडगार के ड्राइवर और एक अन्य व्यक्ति घायल हुए थे, और घटना में भी लॉरेंस बिश्नोई का कनेक्शन उजागर हुआ था। सिद्दीकी की पत्नी के आरोप मौजूदा स्थिति में पुलिस की कार्यप्रणाली पर और दबाव बढ़ा रहे हैं।

सरूदी अरब में उमरा करने गए हजारों जायरीन फंसे

नई दिल्ली। सरूदी अरब में उमरा करने गए चार हजार से अधिक भारतीय जायरीन उड़ानों के प्रभावित होने से फंस गए हैं। 18 अक्टूबर को रियाद के किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हुए हमलों के बाद उनकी वापसी मुश्किल हो गई है। कई जायरीन मक्का-मदीना के अलावा जेद्दा और रममाय में फंसे हैं। उनके पास पैसे और नियमित दवाइयां खत्म होने लगी हैं, जिससे परेशानियां बढ़ रही हैं। होटल और खाने-पीने का खर्च भी लगातार बढ़ रहा है। भारतीय दूतावास और एयरलाइंस की ओर से यात्रियों की मदद के प्रयास किए जा रहे हैं। कुछ यात्रियों को होटल और भोजन उपलब्ध कराया गया है, लेकिन सभी के लिए पर्याप्त व्यवस्था नहीं हो पा रही है। कई जायरीन एक ही कमरे में 10 से 15 लोगों के साथ रहने को मजबूर हैं। बुजुर्गों और बीमार यात्रियों की स्थिति अधिक चिंताजनक है।

राष्ट्रीय मंच पर चमके हरिद्वार के समाजसेवी, जगदीश लाल पाहवा और परमानन्द पोपली सम्मानित

हरिद्वार (शिखर समाचार) धर्मनगरी हरिद्वार के दो वरिष्ठ समाजसेवियों जगदीश लाल पाहवा और परमानन्द पोपली को समाजसेवा एवं जनकल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया। नई दिल्ली स्थित गांधी पीस फाउंडेशन में बियॉन्ड द थर्ड आई न्यूज की ओर से आयोजित इम्पैक्ट इंडिया समिट-2026 में देशभर की लगभग 100 समाजसेवी संस्थाओं ने भाग लिया। समारोह में पद्मश्री से सम्मानित केंवल सिंह चौहान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस दौरान समाज के उत्थान और निःस्वार्थ जनसेवा के लिए समर्पित विभूतियों को सम्मान प्रदान किए गए। वरिष्ठ नागरिक महासभा के संस्थापक अध्यक्ष एवं ट्रि ट्रस्ट ऑफ इंडिया के संरक्षक जगदीश लाल पाहवा को समाजसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान



के लिए श्रेष्ठ एनजीओ सम्मान पुरस्कार-2026 से अलंकृत किया गया। वहीं, वरिष्ठ समाजसेवी परमानन्द पोपली को भी उनके सराहनीय सामाजिक कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। जगदीश लाल पाहवा लंबे समय से पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण, सामाजिक

नागरिकों के कल्याण और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए सक्रिय हैं। जनहित के कार्यों के प्रति उनका समर्पण समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जाता है। सम्मान प्राप्त करने पर पाहवा ने पाहवा ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह केवल उनका व्यक्तिगत सम्मान



नहीं, बल्कि उन सभी सहयोगियों, समाजसेवियों और संस्थाओं का सम्मान है, जो निस्वार्थ भाव से समाज की बेहतरी के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि समाजसेवा उनके लिए केवल कार्य नहीं, बल्कि जीवन का संकल्प है। पाहवा ने आयोजन समिति और बियॉन्ड द थर्ड आई न्यूज का आभार

व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में भी पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता, वरिष्ठ नागरिकों के हितों की रक्षा और जनकल्याण के कार्य पूरी निष्ठा से जारी रहेंगे। हरिद्वार के दोनों समाजसेवियों को मिला यह राष्ट्रीय सम्मान क्षेत्र की सामाजिक संस्थाओं और नई पीढ़ी के लिए प्रेरणादायी है।

भारतीय ज्ञान परंपरा मानव कल्याण और सामाजिक सद्भाव का आधार: राज्यपाल

हरिद्वार (शिखर समाचार) राज्यपाल डॉ. ढाल सिंह बिसेन ने गुरुवार को हरिद्वार स्थित पतंजलि विश्वविद्यालय में 52वें अखिल भारतीय प्राच्यविद्या सम्मेलन का उद्घाटन किया। तीन दिवसीय इस सम्मेलन में देश-विदेश से विद्वान, शोधकर्ता, शिक्षाविद और विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा का उद्देश्य केवल बौद्धिक विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यक्ति के चरित्र निर्माण, सामाजिक सद्भाव और मानव कल्याण की भावना को मजबूत करना भी है।

राज्यपाल ने कहा कि प्राच्यविद्या का अध्ययन अतीत को जानने के साथ-साथ भारतीय सभ्यता के विकास, विभिन्न विचारधाराओं के संवाद और मानव समाज के बौद्धिक इतिहास को समझने का अवसर देता है। वेद, उपनिषद, रामायण, महाभारत और भारतीय दर्शन के ग्रंथों में जीवन, नैतिकता, कर्तव्य तथा सामाजिक समरसता से जुड़े महत्वपूर्ण विचार



मिलते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय सांस्कृतिक विरासत, प्राचीन ज्ञान परंपरा और भारतीय भाषाओं के संरक्षण एवं

संवर्धन पर जोर दिया जा रहा है। विकास भी, विरासत भी का विचार आधुनिक प्रगति और सांस्कृतिक जड़ों के बीच समन्वय को दर्शाता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में भी भारतीय ज्ञान

परंपरा, मातृभाषाओं, बहुविषयक शिक्षा और अनुसंधान को महत्व दिया गया है। राज्यपाल ने ज्ञान भारतम् मिशन का उल्लेख करते हुए कहा कि प्राचीन पांडुलिपियों के सर्वेक्षण, संरक्षण और

अंकीकरण के माध्यम से देश की बौद्धिक विरासत को सुरक्षित रखने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने युवा शोधार्थियों से मूल ग्रंथों, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और दार्शनिक विचारों का

अंकीकरण के माध्यम से देश की बौद्धिक विरासत को सुरक्षित रखने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने युवा शोधार्थियों से मूल ग्रंथों, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और दार्शनिक विचारों का

गंभीरता से अध्ययन करने तथा शोध में प्रामाणिकता, पारदर्शिता और बौद्धिक ईमानदारी बनाए रखने का आह्वान किया। इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय के विभिन्न प्रकाशनों का लोकार्पण भी किया। राज्यपाल ने कहा कि 'सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः' का संदेश ज्ञान को समस्त मानवता के सुख, स्वास्थ्य और कल्याण से जोड़ता है। वर्तमान वैश्विक चुनौतियों के बीच भारतीय ज्ञान परंपरा में निहित संतुलन, सह-अस्तित्व और समग्र दृष्टिकोण पर विमर्श उपयोगी साबित हो सकता है। सम्मेलन में पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति स्वामी रामदेव, कुलपति आचार्य बालकृष्ण, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी, कुंभ मेलाधिकारी सोनिका, जिलाधिकारी मयूर दीक्षित, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह भुल्लर सहित भारतीय विद्वत परिषद के प्रतिनिधि, विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति, विद्वान, आचार्य, शोधार्थी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कुंभ-2027 की तैयारियों को रफ्तार देने मैदान में उतरीं मेलाधिकारी सोनिका, निर्माण कार्य जल्द पूरे करने के निर्देश

हरिद्वार (शिखर समाचार) कुंभ-2027 के आयोजन को लेकर मेला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मेलाधिकारी सोनिका ने गुरुवार को जिलाधिकारी मयूर दीक्षित, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह भुल्लर, अपर मेलाधिकारी दयानंद सरस्वती तथा अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ पंतद्वीप, रोड़ी-बेलवाला और चंडी चौक क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया। बारिश के बीच हुए निरीक्षण में निर्माण कार्यों की प्रगति, प्रमुख मार्गों, पुलों, घाटों और भीड़ प्रबंधन से जुड़ी व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक सुधार करने और निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए गए।

टीम ने सबसे पहले कांगड़ा पुल और संजय पुल के संगम के निकट पंतद्वीप की नोक वाले क्षेत्र का निरीक्षण किया। यहां



श्रद्धालुओं की आवाजाही व्यवस्थित बनाने के लिए मार्गों और प्लेटफॉर्म की स्थिति का जायजा लिया गया। अधिकारियों को अनुपयोगी और क्षतिग्रस्त खंभे हटाने, खंभों और पेड़ों से लटक रहे तारों, रिससों तथा अनवांछक सामग्री को हटाने के निर्देश दिए गए। घाटों की साफ-सफाई, प्लेटफॉर्म को

व्यवस्थित रखने और सौंदर्यीकरण के कार्य जल्द पूरे करने पर भी जोर दिया गया। इसके बाद रोड़ी-बेलवाला क्षेत्र में निर्माणधीन प्रशासनिक मार्ग और चंडी पुल पर बन रहे दोहरी लेन के भूमिगत मार्ग की प्रगति की समीक्षा की गई। मेलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्धारित

समयसीमा में कार्य पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि कुंभ के दौरान यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहे। चंडी चौक से वाल्मीकि चौक तक सड़क चौड़ीकरण और सुधार कार्यों का भी निरीक्षण किया गया। अधिकारियों से कहा गया कि निर्माण कार्यों में तेजी लाते हुए पैदल श्रद्धालुओं के सुरक्षित आवागमन और यातायात संचालन के लिए जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। निरीक्षण के दौरान सोनिका अपने लैपटॉप पर तैयारियों की समीक्षा करती रहीं और व्यवस्थाओं से जुड़ी कार्ययोजनाओं का जायजा लिया। मेलाधिकारी ने विभिन्न स्थलों पर समस्थाओं की पहचान कर उनके समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाने पर जोर दिया। निरीक्षण में उप मेलाधिकारी मनजीत सिंह, पीआईड्यू के अधिशासी अभियंता प्रवीण कुश, यूपीडीसीसी के परियोजना प्रबंधक आशीष भट्ट सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

सुप्रीम कोर्ट का घरेलू हिंसा में महिलाओं को संरक्षण - महिलाओं को संयुक्त घर से बेदखल करने पर रोक

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने घरेलू हिंसा के मामलों में महिलाओं के अधिकारों को लेकर महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। अदालत ने स्पष्ट किया कि केवल पति के घर में मौजूद न होने के आधार पर पत्नी और उसकी महिला रिश्तेदारों को साझा घर से बेदखल नहीं किया जा सकता। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस विभुलु एम. पांगोली की पीठ ने घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005 के प्रावधानों की व्याख्या करते हुए यह बात कही। अदालत के अनुसार, पति की गैर-मौजूदगी में भी महिला रिश्तेदारों को बेदखल करना कानून के तहत उचित नहीं है। साझा घर से प्रतिवादी को हटाने का आदेश देने के मामले में महिलाओं के संरक्षण को ध्यान में रखना आवश्यक है। हालांकि, अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि इस संरक्षण का अर्थ घरेलू हिंसा से पीड़ित महिला के कानूनी अधिकारों को समाप्त करना नहीं है। यह फैसला महिलाओं के आवास संबंधी अधिकारों की रक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

मसूरी विंटरलाइन कार्निवाल को ऐतिहासिक रंग देने की तैयारी, स्मारकों और लोकसंस्कृति को मिलेगा मंच

देहरादून (शिखर समाचार) मसूरी विंटरलाइन कार्निवाल-2026 को भव्य, आकर्षक और सुव्यवस्थित बनाने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट स्थित राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र सभागार में बैठक आयोजित की गई। इसमें सुरक्षा, स्थित राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र सभागार में बैठक आयोजित की गई। इसमें सुरक्षा, स्थानीय सुविधाएं समय से सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कहा कि कार्निवाल केवल मनोरंजन का आयोजन नहीं, बल्कि पर्यटकों की सुविधाओं से जुड़ी व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ सभी तैयारियां समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरी करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि कार्निवाल के दौरान मसूरी में

पर्यटकों की संख्या बढ़ने की संभावना को देखते हुए सुरक्षा और यातायात प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया जाए। स्थानीय नागरिकों और पर्यटकों की सुविधा के लिए साफ-सफाई, सड़क व्यवस्था, पेयजल और अन्य जरूरी सुविधाएं समय से सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कहा कि कार्निवाल केवल मनोरंजन का आयोजन नहीं, बल्कि पर्यटकों को बढ़ावा देने, स्थानीय संस्कृति और ऐतिहासिक विरासत को देश-विदेश तक पहुंचाने तथा रोजगार के अवसर बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने मसूरी के ऐतिहासिक स्मारकों और भवनों का सौंदर्यीकरण कर उन्हें कार्निवाल के कार्यक्रमों से जोड़ने के



निर्देश दिए। इन स्थलों पर स्थानीय इतिहास, लोक परंपराओं, लोककला और व्यंजनों से संबंधित कार्यक्रम

आयोजित करने पर जोर दिया, ताकि पर्यटक मसूरी और उत्तराखंड की सांस्कृतिक विरासत से परिचित हो सकें।

जिलाधिकारी ने अन्य पर्यटन क्षेत्रों में आयोजित सफल कार्निवाल और महोत्सवों की व्यवस्थाओं का अध्ययन कर उपयोगी नवाचारों को मसूरी की परिस्थितियों के अनुरूप अपनाने को कहा। उन्होंने बताया कि इस आयोजन से होटल व्यवसायियों, व्यापारियों, परिवहन सेवा प्रदाताओं और स्थानीय कलाकारों को रोजगार एवं आय के अवसर मिल सकते हैं। सभी विभागों को पर्यटकों की सुविधा, स्थानीय सहभागिता और सांस्कृतिक विरासत के प्रचार-प्रसार को ध्यान में रखकर कार्य करने के निर्देश दिए गए। बैठक में मसूरी नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष मीरा सकलानी, संयुक्त मजिस्ट्रेट राहुल

आनंद, मुख्य कोषाधिकारी नीतू भंडारी, आयोजित सफल कार्निवाल और महोत्सवों की व्यवस्थाओं का अध्ययन कर उपयोगी नवाचारों को मसूरी की परिस्थितियों के अनुरूप अपनाने को कहा। उन्होंने बताया कि इस आयोजन से होटल व्यवसायियों, व्यापारियों, परिवहन सेवा प्रदाताओं और स्थानीय कलाकारों को रोजगार एवं आय के अवसर मिल सकते हैं। सभी विभागों को पर्यटकों की सुविधा, स्थानीय सहभागिता और सांस्कृतिक विरासत के प्रचार-प्रसार को ध्यान में रखकर कार्य करने के निर्देश दिए गए। बैठक में मसूरी नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष मीरा सकलानी, संयुक्त मजिस्ट्रेट राहुल

आनंद, मुख्य कोषाधिकारी नीतू भंडारी, पुलिस अधीक्षक जया बलूनी, परियोजना निदेशक ग्राम्य विकास अधिकरण विक्रम सिंह, उप नगर आयुक्त गौरव कुमार, होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष संदीप कहा। उन्होंने बताया कि इस आयोजन से होटल व्यवसायियों, व्यापारियों, परिवहन सेवा प्रदाताओं और स्थानीय कलाकारों को रोजगार एवं आय के अवसर मिल सकते हैं। सभी विभागों को पर्यटकों की सुविधा, स्थानीय सहभागिता और सांस्कृतिक विरासत के प्रचार-प्रसार को ध्यान में रखकर कार्य करने के निर्देश दिए गए। बैठक में मसूरी नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष मीरा सकलानी, संयुक्त मजिस्ट्रेट राहुल

आतंकवाद छोड़े पाकिस्तान तभी होगी बात: खुद पाकिस्तानी विशेषज्ञ ने कहा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत द्वारा नई दिल्ली में आयोजित होने वाले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) स्विट्ज़रलैंड में आयोजित फोरम में पाकिस्तान को भेज निमंत्रण ने दोनों देशों के बीच संभावित बातचीत की अटकलों को तेज किया है। हालांकि, पाकिस्तानी विशेषज्ञ ने अपने ही देश की पोल खोलकर साफ कहा है कि भारत तब तक इस्लामाबाद से कोई वार्ता नहीं करेगा, जब तक वह आतंकवाद के मुद्दे पर गंभीर रुख नहीं दिखाता है। पाकिस्तानी पत्रकार के युट्यूब चैनल पर जानकार शकील चौधरी ने स्पष्ट किया कि नई दिल्ली और इस्लामाबाद के बीच बातचीत की संभावना बहुत कम है। चौधरी के अनुसार, भारत का प्राथमिक ध्यान अपने विकास पर केंद्रित है और वह किसी भी तरह का तनाव नहीं चाहता। उन्होंने तर्क दिया कि पड़ोसी देश से अच्छे संबंध और सीमा पर शांति भारत की तरक्की और विकास दर के लिए महत्वपूर्ण है, इसलिए भारत पाकिस्तान के साथ युद्ध जैसी स्थिति नहीं चाहेगा। पाकिस्तान में चरमपंथी हमलों के पीछे भारत का हाथ होने के इस्लामाबाद के आरोपों को शकील चौधरी ने सिरे

से खारिज किया। उन्होंने कहा कि भारत की सीमा न बलूचिस्तान से लगती है और न ही खैबर पख्तूनख्वा से, इसके बाद वहां भारत का हस्तक्षेप करना अत्यंत कठिन है। चौधरी ने पाकिस्तानी सैन्य जनरलों के पुराने बयानों की याद दिलाई, जिसमें 2016 में रहील शरीफ ने आतंकवाद के खतरे का दावा किया था, लेकिन परिणाम कुछ और ही रहा। उन्होंने चुनौती दी कि यदि पाकिस्तान के पास भारत के खिलाफ कोई सबूत है, तब उस सबूत को संयुक्त राष्ट्र में पेश करना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय मंच पर पाकिस्तान की विश्वसनीयता पर शकील चौधरी ने गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने हाल ही में जापान के प्रधानमंत्री की भारत यात्रा का जिक्र किया, जिसके दौरान जारी संयुक्त बयान में खुले तौर पर पाकिस्तान का नाम लेकर आलोचना की गई। चौधरी ने अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में एक बड़ा और दुर्लभ घटनाक्रम बताया, क्योंकि देशों द्वारा नाम लेकर आलोचना सामान्यतः नहीं की जाती। उन्होंने 2010 में ब्रिटेन के तत्कालीन प्रधानमंत्री डेविड कैमरून द्वारा भी पाकिस्तान की आलोचना का उदाहरण देकर कहा कि वैश्विक समुदाय पाकिस्तान पर भरोसा नहीं करता।

डॉ. रम्या रामचंद्रन को मिला 'भारत की उड़ान' अवॉर्ड, केंद्रीय मंत्री ने किया सम्मानित



हापुड़ (शिखर समाचार)। सरस्वती ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस की वाइस चेयरपर्सन डॉ. रम्या रामचंद्रन को उनके उत्कृष्ट सामाजिक कार्यों के लिए प्रतिष्ठित 'भारत की उड़ान 3.0 अवॉर्ड - एक्सीलेंस इन द फील्ड ऑफ सोशल इम्पैक्ट 2026' से नवाजा गया है। नई दिल्ली स्थित ताज एम्बेसडर होटल में आयोजित भव्य समारोह के दौरान केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने उन्हें इस विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया। डॉ. रम्या को यह राष्ट्रीय सम्मान परोपकार, पोषण, उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवा और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में दिए गए उनके असाधारण योगदान के लिए प्रदान किया गया है। उल्लेखनीय है कि डॉ. रम्या श्री अय्यनार एजुकेशनल एवं चैरिटेबल ट्रस्ट की प्रबंध न्यासी (मेनेजिंग ट्रस्टी) होने के साथ-साथ वल फाउंडेशन चैरिटेबल ट्रस्ट की संस्थापक भी हैं। उनके ट्रस्ट के माध्यम से वंचित व जरूरतमंद वर्गों के लिए दैनिक पोषण, चिकित्सा सेवा और महिला सशक्तिकरण के कई कल्याणकारी कार्यक्रम निरंतर चलाए जा रहे हैं। उनकी प्रमुख महत्वाकांक्षी पहल 'आशाआदी सक्षम - आत्मनिर्भरता के लिए कौशल' के अंतर्गत महिलाओं को कंप्यूटर प्रशिक्षण और ब्यूटी एंड वेलेनेस में 6 महीने के निशुल्क प्रमाण पत्र (सर्टिफिकेट) पाठ्यक्रम कराए जाते हैं, जिससे वे हुनरमंद बनकर स्वरोजगार प्राप्त कर सकें और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें।

झाड़-फूंक के नाम पर महिलाओं को बनाते थे शिकार, दो आरोपी गिरफ्तार



बिजनौर (शिखर समाचार)। झाड़-फूंक से बीमारी ठीक करने का झांसा देकर महिलाओं के सोने के आभूषण ठगने वाले दो आरोपियों को शेरकोट पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से शेरकोट में बुजुर्ग महिला से ठगा गया सात टिकली का सोने का हार और धामपुर में महिला से ठगे गए दो कुंडल बरामद किए हैं। पुलिस दोनों घटनाओं की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, शेरकोट के मोहल्ला शेखान निवासी मुनीजा खातून ने 28 अक्टूबर को शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि 13 अक्टूबर को मोहल्ला काजीसराय में भारतीय स्टेट बैंक के सामने वाली गली में दो अज्ञात व्यक्तियों ने झाड़-फूंक से ठीक करने का झांसा देकर उनका सोने का हार ठग लिया था। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी थी। गुरुवार को पुलिस ने अमररोहा के मोहल्ला अहमदनगर निवासी दिलशाद उर्फ भैया और दानिशा उर्फ चेयरमैन को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने धामपुर में भी इसी तरह की ठगी की घटना में शामिल होने की बात स्वीकार की। पुलिस के मुताबिक, 22 अगस्त को धामपुर की मितल वाली गली में एक महिला से दो कुंडल ठगे गए थे। पुलिस ने दोनों घटनाओं से संबंधित आभूषण बरामद कर लिए हैं। पुलिस की कार्रवाई से महिलाओं को झाड़-फूंक के नाम पर ठगने वाले गिरोह की गतिविधियों पर अंकुश लगाने की उम्मीद है। पुलिस लोगों से अपील करती है कि अंधविश्वास के बहकावे में न आए और किसी अनजान व्यक्ति के झांसे में आकर अपने कीमती आभूषण उसके हवाले न करें। किसी भी सदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें।

मेरठ से हथियार लाकर मुजफ्फरनगर में बेचने की तैयारी, चार आरोपी गिरफ्तार



शाहपुर/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। शाहपुर थाना पुलिस ने अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त करने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से .32 बोर की छह विदेशी पिस्टल, .315 बोर के तीन देशी तमंचे, .315 बोर की एक मस्कट, पांच जिंदा कारतूस और एक पिट्टू बैग बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी मेरठ के एक व्यक्ति से हथियार खरीदकर अलग-अलग स्थानों पर ऊंचे दामों में बेचने थे। पुलिस के मुताबिक, गुरुवार 29 अक्टूबर को पुलिस क्षेत्र में सदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि गांव सोरम के गेट नंबर-दो स्थित यात्री प्रतीक्षालय में कुछ लोग अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त के लिए मौजूद हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने मौका पर पहुंचकर घेराबंदी की और वारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से हथियार और कारतूस बरामद हुए। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मेरठ जनपद के बगारसी निवासी आकाश उर्फ शुभानु, अदरना निवासी सनी, पथौली निवासी निखिल उर्फ निक्की और अदरना निवासी शुभम के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने मेरठ दिमांगी एक व्यक्ति से विदेशी पिस्टल और तमंचे खरीदकर विभिन्न स्थानों पर ऊंचे दामों में बेचने की बात बताई। पुलिस का कहना है कि आरोपी मुजफ्फरनगर में भी हथियारों की आपूर्ति करने आए थे। इस मामले में शाहपुर थाने पर मुकदमा संख्या 299/2026 के तहत आयुध अधिनियम की धारा 3/5/25 में अभियोग दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, आकाश उर्फ शुभानु और निखिल उर्फ निक्की का पूर्व आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। पुलिस हथियारों के स्रोत, आपूर्ति नेटवर्क और इस कारोबार में शामिल अन्य लोगों की जानकारी जुटा रही है। कार्रवाई करने वाली टीम में उपनिरीक्षक दिशाल यादव, उपनिरीक्षक दीपक चौधरी सहित थाना शाहपुर के पुलिसकर्मी शामिल रहे।

राष्ट्रीय शिखर

राष्ट्रीय हिंदी शिखर समाचार पत्र

आवश्यकता है

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र को आवश्यकता है दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले और तहसीलों में संवाददाताओं और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आकर्षक कमीशन, आवेदन पत्र के साथ मिले या संपर्क करें:-

राष्ट्रीय शिखर संपादकीय सिटी कार्यालय :-
64 नवयुग मार्केट,फर्स्ट फ्लोर, गाजियाबाद।
rashtriyashikhar@gmail.com

उद्यमियों की समस्याओं पर प्रशासन सख्त, 15 दिन में कार्रवाई कर रिपोर्ट देने के निर्देश

गाजियाबाद (शिखर समाचार) औद्योगिक क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने और उद्यमियों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन ने संबंधित विभागों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। गुरुवार को कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा गांधी सभागार में जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ के निर्देशन में नगर मजिस्ट्रेट सतीश चंद्र त्रिपाठी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय उद्योग बंधु बैठक आयोजित की गई। बैठक में औद्योगिक क्षेत्रों से जुड़ी समस्याओं और लंबित प्रकरणों की समीक्षा की गई। इंद्रप्रस्थ योजना के पॉकेट-बी में मिट्टी भराव कर भूमि का



समतलीकरण कराने के मामले में गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के निर्माण खंड के अधिशासी अभियंता ने बताया कि कार्य प्रगति पर है और इसे दिसंबर 2026 तक पूरा करा दिया जाएगा। उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास

प्राधिकरण से संबंधित नाला निर्माण, सड़क निर्माण और अन्य समस्याओं पर चर्चा के दौरान नगर मजिस्ट्रेट ने उप महाप्रबंधक (सिविल) सलिल यादव को आवश्यक कार्रवाई शीघ्र सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। औद्योगिक क्षेत्रों में यातायात जाम,



अतिक्रमण और अवैध रूप से खड़े वाहनों की समस्या के समाधान के लिए सहायक पुलिस आयुक्त (यातायात) को कार्रवाई करने को कहा गया। विद्युत विभाग से संबंधित मामलों की समीक्षा करते हुए वन विभाग और उत्तर प्रदेश पावर

कॉरपोरेशन लिमिटेड, मुरादनगर के अधिशासी अभियंता को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। बैठक में प्रस्तुत अन्य समस्याओं और लंबित मामलों पर भी चर्चा की गई। नगर मजिस्ट्रेट सतीश चंद्र त्रिपाठी ने सभी संबंधित विभागों को

निर्देशित किया कि बैठक में उठाए गए बिंदुओं पर 15 दिन के भीतर कार्रवाई पूरी कर आगामी उद्योग बंधु बैठक से पहले अनुपालन आख्या उपलब्ध कराएं। बैठक का संचालन उपायुक्त उद्योग आशुतोष सिंह ने किया। इसमें सहायक पुलिस आयुक्त (यातायात), गाजियाबाद विकास प्राधिकरण और नगर निगम के अधिशासी अभियंता, उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण के क्षेत्रीय प्रबंधक, बाट एवं माप विभाग के प्रबंधक, उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सहायक पर्यावरण अभियंता सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और औद्योगिक संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जीडीए की पारदर्शी लॉटरि: 1,493 परिवारों को मिला आशियाना, 138 प्रतीक्षा सूची में

हिन्दी भवन में वरिष्ठ अधिकारियों और आवेदकों के समक्ष सम्पन्न हुआ पीएम आवास योजना का ड्रॉ



आरव शर्मा गाजियाबाद (शिखर समाचार)। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के 1,493 परिवारों का अपने पक्के घर का सपना साकार हो गया। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण द्वारा लोहिया नगर स्थित हिन्दी भवन में आयोजित पारदर्शी एवं निष्पक्ष लॉटरी ड्रॉ के जरिए इन आवासों का आवंटन सफलतापूर्वक सम्पन्न कराया गया। यह लॉटरी योजना संख्या 932/41-डी के अंतर्गत ग्राम शाहबाद उर्फ मीठपुर (खसरा संख्या 46 व 47) तथा ग्राम मिजापुर



(खसरा संख्या 126, 128 व 129) में निर्मित एहर आवासों के लिए निकाली गई। निर्धारित नियमों व मानकों के तहत आयोजित इस प्रक्रिया में 1,493 पत्र आवेदकों को आवास आवंटित किए गए, जबकि भविष्य की संभावनाओं को देखते हुए 138 आवेदकों को प्रतीक्षा सूची (वैटिंग लिस्ट) में रखा गया है। आवंटन की पूरी प्रक्रिया अपर सचिव, वित्त नियंत्रक, विशेष कार्याधिकारी, परियोजना अधिकारी (ड्रॉ) समेत अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों की प्रत्यक्ष निगरानी में पूरी हुई। सभागार में बड़ी

संख्या में आवेदक और उनके परिजन मौजूद रहे, जिनके सामने पूरी पारदर्शिता और व्यवस्थित ढंग से पंचियां निकाली गईं। ड्रॉ में नाम आते ही सभागार में मौजूद लाभार्थियों के चेहरे खिल उठे और खुशी का माहौल बन गया। लाभार्थियों ने अपना घर मिलने पर केंद्र व प्रदेश सरकार तथा विकास प्राधिकरण का आभार जताया। प्राधिकरण अधिकारियों का कहना है कि कमजोर वर्ग के पात्र परिवारों को सुरक्षित छत और पारदर्शी व्यवस्था उपलब्ध कराने की दिशा में यह कदम उठाया गया है।

बिजनौर (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह ने संचारी रोग नियंत्रण अभियान की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों को कार्यशैली में सुधार लाने और अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए। गुरुवार को कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा विदुर सभागार में आयोजित जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की और पात्र लाभार्थियों तक सरकारी सुविधाएं पहुंचाने पर जोर दिया। डीएम ने संचारी रोग नियंत्रण अभियान की नियमित निगरानी के लिए व्हाट्सएप समूह बनाने तथा प्रतिदिन की गतिविधियों की रिपोर्ट साझा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अभियान में लापरवाही न बरती जाए और निर्धारित कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए। जननी सुरक्षा योजना के पात्र लाभार्थियों को समय से भुगतान सुनिश्चित करने के साथ कुछ आश्रम



और वृद्ध आश्रम में स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने को भी कहा। उन्होंने कुछ रोगियों और टीबी मरीजों को पोषण पोर्टली वितरित कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने 108 एंबुलेंस सेवा की प्रभावी निगरानी पर जोर देते हुए कहा कि आपातकालीन परिस्थितियों में मरीजों को समय से एंबुलेंस उपलब्ध कराई जाए, ताकि उन्हें उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाने में देरी न हो। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया कि सरकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक

पात्र व्यक्ति तक पहुंचाया जाए और मरीजों के साथ संवेदनशीलता से व्यवहार किया जाए। बैठक में बताया गया कि यूपी हेल्थ डैशबोर्ड की रैंकिंग में बिजनौर जनपद 13वें स्थान पर है और मंडल में प्रथम स्थान पर बना हुआ है। डीएम ने इस उपलब्धि को बरकरार रखने के साथ स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में लगातार सुधार करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कौशलेंद्र सिंह सहित स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सक और संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

38 यूपी बटालियन के कमान अधिकारी ने किया एसएसवी इंटर कॉलेज का निरीक्षण



हापुड़ (शिखर समाचार)। 38 यूपी बटालियन एनसीसी के कमान अधिकारी कर्नल राजेश बहरी ने गुरुवार को एसएसवी इंटर कॉलेज हापुड़ का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय में संचालित एनसीसी गतिविधियों और उसकी प्रगति की गहन समीक्षा की। उनके साथ सूबेदार मेजर रिसालदार मेजर संजय धामा भी विशेष रूप से मौजूद रहे। विद्यालय के एएनओ लेफ्टिनेंट कपिल बिसला और सीटीओ आकाश मालवीय ने कमान अधिकारी को एनसीसी की वर्तमान प्रगति, कैडेट्स द्वारा की जा रही विभिन्न गतिविधियों और चल रहे प्रशिक्षण कार्यों के बारे में विस्तार

से अवगत कराया। निरीक्षण के दौरान कमान अधिकारी ने विद्यालय के प्रबंधक सुधीर कुमार और प्रधानाचार्य विजय गर्ग के साथ एक बैठक की। इस बैठक में एनसीसी कैडेट्स के सर्वांगीण विकास, बटालियन तथा विद्यालय की आगामी योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। इसके बाद कमान अधिकारी ने एनसीसी कैडेट्स से सीधा संवाद किया और उन्हें अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, देशभक्ति और सामाजिक जिम्मेदारी का पाठ पढ़ाया। उन्होंने कैडेट्स को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रेरित करते हुए जीवन में आगे बढ़ने के गुर सिखाए।

खतौली में जरूरतमंदों की आंखों के उपचार के लिए खुलेगा विजन सेंटर, नई कार्यकारिणी गठित

खतौली / मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। लांस क्लब खतौली के 54वें पदस्थापना समारोह एवं चार्टर नाइट का आयोजन धूमधाम से किया गया। समारोह में जरूरतमंद लोगों को आंखों के उपचार की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खतौली में दृष्टि केंद्र स्थापित करने का निर्णय लिया गया। कार्यक्रम में मौजूद डिस्ट्रिक्ट गवर्नर आदित्य गुप्ता ने कहा कि इस केंद्र की स्थापना के लिए लांस क्लब खतौली को पूरा सहयोग दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों की सहायता और समाजसेवा के माध्यम से लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना क्लब का प्रमुख उद्देश्य है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शामिली नगर पालिका के अध्यक्ष अरविंद संगल ने क्लब की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। नई कार्यकारिणी में उमेश कुमार को



अध्यक्ष, पीयूष जैन को सचिव और अभय जैन को कोषाध्यक्ष घोषित किया गया। समारोह के दौरान पांच नए सदस्यों को भी क्लब में शामिल किया गया। इस अवसर पर समाजसेवा के क्षेत्र में योगदान के लिए विक्रंत जैन को लायन ऑफ द ईयर पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सम्मानित होने पर उन्होंने अतिथियों और समारोह में उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में क्लब की भावी गतिविधियों और

सामाजिक कार्यों को आगे बढ़ाने पर भी चर्चा हुई। समारोह में डॉ. अशोक सिंघल, अरुण कर्णवाल, विनीत जैन, नीरज गुप्ता, नितिन गोयल, विभोर जैन, भूपेंद्र और रुचिन सिंघल सहित क्लब के सदस्य तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। दृष्टि केंद्र की स्थापना से क्षेत्र के जरूरतमंद लोगों को आंखों की जांच और उपचार संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में पहल को आगे बढ़ाया जाएगा।

बंदरों के आतंक से मिलेगी राहत: जिलाधिकारी ने बुलाई आपात बैठक, नसबंदी और जंगल में छोड़ने का बनेगा मास्टर प्लान

हापुड़ (शिखर समाचार)। जनपद में बंदरों की बढ़ती आबादी, फसलों के नुकसान और आम नागरिकों को हो रही भारी परेशानियों को देखते हुए जिलाधिकारी कविता मीना ने कलेक्ट्रेट सभागार में वन विभाग व संबंधित अधिकारियों के साथ एक आपात बैठक की। बैठक में बंदरों की समस्या से स्थायी निजात पाने के लिए रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि शहरी और ग्रामीण, दोनों ही क्षेत्रों में बंदर इस समय आमजन के लिए भारी आतंक का कारण बने हुए हैं। इससे न केवल लोगों का जीना मुहाल हो रहा है, बल्कि किसानों की फसलों को भी भारी नुकसान पहुंच रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि बंदरों की संख्या पर नियंत्रण पाने के लिए जल्द से जल्द एक ठोस और प्रभावी कार्ययोजना तैयार की



जाए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि बंदरों को पकड़कर घनी आबादी से दूर सुरक्षित जंगलों में छोड़ा जाए। इसके साथ ही उनकी नसबंदी का विशेष अभियान चलाया जाए और मानव-वानर संघर्ष को कम करने के लिए जन-जागरूकता अभियान भी संचालित किया जाए।

उन्होंने नगर पालिका और नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारियों (ईओ) को अपने-अपने क्षेत्रों में अभियान चलाकर बंदरों को पकड़वाने के निर्देश दिए। साथ ही वन विभाग के साथ बेहतर समन्वय बनाकर पकड़े गए बंदरों को दूरस्थ वन क्षेत्रों में सुरक्षित रूप से छोड़ने की हिदायत दी।

संक्षिप्त समाचार

74 फीसदी अंक मिले,
आराजीलाइन, पिंडरा और सेवापुरी
का शानदार प्रदर्शन

वाराणसी, एजेंसी। जिला स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं में वाराणसी का बेहतर प्रदर्शन है। सितंबर में जारी हेल्थ रैंकिंग में वाराणसी को यूपी के 75 जिलों में 74 प्रतिशत अंक मिला है। इस तरह प्रदेश में पहला स्थान भी मिला है। आराजीलाइन, पिंडरा और सेवापुरी में स्वास्थ्य केंद्र का भी बेहतर प्रदर्शन है।

सीएमओ डॉ. एनपी सिंह ने बताया कि आराजीलाइन ब्लॉक ने 78 प्रतिशत के समग्र स्कोर के साथ प्रथम, पिंडरा ने 76 प्रतिशत के साथ द्वितीय और सेवापुरी ने 75 प्रतिशत के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि जनपद में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं सहित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियाव्ययन को दर्शाती है।

बताया कि सिजेरियन प्रसव से संबंधित निर्धारित स्वास्थ्य संकेतकों पर भी जिले का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा है। जिला चिकित्सालयों के साथ ही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों से संबंधित सिजेरियन प्रसव के दोनों प्रमुख संकेतकों में वाराणसी ने प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

गर्भवती महिलाओं की एचआईवी जांच, पूर्ण टीकाकरण, संस्थागत प्रसव, प्रसवपूर्व जांच और नवजात शिशुओं को गृह आधारित नवजात देखभाल सेवाएं उपलब्ध कराने जैसे महत्वपूर्ण संकेतकों पर भी विभिन्न ब्लॉकों का नाम सराहनीय प्रदर्शन में दर्ज हुआ है। सीएमओ ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले चिकित्सालयों,स्वास्थ्य इकाइयों के अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना की।

वैदिक मंत्रों के बीच 53 दंपतियों ने यज्ञ में दी आहुति, सुख-समृद्धि की कामना

गोरखपुर , एजेंसी। असुरन चौक स्थित विष्णु मंदिर में मानस उत्थान समिति की ओर से आयोजित धार्मिक अनुष्ठानों में बुधवार को वैदिक मंत्रोच्चार के बीच 53 दंपतियों ने यज्ञ में आहुति देकर सुख-समृद्धि की कामना की। मुख्य यज्ञाचार्य पंडित सुरेश श्याम त्रिपाठी के नेतृत्व में यज्ञ संपन्न हुआ।

यज्ञ के दौरान वैदिक मंत्रों से मंदिर परिसर भक्तिमय बना रहा। मुख्य यजमान प्रकाश नारायण त्रिपाठी, सुमित्रा देवी, विजय कुमार सिंह, राजेश चंद्र त्रिपाठी, माया सिंह, राजेश शुक्ला, बलबीर सिंह और अनुराधा वर्मा सहित 53 दंपति शामिल रहे। पुराण परायण और अखंड हरि-संकीर्तन अनवरत चल रहा है।

संस्कारों से मिलती है जीवन को सही दिशा = वृंदावन से आए कथावाचक पंडित हनुमंतेश मिश्रा ने कहा कि भगवान राम और शिव का परस्पर पूज्य होना सनातन धर्म की विशेषता है। सोलह संस्कार मनुष्य के जीवन में महत्वपूर्ण हैं। नामकरण संस्कार का महत्व बताते हुए उन्होंने अर्जामिल का प्रसंग सुनाया। कहा कि सच्ची श्रद्धा और विश्वास से की गई भक्ति कभी व्यर्थ नहीं जाती। कथा के प्रारंभ में नगर निगम के मुख्य अभियंता अमित कुमार शर्मा, महामंडलेश्वरी कनकेश्वरी नंद गिरी, व्यापारी राजन और समिति अध्यक्ष राधेश्याम श्रीवास्तव ने व्यास पीठ का पूजन और आरती की।

स्काउट-गाइड प्रशिक्षण से अनुशासन और नेतृत्व सीखेंगे प्रशिक्षु शिक्षक

गोरखपुर , एजेंसी। विद्यालय के बीएड विभाग में बुधवार को पांच दिवसीय स्काउट एवं गाइड परिचयात्मक प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ हुआ। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार पांडेय ने ध्वजारोहण कर शिविर का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि स्काउट एवं गाइड केवल प्रशिक्षण कार्यक्रम नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला सिखाने का सशक्त माध्यम है। इससे युवाओं में आत्मनिर्भरता, अनुशासन और सामाजिक दायित्वों के प्रति जागरूकता विकसित होती है। वर्तमान समय में अनेक चुनौतियों का सामना कर रही युवा पीढ़ी को ऐसे संगठन सही दिशा प्रदान करते हैं। उन्होंने प्रशिक्षु शिक्षकों को ईमानदारी से कार्य करने और निरंतर ज्ञान अर्जित करने के लिए प्रेरित किया।

शिविर का उद्देश्य प्रशिक्षु शिक्षकों का शारीरिक, मानसिक और नैतिक विकास करने के साथ उनमें अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक सहयोग की भावना विकसित करना है। इस दौरान प्रशिक्षुओं को प्रार्थना सत्र, ध्वज शिष्टाचार, नियम, प्रतिज्ञा, सिद्धांत और विभिन्न शैक्षिक एवं मनोरंजक खेलों का प्रशिक्षण दिया गया।

पेपर लीक से बर्बाद होता है युवाओं का साल: राज्यपाल ने दी शिक्षकों को सीख, जुगाड़ से पदोन्नति पर चेताया

आगरा, एजेंसी। पेपर लीक होने से सिर्फ परीक्षा प्रभावित नहीं होती बल्कि उन युवाओं का भविष्य भी दांव पर लग जाता है जो सीमित आयु में प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होने की तैयारी करते हैं। एक परीक्षा प्रभावित होने से अप्रत्यक्ष का एक साल बर्बाद होता है और उस की सीमा पर होने पर वह अगली परीक्षा के लिए पात्र भी नहीं रह पाता। ये बातें प्रदेश की राज्यपाल व कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने बुधवार को डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) के दो दिवसीय नेशनल कॉन्फ्रेंस-2026 के समापन अवसर पर कही।

उन्होंने शिक्षा जगत में शुद्ध आचरण बनाए रखने पर जोर दिया। कहा कि कुछ शिक्षकों की गलतियों के कारण परीक्षाएं प्रभावित होती हैं और पेपर लीक जैसी घटनाएं सामने आती हैं। शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए शिक्षकों को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। राज्यपाल ने शिक्षकों की पदोन्नति में मेरिट को प्राथमिकता देने की पैरवी करते हुए कहा कि शिक्षक ने



कितने शोध किए, कितनी किताबें प्रकाशित कीं और शिक्षा के क्षेत्र में उसका क्या योगदान रहा, इन उपलब्धियों के आधार पर पदोन्नति होनी चाहिए। यदि मेरिट को दरकिनार कर नियमों के विपरीत पदोन्नति की गई तो ऐसे लोगों को बचाने वाला कोई नहीं होगा। उन्होंने शिक्षकों को कार्यप्रणाली सुधारने की सीख दी।

खंदोरी परिसर के जयप्रकाश नारायण सभागार में आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन का मुख्य विषय राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत शिक्षकों के व्यावसायिक विकास के लिए पुष्टि

(राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षक मानक) और मित्रा (राष्ट्रीय मॉडरिंग मिशन) का प्रभावी क्रियाव्ययन रहा। एनसीटीई, भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय और विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सम्मेलन में नौ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के शिक्षाविदों ने भाग लिया। राज्यपाल ने मातृभाषा में शिक्षा देने की बात कहते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में इसे महत्व दिया गया है लेकिन व्यवहार में बच्चों को अंग्रेजी बोलने के लिए अधिक प्रेरित किया जाता है। दूसरी भाषाओं का

ज्ञान जरूरी है मगर बच्चों को पहले अपनी भाषा में समझने, बोलने और सोचने का अवसर मिलना चाहिए। इससे उनकी बौद्धिक क्षमता का बेहतर विकास होगा। उन्होंने दो साल के बच्चों को स्कूल भेजने की प्रवृत्ति पर भी चिंता जताई और कहा कि बच्चों के बचपन और स्वाभाविक विकास को महत्व दिया जाना चाहिए। सम्मेलन में एनसीटीई के अध्यक्ष प्रो. पंकज अरोड़ा ने कहा कि देश में लगभग 14.67 लाख स्कूल, 1.03 करोड़ शिक्षक और 25 करोड़ विद्यार्थी हैं। शिक्षा व्यवस्था में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए शिक्षकों के व्यावसायिक मानकों को मजबूत करना और प्रभावी मॉडरिंग तंत्र विकसित करना जरूरी है। उन्होंने मित्रा के तहत राष्ट्रीय मॉडरिंग मिशन की भूमिका समझाई। सम्मेलन के तकनीकी सत्रों में मित्रा की हैंडबुक, डिजिटल पोर्टल और मॉडरिंग प्रक्रिया का प्रशिक्षण दिया गया। दूसरे दिन पुष्टि के वैचारिक ढांचे, राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षक मानकों और क्रियाव्ययन प्रक्रिया पर चर्चा हुई। इसके डिजिटल पोर्टल और मोबाइल एप का प्रदर्शन भी किया गया। उच्च शिक्षा मंत्री

योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि विभिन्न राज्यों से आए प्रतिनिधियों की सहभागिता लघु भारत का अवसर मिलना चाहिए। इससे उनकी बौद्धिक क्षमता का बेहतर विकास होगा। उन्होंने दो साल के बच्चों को स्कूल भेजने की प्रवृत्ति पर भी चिंता जताई और कहा कि बच्चों के बचपन और स्वाभाविक विकास को महत्व दिया जाना चाहिए। सम्मेलन में एनसीटीई के अध्यक्ष प्रो. पंकज अरोड़ा ने कहा कि देश में लगभग 14.67 लाख स्कूल, 1.03 करोड़ शिक्षक और 25 करोड़ विद्यार्थी हैं। शिक्षा व्यवस्था में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए शिक्षकों के व्यावसायिक मानकों को मजबूत करना और प्रभावी मॉडरिंग तंत्र विकसित करना जरूरी है। उन्होंने मित्रा के तहत राष्ट्रीय मॉडरिंग मिशन की भूमिका समझाई। सम्मेलन के तकनीकी सत्रों में मित्रा की हैंडबुक, डिजिटल पोर्टल और मॉडरिंग प्रक्रिया का प्रशिक्षण दिया गया। दूसरे दिन पुष्टि के वैचारिक ढांचे, राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षक मानकों और क्रियाव्ययन प्रक्रिया पर चर्चा हुई। इसके डिजिटल पोर्टल और मोबाइल एप का प्रदर्शन भी किया गया। उच्च शिक्षा मंत्री

बच्चों से भी मुलाकात की।
शैक्षिक भ्रमण रोकने पर जताई नाराजगी: राज्यपाल ने शिक्षकों से पूछा कि वे कितने बच्चों को शैक्षिक भ्रमण पर ले जाते हैं। उत्तर संतोषजनक न मिलने पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि किसी एक घटना के बाद परिपत्र जारी कर भ्रमण बंद कर देना उचित नहीं है। बच्चे विभिन्न स्थानों को देखकर और प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त कर भी सीखते हैं। सुरक्षा का ध्यान रखते हुए शैक्षिक भ्रमण जारी रखना चाहिए। बैजिक और माध्यमिक में अलग-अलग समय पर छुट्टियां घोषित करने पर भी उन्होंने सवाल उठाए।

आचरण ठीक रखने की दी नसीहत: छात्राओं के साथ अनुचित व्यवहार करने वाले शिक्षकों और प्रधानाचार्यों को चेतावनी देते हुए राज्यपाल ने हाल ही में एक मेडिकल कॉलेज में परीक्षा में पास करने के नाम पर छात्रा से गलत व्यवहार का उल्लेख किया। पीड़ित छात्रा उनके पास पहुंची और उनके हस्तक्षेप के बाद संबंधित शिक्षक के खिलाफ निष्कासन की कार्रवाई हुई।

सपा की कांति सिंह ने छह साल बाद छीनी
भाजपा से स्नातक एमएलसी सीट, 24 साल
में परिवार की चौथी जीत

लखनऊ, एजेंसी। खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र की सीट पर 24 साल में चौथी बार डॉ. एसपी सिंह के परिवार ने जीत दर्ज की है। वर्ष 2002 और 2008 में डॉ. एसपी सिंह ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में जीत हासिल की थी। 2014 में उनकी पत्नी कांति सिंह ने भी सीट पर कब्जा जमाया। 2020 में भाजपा प्रत्याशी से हारने के बाद इस बार सपा के टिकट पर मैदान में उतरीं कांति सिंह ने वापसी करते हुए भाजपा से सीट छीन ली।

तीन जीत के बाद 2020 में मिली थी हार: डॉ. एसपी सिंह ने वर्ष 2002 में करीब 1,500 मतों के अंतर से पहली जीत दर्ज की थी। 2008 में जीत का अंतर बढ़कर करीब 5,500 मत हो गया। वर्ष 2014 में कांति सिंह निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव जीती थीं और करीब 9,700 मतों से जीत हासिल की थीं। हालांकि, 2020 के चुनाव में उन्हें भाजपा प्रत्याशी से करीब छह हजार मतों से हार का सामना करना पड़ा था। छह साल बाद उन्होंने सपा के टिकट पर जीत दर्ज कर सीट फिर परिवार के पास पहुंचा दी।

हार से दोगुने से अधिक अंतर से जीत: मतगणना के आठवें चक्र तक

कांति सिंह को 51,168 और भाजपा प्रत्याशी ई. अवनीश कुमार सिंह को 36,313 मत मिले थे। इस चरण में कांति सिंह 14,855 मतों से आगे थीं। अंतिम परिणाम में उनकी जीत का अंतर 15



हजार से अधिक रहा।

युवाओं को रोजगार से जोड़ना प्राथमिकता: जीत के बाद कांति सिंह ने युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने, करियर काउंसलिंग मजबूत करने और शिक्षा का बेहतर माहौल बनाने का से हार का सामना करना पड़ा था। छह साल बाद उन्होंने सपा के टिकट पर जीत दर्ज कर सीट फिर परिवार के पास पहुंचा दी।

हजार से अधिक रहा।

बनारस में पांच घंटे तक धरने पर बैठे रहे प्रत्याशी,
मंत्री, मेयर व विधायक, हुई नारेबाजी

वाराणसी, एजेंसी। पहड़िया मंडी में मतगणना स्थल पर बुधवार को अपराह्न चार बजे एमएलसी चुनाव के नतीजों के बीच भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जमकर हंगामा किया। कार्यकर्ताओं ने बैरिकेडिंग तोड़ दी। इसके बाद पुलिस से तीखी नोकझोंक हुई। काफी देर तक नारेबाजी और हंगामा चलता रहा। बाद में भाजपा नेता, प्रत्याशी, प्रदेश सरकार के मंत्री, मेयर, विधायक और कार्यकर्ता धरने पर बैठ गए। उन्होंने पांचवें राउंड की मतगणना दोबारा कराने की मांग रखी। साथ ही निर्वाचन आयोग से आपत्ति दर्ज कराई। धरना पांच घंटे तक चला और नौ बजे खत्म हुआ। हालांकि, चुनाव से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि पांचवें राउंड की मतगणना दोबारा नहीं होगी। रि-वेरीफिकेशन कराया जा रहा है।

अखिलेश यादव के खिलाफ नारेबाजी: प्रदर्शन कर रहे भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और चुनाव आयोग के प्रेक्षक प्रॉजल यादव के खिलाफ नारेबाजी की। मुर्दाबाद के नारे लगाए। प्रेक्षक को बर्खास्त करने की मांग भी की गई। शिक्षक एमएलसी

सीट पर भाजपा की हार और स्नातक प्रदर्शन से मतगणना स्थल पर माहौल सीट पर सपा प्रत्याशी की बढ़त के बीच गरमा गया।

पुलिस से नोकझोंक, बैरिकेडिंग तोड़कर आगे बढ़े कार्यकर्ता

हंगामे के दौरान कार्यकर्ताओं ने बैरिकेडिंग तोड़ दी और आगे बढ़ने लगे। पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी नोकझोंक हुई। कार्यकर्ता लगातार नारेबाजी करते रहे। काफी देर तक हंगामे के बाद प्रदर्शनकारी धरने पर बैठ गए। उन्होंने गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए दोबारा मतगणना कराने की मांग की। साथ ही कहा कि इस संबंध में निर्वाचन आयोग से शिकायत की जाएगी।

प्रत्याशी के बाद धरने पर बैठे विधायक

प्रदर्शन के दौरान भाजपा प्रत्याशी भी धरने पर बैठ गए। शाम सात बजे प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर, राज्यमंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु, मेयर अशोक कुमार तिवारी, विधायक नीलकंठ तिवारी, सौरभ श्रीवास्तव, अवधेश सिंह, धर्मेन्द्र राय भी मतगणना स्थल पर पहुंचे और धरने पर बैठ गए। उनके पहुंचने के बाद भी कार्यकर्ता नारेबाजी करते रहे। रात नौ बजे तक मतगणना स्थल पर हंगामे और गहमगहमी का माहौल बना रहा।

मेयर बोले

कुछ मांगें थीं। पांचवें राउंड में मतगणना एजेंट नहीं थे फिर भी बैलेट पेपर की गिनती की गई। पांचवें राउंड की काउंटिंग नए सिरे से की जाए। इस पर सहमति बन गई है। पांचवें राउंड की मतगणना पर सहमति बन गई है। -अशोक कुमार तिवारी, मेयर, वाराणसी

लखनऊ (शिखर समाचार)। भारत और श्रीलंका के पत्रकारों के बीच पेशेवर संबंध मजबूत करने, सहयोगात्मक पत्रकारिता को बढ़ावा देने और मीडिया संस्थानों के बीच आपसी तालमेल बढ़ाने के उद्देश्य से इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स की ओर से लखनऊ स्थित यूपी प्रेस क्लब में श्रीलंका और भारत पत्रकार फैलोशिप एवं सहयोग कार्यक्रम आयोजित किया गया। यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट्स यूनियन की मेजबानी में हुए सम्मेलन में दोनों देशों के पत्रकार संगठनों के पदाधिकारियों, प्रतिनिधियों और अंतरराष्ट्रीय अतिथियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में पत्रकारों के आदान-प्रदान और आपसी सहयोग को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में सुभाषनि डी सिल्व्वा की विशेष उपस्थिति रही। वह आईएफडब्ल्यूजे के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल मिश्रा और महासचिव के. विश्वदेव राव के निमंत्रण पर यूपी प्रेस क्लब पहुंचीं। सम्मेलन को अंतरराष्ट्रीय आयाम देते हुए एशियन मीडिया एंड कल्चर



एसोसिएशन के अध्यक्ष पेशुम पेसक्वेले और महासचिव निशांत अल्विस ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पत्रकारों और यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट्स यूनियन के सदस्यों को संबोधित किया। उन्होंने दक्षिण एशियाई देशों के बीच संयुक्त पत्रकारिता प्रयासों, सांस्कृतिक समझ और मीडिया संस्थानों के बीच सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। सम्मेलन में आईएफडब्ल्यूजे के अध्यक्ष गोपाल मिश्रा, उपाध्यक्ष प्रेम कांत तिवारी,

महासचिव के. विश्वदेव राव और कोषाध्यक्ष रजत मिश्रा शामिल हुए। यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट्स यूनियन की ओर से अध्यक्ष हसीब सिद्दीकी, प्रदेश महासचिव देव राज सिंह, लखनऊ इकाई के अध्यक्ष शिव शरण सिंह और सचिव नितिन श्रीवास्तव ने भाग लिया। वक्ताओं ने नैतिक पत्रकारिता, प्रेस की स्वतंत्रता और पत्रकारों की सुरक्षा को मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने दोनों देशों के पत्रकारों के बीच नियमित संवाद और अनुभवों के आदान-

प्रदान को समय की जरूरत बताया। इस अवसर पर भास्कर दुबे, शिव विजय सिंह, आशीष कुमार सिंह, अविनाश शुक्ला, विजय कुमार त्रिपाठी, हिमांशु दीक्षित, टी.एन. मिश्रा, नजम एहसन, आलोक द्विवेदी और अनिल सैनी सहित यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट्स यूनियन के अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। सम्मेलन को भारत और श्रीलंका के पत्रकारों के बीच संस्थागत सहयोग बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा गया।

भाजपा की झोली में आई छह सीटें, समाजवादी पार्टी ने चार जीतीं, एक पर मजबूत बढ़त



लखनऊ, एजेंसी। विधान परिषद की 11 सीटों के चुनाव में भाजपा ने 6 और सपा ने 4 सीटें जीती हैं। वाराणसी स्नातक क्षेत्र से सपा प्रत्याशी आशुतोष सिन्हा आगे चल रहे हैं। खबर लिखे जाने तक लखनऊ स्नातक क्षेत्र से सपा की प्रत्याशी कांति सिंह और वाराणसी स्नातक क्षेत्र से सपा के ही आशुतोष सिन्हा आगे चल रहे थे। सपा ने सत्ताधारी भाजपा की तरह इस चुनाव में कोई रैली नहीं की। सिर्फ सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया और प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से ही अपने प्रत्याशियों को जिताने की अपील की। अलबत्ता सपा नेतृत्व मतदान और मतगणना के दिन पूरी तरह से सजग रहा। शिकायतों को चुनाव आयोग तक पहुंचाया। इसी का नतीजा रहा कि आगरा शिक्षक सीट के तीन बूथों पर पुनर्मतदान हुआ। अंततः यह सीट उसी के खाते में आई। सपा के रणनीतिकारों का कहना है कि आमतौर पर

दूसरी बार जीत हासिल की, वहीं पिछली बार निर्दलीय चुनाव जीते डॉ. आकाश अग्रवाल ने इस पर सपा के टिकट पर आगरा शिक्षक सीट जीती। खबर लिखे जाने तक लखनऊ स्नातक क्षेत्र से सपा की प्रत्याशी कांति सिंह और वाराणसी स्नातक क्षेत्र से सपा के ही आशुतोष सिन्हा आगे चल रहे थे। सपा ने सत्ताधारी भाजपा की तरह इस चुनाव में कोई रैली नहीं की। सिर्फ सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया और प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से ही अपने प्रत्याशियों को जिताने की अपील की। अलबत्ता सपा नेतृत्व मतदान और मतगणना के दिन पूरी तरह से सजग रहा। शिकायतों को चुनाव आयोग तक पहुंचाया। इसी का नतीजा रहा कि आगरा शिक्षक सीट के तीन बूथों पर पुनर्मतदान हुआ। अंततः यह सीट उसी के खाते में आई। सपा के रणनीतिकारों का कहना है कि आमतौर पर

एमएलसी चुनाव सत्ताधारी दल का चुनाव माना जाता है, लेकिन सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की बेहतर रणनीति और आम मतदाताओं की सत्ताधारी दल से नाराजगी के चलते उसे इस चुनाव में भी बड़ी कामयाबी मिली। वर्ष 2020 में हुए विधान परिषद चुनाव में सपा को इन 11 सीटों में तीन सीटें मिली थीं।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पूरे समय मतगणना पर निगरानी रखी। आगरा में सपा प्रत्याशी आकाश अग्रवाल के साथ हुई मारपीट का वीडियो मंगलवार-बुधवार की दम्यानी रात दो बजे एक्स पर साझा करते हुए उन्होंने मुंगवा आयोग से हस्तक्षेप की मांग की। विधान परिषद चुनाव में सपा के तीन सीटें जीतने और दो पर बढ़त से सपा के कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह है। सपा के एक्स हैंडल पर कहा गया कि पीडीए के पांच पांडव जीत गए।

शामली (शिखर समाचार) आगामी त्योहारों के मद्देनजर जनपद में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए शामली पुलिस ने सतर्कता बढ़ा दी है। पुलिस अधीक्षक एनपी सिंह के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी नगर जिलान्द्र सिंह ने कोतवाली शामली क्षेत्र के प्रमुख बाजारों, चौराहा और संवेदशील स्थानों पर पुलिस बल के साथ पैदल गश्त की। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए, संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की जांच की। पैदल गश्त के दौरान लोगों ने बाजारों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में तलाश की आवाजही तथा सुरक्षा इंतजामों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने व्यापारियों और आमजन से संवाद कर उन्हें सुरक्षा का भरोसा दिलाया। साथ ही यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने और किसी भी सदिग्ध गतिविधि की जानकारी कोतवाला पुलिस को देना की अपील की। पुलिस अधीक्षक एनपी सिंह ने सभी थान प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में निगमित गश्त करने, संवेदशील स्थानों पर निगरानी बढ़ाने और अस्वाभाविक तत्वों की गतिविधियों पर नजर रखने के निर्देश दिए हैं। त्योहार के दौरान शांति व्यवस्था प्रभावित करने की कोशिश करने वालों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई करने की कहा गया है। पुलिस ने कोशिश मीडिया पर भ्रामक सूचनाएं और अपक्राह फैलाने वालों को चेतावनी देते हुए कहा कि ऐसे मामलों में कार्रवाई की जाएगी। शामली पुलिस ने नागरिकों से आगामी त्योहार आपसी सौहार्द और शांतिपूर्ण वातावरण में मनाने तथा किसी भी अप्रुध सूचना पर विश्वास नहीं करने की अपील की है। पुलिस ने लोगों से कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने का भी आग्रह किया।

स्थापित कर रहा है, और इसी कड़ी में जेवर भी विकास यात्रा में लगातार मील के पथर स्थापित कर रहा है। शुभारंभ कार्यक्रम के उपरान्त विधायक धीरेन्द्र सिंह ने गांवों में खुली चौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और मौके पर मौजूद संबंधित विभागों के अधिकारियों को त्वरित व गुणवत्तापूर्ण समाधान के लिए कड़े निर्देश दिए।

35 संविधान नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेज दिए हैं। मिश्रा और मुख्खा खाद्य सुरक्षा अधिकाारी वीरेंद्र द्विवेदी के पर्यवेक्षण में संपन्न हुई। विभाग में स्पष्ट किया है कि त्वाहारी सीजन के मद्देनजर मिलावटखोरों के खिलाफ यह अभियान लगातार जारी रहेगा, ताकि आम जनता के स्वास्थ के साथ खिलवाव न हो और सभी को मानक के अनुरूप शुद्ध खाद्य सामग्री मिल सके।

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार) सड़कों पर पटाखों जैसी तेज आवाज निकालते वाली बाइकों और ट्रैक्टरों के साथ ई-रिक्शा में तेज आवाज में संगीत बजाने के मामलों पर अंकुश लगाने की मांग उठाई गई है। इस संबंध में जिला काग्रिस उपाध्यक्ष योगेश खरानी के नेतृत्व में काग्रिस कार्यकर्ताओं ने एसडीएम खतौली को ज्ञापन सौंपकर संबंधित अधिकारियों से ऐसे वाहनों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। ज्ञापन के माध्यम से कहा गया कि कई वाहन सड़कों पर तेज और पटाखों जैसी आवाज निकालते हैं, जबकि कुछ ट्रैक्टर और ई-रिक्शा में भी तेज आवाज में साउंड बजाया जाता है। इससे आम नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। साथ ही ध्वनि प्रदूषण बढ़ने से आसपास का शांत वातावरण भी प्रभावित होता है। काग्रिस कार्यकर्ताओं ने प्रशासन से मांग की कि ऐसे वाहनों की जांच कर नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की जाए, ताकि आम लोगों को अनावश्यक शोर से राहत मिल सके और सड़कों पर ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित किया जा सके। इस दौरान नवाब सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष, नीरज शर्मा, शकुन्तला एडवोकेट, असगर जैदी, सूरज सैनी, सत सिंह एडवोकेट, बाबूराम गुर्जर सहित अन्य काग्रिस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

A photograph showing a group of officials in a meeting room. One person is standing at a podium, speaking into a microphone. Several other officials are seated around a large conference table, listening. The room has a banner on the wall in the background.

संपादकीय

काशी के चुनावी संदेश ने बढ़ाई सियासी हलचल, 2027 की राह में भाजपा के सामने नई चुनौती

उत्तर प्रदेश की राजनीति में वाराणसी का अपना विशिष्ट महत्व है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संसदीय क्षेत्र होने के कारण काशी में होने वाला कोई भी राजनीतिक घटनाक्रम केवल स्थानीय घटना बनकर नहीं रह जाता, बल्कि उसके निहितार्थ प्रदेश की व्यापक राजनीति तक पहुंचते हैं। वाराणसी स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी आशुतोष सिन्हा की जीत ने एक बार फिर यही सवाल खड़ा किया है कि क्या उत्तर प्रदेश में राजनीतिक मुकाबले की जमीन बदल रही है? गुरुवार, 29 अक्टूबर 2026 को घोषित परिणाम में आशुतोष सिन्हा ने भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी केदारनाथ सिंह को 19,932 मतों से पराजित किया। आशुतोष सिन्हा को कुल 55,046 मत प्राप्त हुए। मतगणना के लंबे दौर, दोबारा गिनती को लेकर उठे सवालों और दोनों दलों के कार्यकर्ताओं की सक्रियता के बीच आया यह परिणाम राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण बन गया है।

इस जीत के बाद समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं में उत्साह दिखाई दिया। मतगणना केन्द्र के बाहर ढोल नगाड़े बजाकर खुशी मनाई गई और पार्टी समर्थकों ने इसे आगामी विधानसभा चुनाव के लिए शुभ संकेत बताया। विजयी प्रत्याशी आशुतोष सिन्हा ने अपनी सफलता का श्रेय पार्टी नेतृत्व, सहयोगियों और कार्यकर्ताओं को दिया। उन्होंने आगामी विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने की उम्मीद भी जताई। दूसरी ओर भाजपा प्रत्याशी केदारनाथ सिंह ने अपेक्षित सफलता नहीं मिलने के बावजूद मतदाताओं के निर्णय को निम्नपात से स्वीकार करने की बात कही और अपने समर्थकों के प्रति आभार व्यक्त किया। लोकतंत्र की खूबसूरती भी यही है कि जीतने वाला जयन मनाता है और हारने वाले के पास जनादेश का सम्मान करते हुए आगे बढ़ने का अवसर रहता है।

वाराणसी का यह परिणाम इसलिए भी चर्चा में है क्योंकि यहां स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों में समाजवादी पार्टी ने अपनी राजनीतिक उपस्थिति कायम रखी है। वाराणसी शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से सपा के लाल बिहारी यादव की जीत के बाद स्नातक सीट पर आशुतोष सिन्हा की सफलता ने पार्टी के उत्साह को और बढ़ाया है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने परिणामों को भाजपा के लिए राजनीतिक झटका बताते हुए इसे दोहरी हार करार दिया। उनका संकेत मतगणना के शुरूआती दौर और पुनर्गणना के बाद भी भाजपा प्रत्याशी को सफलता नहीं मिलने की ओर था। हालांकि चुनावी परिणामों को लेकर किसी भी राजनीतिक दल के दावे और आरोप अपनी जगह हैं, लेकिन लोकतांत्रिक व्यवस्था में अंतिम महत्व निर्वाचन प्रक्रिया से घोषित आधिकारिक जनादेश का ही होता है।

उत्तर प्रदेश विधान परिषद की 11 सीटों के चुनाव परिणामों में भाजपा ने छह और समाजवादी पार्टी ने पांच सीटों पर जीत हासिल की। इन परिणामों को केवल सीटों की संख्या के आधार पर देखना पर्याप्त नहीं होगा। यह भी समझना होगा कि शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों के मतदाता सामान्य विधानसभा चुनाव के मतदाताओं से अलग प्रकृति रखते हैं। इन क्षेत्रों में शिक्षकों, शिक्षित नागरिकों और स्नातक मतदाताओं की भागीदारी होती है। इसलिए इनका रुझान शिक्षा, रोजगार, भर्ती प्रक्रियाओं, महंगाई, प्रशासनिक व्यवहार और राजनीतिक प्रतिनिधित्व जैसे सवालों पर महत्वपूर्ण संकेत दे सकता है। फिर भी इन चुनावों के आधार पर पूरे प्रदेश के मतदाताओं का अंतिम मन तय कर देना राजनीतिक विश्लेषण की जल्दबाजी होगी।

~  मौलिक चिंतन  ~

जो खुद कुछ नहीं होते हैं, वो ही किसी को कुछ नहीं समझते हैं।

~~~~~



©  
विनय  
संवगेची

## वीटो के विशेषाधिकार से नहीं, समान अधिकारों से मजबूत होगी, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद



समंत जैन

संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना का मूल उद्देश्य दुनिया को युद्ध, हिंसा और विनाश से बचना तथा अंतर्राष्ट्रीय शांति, सुरक्षा और सहयोग को मजबूत करना था। आज वैश्विक परिस्थितियां सवाल उठा रही हैं, क्या संयुक्त राष्ट्र अपने मूल उद्देश्यों को पूरा कर पा रहा है? इज़राइल-फिलिस्तीन संघर्ष से लेकर रूस-यूक्रेन युद्ध तक, लंबे समय से जारी हिंसा और नागरिकों की मौतें अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था की प्रभावशीलता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाती हैं। ऐसे समय में सुरक्षा परिषद में सुधार और स्थायी सदस्यों के बीच समान अधिकारों की मांग महत्वपूर्ण हो जाती है। संयुक्त राष्ट्र महासभा में भारत के प्रतिनिधि पर्वश्येनी ने सुरक्षा परिषद में सुधार की आवश्यकता पर भारत का पक्ष रखते हुए वीटो के अधिकार को समानता के सिद्धांत से जोड़ने की बात कही। भारत का तर्क है कि यदि सुरक्षा

परिषद का विस्तार कर नए स्थायी सदस्य शामिल किए जाते हैं, तो उन्हें भी वीटो का अधिकार मिलना चाहिए। वर्तमान व्यवस्था में पांच स्थायी सदस्य अमेरिका, रूस, चीन, ब्रिटेन और फ्रांस को वीटो प्राप्त है। इससे इन देशों को ऐसे प्रस्तावों को रोकने की शक्ति मिलती है, जिन्हें अन्य सदस्य देश बहुमत से समर्थन दे सकते हैं। सवाल यह है कि क्या विश्व शांति की जिम्मेदारी उठाने वाली संस्था में अधिकारों का असमान वितरण न्यायसंगत है? भारत लंबे समय से सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता की मांग कर रहा है। दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश और प्रमुख विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में शामिल भारत का मानना है, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी यह बात अंतर्राष्ट्रीय मंच से कह चुके हैं। वैश्विक निर्णय प्रक्रिया में भारत की भी भूमिका वास्तविक और प्रभावी होनी चाहिए। हालांकि, वीटो सहित सुरक्षा परिषद के सुधार पर सदस्य देशों के बीच सहमति बनाना एक बड़ी जटिल अंतर्राष्ट्रीय चुनौती है। सुरक्षा परिषद की सीमाएं केवल प्रतिनिधित्व तक ही नहीं हैं। जब शक्तिशाली देशों के हित टकराते हैं, तो वीटो के कारण सामूहिक हित बाधित होते हैं। परिणामस्वरूप युद्ध रोकने, मानवीय सहायता पहुंचाने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रयास पर्यावरण संरक्षण कमजोर पड़ते हैं। इससे संयुक्त राष्ट्र की विश्वसनीयता प्रभावित होती है। छोटे तथा विकासशील देशों के मन में यह सवाल पैदा होता है, क्या अंतर्राष्ट्रीय कानून सभी पर समान रूप से लागू

होता है? पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से अमेरिका या नाटो देशों ने जिस तरह से एक तरफ आर्थिक प्रतिबंध लगाए हैं, उसको लेकर अंतर्राष्ट्रीय संस्थाएं कमजोर साबित होने लगी हैं। अमेरिका द्वारा रूस, ईरान जैसे देश की बहुत बड़ी रकम को जप्त कर लेना, भारत चीन और अन्य देशों पर मनमाने तरीके से टेरिफ बढ़ा देना, वैश्विक व्यापार संधि का उल्लंघन करना, डब्ल्यूटोओ और पर्यावरण से संबंधित नियमों का पालन नहीं करना, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं की आर्थिक सहायता को रोक देना, अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं को कमजोर कर रही है। इस व्यवस्था का प्रभाव केवल कूटनीति और सुरक्षा तक सीमित नहीं रहता। युद्धों पर होने वाला भारी खर्च, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक कल्याण के लिए उपलब्ध संसाधनों को प्रभावित करता है। हथियारों की दौड़ के बीच दुनिया के अनेक हिस्सों में गरीबी, भुखमरी और बेरोजगारी की समस्या बढ़ती जा रही है। आर्थिक असमानता बढ़ने से सामाजिक असंतोष और विरोध प्रदर्शनों की स्थितियां पैदा होती हैं। शांति का अर्थ केवल युद्धविराम नहीं, बल्कि ऐसा सामाजिक वातावरण भी है, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति को सम्मानजनक जीवन, भोजन, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें। प्रकृति की सुरक्षा भी इसी वैश्विक जिम्मेदारी का अभिन्न हिस्सा है। जलवायु परिवर्तन, जंगलों का विनाश, खनिज संसाधनों का अनियंत्रित दोहन, समुद्रों में प्रदूषण और जैव विविधता का क्षरण किसी एक देश की समस्या नहीं हैं। अनियमित

वर्षा, भीषण गर्मी, बाढ़, सूखा और ग्लेशियरों का पिघलना मानव जीवन और अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर चुनौतियां पैदा कर रहे हैं। इन समस्याओं से निपटने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग, जवाबदेही और प्रभावी कार्रवाई आवश्यक है। संयुक्त राष्ट्र को अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण, जवाबदेह और प्रभावी बनाना समय की मांग है। सुरक्षा परिषद में सुधार के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का निष्पक्ष एवं कड़ाई से अनुपालन, संघर्षों के शांतिपूर्ण समाधान, मानवीय सहायता और पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देनी होगी। विकसित और विकासशील देशों के बीच विश्वास बढ़ाना तथा छोटे देशों की आवाज को निर्णय प्रक्रिया में पर्याप्त स्थान देने पर ही संयुक्त राष्ट्र सघ मजबूत होगा। संयुक्त राष्ट्र की शक्ति केवल उसके प्रस्तावों में नहीं, बल्कि उन पर अमल करने की सामूहिक इच्छाशक्ति में निहित है। यदि दुनिया के देश इस संस्था पर विश्वास रखें देंगे, तो अंतर्राष्ट्रीय सहयोग कमजोर होगा, वैश्विक एवं आपसी संघर्षों का खतरा बढ़ेगा। प्रथम और द्वितीय विश्व युद्धों से मिले सबक को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शांति व्यवस्था बनानी होगी, जिसमें शक्ति के साथ जिम्मेदारी और अधिकारों के साथ जवाबदेही भी हो। विश्व शांति, सामाजिक न्याय और प्रकृति की सुरक्षा के लिए संयुक्त राष्ट्र को कुछ शक्तिशाली देशों के हितों से आगे बढ़कर प्रकृति के संरक्षण और मानव समाज के हितों के लिए आगे आना होगा। ब्रह्मांड की कोई सीमा नहीं है। यदि हमसे छेड़छाड़ की गई तो यह सभी के लिए विनाशकारी साबित होगी।

## दवा कीमतों पर सर्वोच्च न्यायालय की चिंता जायज

आपूर्ति, कर, सेवा शुल्क और अन्य मदों का कितना योगदान है।

यह समझना भी जरूरी है कि दवा की निर्माता कीमत, वितरक की कीमत, अधिकतम खुदरा मूल्य एमआरपी और अस्पताल द्वारा मरीज से वसूली जाने वाली राशि हमेशा एक समान नहीं होती। अस्पताल में दवा देने, उसे सुरक्षित रखने, निगरानी करने और उपचार संबंधी सेवाओं का खर्च भी हो सकता है। लेकिन इन खर्चों के नाम पर यदि बिना उचित आधार के कई गुना रकम वसूली जाती है, तो उसे सामान्य व्यावसायिक गतिविधि मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। मरीज को स्पष्ट बिल, मूल्य का उचित विवरण और इलाज से संबंधित खर्चों की पारदर्शी जानकारी मिलनी चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय ने राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण की भूमिका और दवाओं की कीमतों पर नियंत्रण की व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठाए हैं। यह चिंता इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि दवाओं के मूल्य निर्धारण और आवश्यक औषधियों की उपलब्धता में सरकार की भूमिका निर्णायक होती है। जब बाजार में जीवनरक्षक दवाओं के दाम आम नागरिक की पहुंच से बाहर होने लगें, तब केवल नीतियां बनाने से काम नहीं चलेगा, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन की भी समीक्षा होनी चाहिए।

भारत में आवश्यक दवाओं की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए औषधि मूल्य नियंत्रण आदेश और राष्ट्रीय आवश्यक औषधि सूची जैसी व्यवस्थाएं मौजूद हैं। इनके माध्यम से निर्धारित दवाओं के मूल्य पर नियंत्रण रखने का प्रयास किया जाता है। लेकिन सवाल यह है कि क्या निगरानी व्यवस्था मरीजों तक पर्याप्त राहत पहुंचा पा रही है? क्या मूल्य नियंत्रण के दायरे से बाहर रहने वाली दवाओं और अस्पतालों में इस्तेमाल होने वाले चिकित्सा उत्पादों की कीमतों पर पर्याप्त पारदर्शिता है? क्या नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध समय पर कार्रवाई होती है? क्या सवालों के जवाब केवल सरकारी आंकड़ों से नहीं, बल्कि मरीजों के वास्तविक अनुभवों और स्वतंत्र जांच से भी मिलने चाहिए। अदालत में सलाइन ड्रिप, हार्ट स्टेंट और एंटीबायोटिक जैसी वस्तुओं की कीमतों के उदाहरण भी सामने आए। बताया गया कि लगभग 11 रुपये की सलाइन ड्रिप

270 रुपये में, पांच हजार रुपये का हार्ट स्टेंट 25 हजार रुपये से अधिक में और 28 रुपये की एंटीबायोटिक एजिथोमाइसिन 70 रुपये से अधिक में बेची जा रही है। इन आंकड़ों को संबंधित उत्पादों, उनकी गुणवत्ता, पैकेजिंग, कर, आपूर्ति और बिक्री के स्तर के संदर्भ में सत्यापित करना जरूरी है। फिर भी यदि समान उत्पादों की खरीद और बिक्री कीमतों में इतना बड़ा अंतर पाया जाता है, तो नियामक संस्थाओं को उसका स्पष्ट कारण सामने रखना चाहिए। विशेष रूप से हार्ट स्टेंट और कैसर के उपचार में उपयोग होने वाली दवाओं के मामले में मूल्य पारदर्शिता का महत्व और बढ़ जाता है। मरीज अक्सर चिकित्सक की सलाह पर निर्भर होता है और उसे बाजार में विकल्पों की तुलना करने का पर्याप्त अवसर नहीं मिलता। ऐसे में उसकी मजबूरी का लाभ उठाने की किसी भी संभावना को रोकना सरकार, अस्पताल प्रशासन और नियामक संस्थाओं की जिम्मेदारी है। दवा उद्योग अनुसंधान, नई दवाओं के विकास, उत्पादन और वितरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कंपनियों को उचित लाभ कमाने का अधिकार है, लेकिन जीवनरक्षक दवाओं का बाजार सामान्य उपभोक्ता वस्तुओं के बाजार से अलग है। यहां ग्राहक के पास कई बार खरीद टालने या सस्ता विकल्प चुनने की स्वतंत्रता नहीं होती। गंभीर बीमारी में दवा का विकल्प सीमित हो सकता है और उपचार में देरी जानलेवा साबित हो सकती है। इसलिए स्वास्थ्य क्षेत्र में बाजार की शक्तियों के साथ सामाजिक उत्तरदायित्व और प्रभावी सरकारी नियमन का संतुलन आवश्यक है। केंद्र सरकार की ओर से यह दलील दी गई कि भारत में दवाओं की कीमतें दुनिया के कई देशों की तुलना में कम हैं। अंतरराष्ट्रीय तुलना अपने स्थान पर उपयोगी हो सकती है, लेकिन भारतीय मरीज की आर्थिक स्थिति को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। किसी दवा का दूसरे देश की तुलना में सस्ता होना अपने आप में इस बात का प्रमाण नहीं है कि उसकी कीमत हर भारतीय परिवार की पहुंच में है। असली कसौटी यह होनी चाहिए कि मरीज को आवश्यक उपचार कितने खर्च में, कितनी आसानी से और कितनी पारदर्शिता के साथ उपलब्ध हो रहा है।



सरकार को दवाओं की कीमतों और अस्पतालों में होने वाली वसूली की नियमित जांच के लिए प्रभावी व्यवस्था विकसित करनी चाहिए। अस्पतालों में दवाओं और चिकित्सा उपकरणों की खरीद कीमत, मरीज से वसूली गई कीमत तथा सेवा शुल्क का स्पष्ट विवरण उपलब्ध कराया जाना चाहिए। आवश्यक दवाओं की सूची और मूल्य नियंत्रण की समीक्षा समय-समय पर होनी चाहिए। जहां असामान्य मूल्य अंतर सामने आए, वहां निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदारी तय की जाए। साथ ही, मरीजों की शिकायतों के त्वरित निस्तारण और अनुचित वसूली पाए जाने पर उचित कार्रवाई की व्यवस्था भी मजबूत होनी चाहिए।

सर्वोच्च न्यायालय की चिंता का वास्तविक महत्व तभी सिद्ध होगा, जब उससे व्यवस्था में ठोस सुधार का रास्ता खुले। केवल टिप्पणियों से मरीजों का आर्थिक बोझ कम नहीं होगा। इसके लिए सरकार, दवा कंपनियों, अस्पतालों और नियामक संस्थाओं को जवाबदेह बनाना होगा।

लोककल्याणकारी व्यवस्था की पहचान केवल अस्पतालों की संख्या या चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार से नहीं होती, बल्कि इससे होती है कि संकट की घड़ी में आम नागरिक को कितना सहारा मिलता है। दवाओं की कीमतें तय करने और उनकी बिक्री पर निगरानी रखने वाली व्यवस्था का उद्देश्य मरीजों को राहत देना होना चाहिए। जीवनरक्षक दवाओं के मामले में पारदर्शिता, उचित मूल्य और जवाबदेही कोई अतिरिक्त सुविधा नहीं, बल्कि जनहित की अनिवार्य शर्त है। आखिरकार, किसी भी व्यवस्था की सफलता का मूल्यांकन इस आधार पर होना चाहिए कि वह जीवन बचाने में कितनी सहायक है, न कि बीमारी से जूझ रहे परिवारों पर कितना आर्थिक बोझ डालती है।

## केरल की वृद्ध संरक्षण पहल से जगेगी नई चेतना





योगेश कुमार गोयल

आज संयुक्त परिवारों का विघटन, महानगरों की भागदौड़, विदेशों की ओर पलायन और बढ़ती व्यक्तिवादी प्रवृत्ति ने बुजुर्गों के जीवन को कठिन बनाया है। कभी दादा-दादी और नाना-नानी परिवार की जीवंत पाठशाला होते थे, उनकी कहानियों में इतिहास, अनुभवों में विवेक और आशीर्वाद में जीवन की पूँजी मिलती थी।

भारत की संस्कृति में माता-पिता को देवतुल्य माना गया है। यहाँ कहा गया है- 'मातुदेवो भव, पितुदेवो भव।' जिस देश में माता-पिता के चरणों में स्वर्ग देखने की परंपरा रही हो, उसी देश में यदि वृद्धावस्था में माता-पिता अपने ही घर में उपेक्षा, अपमान, अकेलेपन और असुरक्षा का दर्श झेलने को विवश हों, तो यह केवल परिवारिक विघटन नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक चेतना के सामने खड़ा एक गंभीर प्रश्न है। जिस बुजुर्ग ने अपनी संतान के भविष्य के लिए वर्तमान को खपा दिया, यदि उसी संतान के पास उसके बुढ़ापे के लिए समय, संवेदना और स्नेह न बचे, तो विकास की चमक के बीच मानवीय मूल्यों का अंधेरा साफ दिखाई देता है। ऐसे समय में केरल विधानसभा द्वारा अक्टूबर 2026 में वरिष्ठ नागरिकों के संरक्षण से संबंधित व्यापक विधेयक पारित किया जाना एक आशाजनक पहल है। यह कानून की किताब में जुड़ा एक नया अध्याय भर नहीं, बल्कि बुजुर्गों के जीवन में सम्मान, सुरक्षा और भरोसे का नया सूर्योदय बनने की क्षमता रखता है। भारत में 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के नागरिकों की संख्या लगभग 15 करोड़ बताई जा रही है। अनुमान है कि यह आबादी 2036 तक लगभग 23 करोड़ और 2050 तक 34 करोड़ से अधिक हो सकती है। यह बदलती जनसांख्यिकी हमें चेतावनी भी देती है और अवसर भी। चिकित्सा विज्ञान की प्रगति तथा बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं ने मनुष्य की आयु बढ़ाई है, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या हमने जीवन की बढ़ती अवधि को गरिमापूर्ण बनाने की तैयारी भी की है? सिर्फ लंबी उम्र उपलब्धि नहीं है, उस उम्र में सम्मान, आत्मनिर्भरता और अपनापन बनाए रखना ही वास्तविक उपलब्धि है। केरल की इस पहल का महत्त्व इसलिए बढ़ जाता है कि यह बुजुर्गों की समस्याओं को केवल परिवार की निजी जिम्मेदारी मानकर छोड़ देने के बजाय सामाजिक और संस्थागत दायित्व के रूप में देखती है। विधेयक में वरिष्ठ नागरिकों के सख्त शारीरिक एवं मानसिक दुर्व्यवहार, क्रूरता और उनकी इच्छा के विरुद्ध उन्हें बेसहारा छोड़ने जैसे कृत्यों के लिए दंड का प्रावधान किया गया है। इसके साथ संरक्षण इकाइयों, देखभाल केंद्रों के नियमन, देखभालकर्ताओं के प्रशिक्षण और शिकायतों के निवारण जैसी व्यवस्थाओं पर जोर दिया गया है। साइबर धोखाधड़ी से बचाव तथा बुजुर्गों के स्वास्थ्य संबंधी निर्णयों के अधिकार जैसे विषयों को स्थान देना भी बदलते समय की जरूरतों को समझने का संकेत है। इस पहल का मूल संदेश स्पष्ट है-बुजुर्गों की सेवा सद्भावना का विषय अवश्य है, लेकिन उनकी सुरक्षा और गरिमा सुनिश्चित करना

सामाजिक व्यवस्था का अनिवार्य दायित्व भी है। इस विधेयक की सबसे संवेदनशील अवधारणा है-‘एजिङ इन प्लेस’, अर्थात् बुजुर्गों को यथासंभव उनके अपने घर और परिचित परिवेश में सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अवसर देना। वृद्धाश्रमों की आवश्यकता से इनकार नहीं किया जा सकता, लेकिन माता-पिता के लिए घर का एक कमरा भी तब अधिक मूल्यवान होता है, जब उसमें अपनत्व की गर्माहट हो। बुजुर्गों को केवल भोजन, दवा और बिस्तर नहीं चाहिए, उन्हें बातचीत करने वाला साथी, उनकी बात सुनने वाला कान, उनके अनुभवों को समझने वाला मन और उनके अस्तित्व को स्वीकार करने वाला परिवार चाहिए। उम्र के इस पड़ाव पर कई बार आर्थिक अभाव से अधिक भावनात्मक अभाव पीड़ा देता है। जिस घर में बुजुर्गों की आवाज अनसुनी हो जाती है, वहाँ दीवारें तो रहती हैं, लेकिन परिवार की आत्मा कमजोर पड़ने लगती है। आज संयुक्त परिवारों का विघटन, महानगरों की भागदौड़, विदेशों की ओर पलायन और बढ़ती व्यक्तिवादी प्रवृत्ति ने बुजुर्गों के जीवन को कठिन बनाया है। कभी दादा-दादी और नाना-नानी परिवार की जीवंत पाठशाला होते थे, उनकी कहानियों में इतिहास, अनुभवों में विवेक और आशीर्वाद में जीवन की पूँजी मिलती थी। आज उसी अनुभव-संपद को कई बार अनुपयोगी समझ लिया जाता है। संपत्ति के लिए माता-पिता पर दबाव डालना, उनकी जमा-पूँजी पर अनुचित अधिकार जमाना, बीमारी में उन्हें अकेला छोड़ देना अथवा

उनकी भावनाओं को ठेस पहुँचाना सभ्य समाज के माथे पर कलंक है। यह कैसे विडंबना है कि जिन हाथों ने बच्चों को चलना सिखाया, उन्हीं हाथों को बुढ़ापे में सहारे के लिए तरसना पड़े। केरल का विधेयक इस समस्या के समाधान की दिशा में व्यापक दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। इसमें वरिष्ठ नागरिकों के साथ दुर्व्यवहार और उन्हे बेसहारा छोड़ने पर तीन वर्ष तक के कारावास तथा 50 हजार रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। देखभाल केंद्रों के पंजीकरण, देखभालकर्ताओं के प्रशिक्षण, शिकायतों के निवारण और साइबर धोखाधड़ी से सुरक्षा जैसी व्यवस्थाएँ भी प्रस्तावित हैं। साथ ही, वरिष्ठ नागरिकों के चिकित्सा संबंधी पूर्वनिर्धारित निर्णयों, कानूनी सहायता और डिजिटल सेवाओं तक पहुँच को महत्त्व दिया गया है। उल्लेखनीय है कि विधानसभा ने यह विधेयक 26 अक्टूबर 2026 को सर्वसम्मति से पारित किया है, इसे कानून के रूप में लागू होने के लिए राज्यपाल की स्वीकृति की प्रक्रिया पूरी करनी होगी। इस पहल का एक दूरदर्शी पक्ष ‘सिल्वर इकोनॉमी’ की अवधारणा भी है। बुजुर्गों को केवल सहायता प्राप्त करने वाले नागरिकों के रूप में नहीं, बल्कि समाज के सक्रिय योगदानकर्ता के रूप में देखा जाना चाहिए। उनके अनुभव, ज्ञान, कौशल और जीवन-दृष्टि का उपयोग शिक्षा, परामर्श, सामाजिक सेवा, उद्यमिता और सामुदायिक विकास में किया जा सकता है। सेवानिवृत्ति का सर्वप्रथम और सही प्रतिभा की समाप्ति नहीं, बल्कि जीवन की दूसरी पारी का आरंभ भी हो सकता है।

आवश्यकता इस बात की है कि समाज उन्हें बोझ नहीं, अपनी आमूल्य पूँजी माने। पेड़ जब पुराना होता है, तब भी उसकी छाया कम मूल्यवान नहीं हो जाती। इसी तरह अनुभव की परिपक्वता किसी भी राष्ट्र की विकास-यात्रा को दिशा दे सकती है। अब समय है कि केंद्र सरकार के साथ दूसरे राज्य भी केरल की इस पहल से प्रेरणा लें। केंद्र के माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण एवं कल्याण अभिनियम, 2007 के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा हो तथा आवश्यकतानुसार उसे और सशक्त बनाया जाए। राज्यों में वरिष्ठ नागरिकों के लिए समर्पित संरक्षण इकाइयाँ, सुलभ शिकायत व्यवस्था, निःशुल्क कानूनी सहायता, घर पर स्वास्थ्य सेवाएँ और सुरक्षित सामुदायिक केंद्र विकसित किए जाएँ। पुलिस, अस्पतालों, बैंकों और स्थानीय निकायों में बुजुर्गों की समस्याओं के त्वरित समाधान की व्यवस्था हो। साथ ही, विद्यालयों और महाविद्यालयों में पीढ़ियों के बीच संवाद तथा परिवारों में संवेदनशीलता विकसित करने के अभियान चलाए जाएँ। कानून अपराध होने के बाद दंड दे सकता है, लेकिन संस्कार अपराध की नौबत आने से पहले ही रोक सकते हैं। अंततः बुजुर्गों की सुरक्षा का प्रश्न केवल एक आयु-वर्ग के कल्याण का विषय नहीं, बल्कि भारत के भविष्य की दिशा का निर्धारक है। आज जो युवा हैं, वे कल वरिष्ठ नागरिक होंगे। इसलिए बुजुर्गों के लिए बनाई गई संवेदनशील व्यवस्था वास्तव में हमारे अपने भविष्य की सुरक्षा है। विकसित भारत और विश्वगुरु भारत का स्वप्न तभी सार्थक होगा, जब आर्थिक समृद्धि के साथ मानवीय संवेदना, तकनीकी प्रगति के साथ नैतिक चेतना और आधुनिक जीवन के साथ पारिवारिक आत्मीयता भी विकसित होगी। केरल की पहल एक नई रोशनी का संकेत है, लेकिन इस रोशनी को देश के प्रत्येक घर तक पहुँचाना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। हमें ऐसा भारत बनाना है, जहाँ वृद्धावस्था विवशता नहीं, सम्मान का काल होय जहाँ बुजुर्गों को अपने ही घर में पर्याप्त न होना प्रेय और जहाँ उनकी आँखें संतान की प्रतीक्षा में नहीं, उसके प्रेम और उपस्थिति में चमकें। आखिर जिस समाज की जड़ें अपने बुजुर्गों के अनुभवों से जुड़ी रहती हैं, उसकी विकास-यात्रा के तूफानों में भी स्थिर रहने की संभावना अधिक होती है। यही सच्चे अर्थों में संस्कारित, समृद्ध और विकसित भारत की पहचान होगी। (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

# सर्दियों में आपकी सेहत

इन सर्दियों में यदि आप अपनी सेहत बनाने की सोच रहे हैं तो सबसे पहले पेट साफ करने की जरूरत है। पेट में कब्ज रहेगा तो कितने ही पौष्टिक पदार्थों का सेवन करें, लाभ नहीं होगा। भोजन समय पर तथा चबा-चबाकर खाना चाहिए, ताकि पाचन शक्ति ठीक बनी रहे, फिर पौष्टिक आहार या औषधि का सेवन करना चाहिए। आचार्य चरक ने कहा है कि पुरुष के शरीर में वीर्य तथा स्त्री के शरीर में ओज होना चाहिए, तभी चेहरे पर चमक व कांति नजर आती है और शरीर पुष्ट दिखता है। हम यहाँ कुछ ऐसे पौष्टिक पदार्थों की जानकारी दे रहे हैं, जिन्हें किशोरावस्था से लेकर युवावस्था तक के लोग सेवन कर लाभ उठा सकते हैं और बलवान बन सकते हैं-

- सोते समय एक गिलास मीठे गुनगुने गर्म दूध में एक चम्मच शुद्ध घी डालकर पीना चाहिए।
- दूध की मलाई तथा पिसी मिश्री जरूरत के अनुसार मिलाकर खाना चाहिए, यह अत्यंत शक्तिवर्धक है।
- एक बादाम को पत्थर पर घिसकर दूध में मिलाकर पीना चाहिए, इससे अपार बल मिलता है। बादाम को घिसकर ही उपयोग में लें।
- छछ से निकाला गया ताजा माखन तथा मिश्री मिलाकर खाना चाहिए, ऊपर से पानी बिलकुल न पिएँ।
- 50 ग्राम उड़द की दाल आधा लीटर दूध में पकाकर खीर बनाकर खाने से अपार बल प्राप्त होता है।



खीर पूरे शरीर को पुष्ट करती है।

- प्रातः एक पाव दूध तथा दो-तीन केले साथ में खाने से बल मिलता है, कांति बढ़ती है।

- एक चम्मच असगंध चूर्ण तथा एक चम्मच मिश्री मिलाकर गुनगुने एक पाव दूध के साथ प्रातः व रात को सेवन करें, रात को सेवन के बाद कुछा कर सो जाएँ। 40 दिन में परिवर्तन नजर आने लगेगा।

- सफेद मूसली या धोली मूसली का पावडर, जो स्वयं कूटकर बनाया हो, एक चम्मच तथा पिसी मिश्री एक चम्मच लेकर सुबह व रात को सोने से पहले गुनगुने एक पाव दूध के साथ लें। यह अत्यंत शक्तिवर्धक है।

- सुबह-शाम भोजन के बाद सेवफल, अनार, केले या जो भी मौसमी फल हों, खाएँ।

- सुबह एक पाव ठंडे दूध में एक बड़ा चम्मच शहद मिलाकर पीने से खून साफ होता है, शरीर में खून की वृद्धि होती है।
- प्याज का रस 2 चम्मच, शहद 1 चम्मच, घी चौथाई चम्मच मिलाकर सेवन करें और स्वयं शक्ति का चमत्कार देखें। यह नुस्खा यौन शक्ति बढ़ाने में अचूक है। ऊपर वर्णित नुस्खे स्त्री-पुरुष दोनों के लिए समान हैं। इन्हें अनुकूल मात्रा में उचित विधि से सुबह-रात को सेवन करना चाहिए।

- भोजन में घी, दूध, चावल, उड़द, नारियल, मलाई, मक्खन, शहद, मौसमी फल, हलवा, हरी साग-भाजी, टमाटर, गाजर, आंवला आदि का सेवन करना चाहिए।

- सर्दियों में बादाम का हलवा, दूध में पकाया हुआ छुहारा, मीठा अनार, प्याज का रस, नारियल की गिरी और दूध की खीर, उड़द

## स्वस्थ रहने के आसान उपाय

सुबह जल्दी उठो और 4- 6 किलोमीटर रोज टहलो। संभव हो तो शाम को भी थोड़ा टहलो। टहलते समय नाक से लम्बी- लम्बी साँसें लो तथा यह भावना करो कि टहलने से 2. टहलते समय नाक से लम्बी- लम्बी साँसें लो तथा यह भावना करो कि टहलने से आप अपने स्वास्थ्य को संवार रहे हैं।

टहलने के अलावा, दौड़ना, साइकिल चलाना, घुड़सवारी, तैरना या कोई भी खेलकूद, व्यायाम के अच्छे उपाय हैं। स्त्रियाँ चक्की पीसना, रस्सीकूदना, पानी भरना, झाड़ू- पोछा लगाना आदि घर के कामों में भी अच्छा व्यायाम कर सकती हैं। रोज थोड़े समय छोटे बच्चों के साथ खेलना, 10- 15 मिनट खुलकर हँसना भी अच्छे व्यायाम के अंग हैं।

प्रातः टहलने के बाद भूख अच्छी लगती है। इस समय पौष्टिक पदार्थों का सेवन करें। अंकुरित अन्न, भीगी मूँगफली, आंवला या इससे बना कोई पदार्थ, संतरा या मौसमी का रस अच्छे नाश्ता का अंग होते हैं। भोजन सादा करो एवं उसे प्रसाद रूप में ग्रहण करो, शांत, प्रसन्न और निश्चिन्ता पूर्वक करो और उसे अच्छी तरह चबाचबा कर खाओ। खाते समय न बात करो और न हँसो। एकाग्र चित्त होकर भोजन करना चाहिए। भूख से कम खाओ

अथवा आधा पेट खाओ, चौथाई पानी के लिए एवं चौथाई पेट हवा के लिए खाली छोड़ो।

भोजन में रोज अंकुरित अन्न अवश्य शामिल करो। अंकुरित अन्न में पौष्टिकता एवं खनिज लवण गुणात्मक मात्रा में बढ़ जाते हैं। इनमें मूँग सर्वोत्तम है। चना, अंकुरित या भीगी मूँगफली इसमें थोड़ी मेथी दाना एवं चुटकी भर- अजवायन मिला लें तो यह कई रोगों का प्रतिरोधक एवं प्रभावी इलाज है।

मौसम की ताजा हरी सब्जी और ताजे फल खूब खाओ। जितना हो सके कच्चे खाओ अन्यथा आधी उबली/ उबली तथा कम मिर्च- मसाले, खटाई की सब्जियाँ खाओ। एक ग्रास रोटी के साथ चार ग्रास सब्जी के अनुपात का प्रयास रखो।

आटा चोकर समेत खाओ, सम्भव हो तो हाथ का पिसा हुआ खाओ। जौ, गेहूँ, चना, सोयाबीन का मिस्सी रोटी का आटा सुपाच्य एवं पौष्टिक होता है। पौष्टिकता की दृष्टि से रोटी में हरी सब्जी, पालक, मेथी, बथुआ आदि पत्तीदार सब्जी मिलाकर बनायें / खायें। दलिया / खिचड़ी में भी पत्तीदार एवं हरी सब्जियाँ मिलाकर पौष्टिकता बढ़ाई जा सकती है। सब्जियों के सूप का नित्य सेवन पौष्टिक एवं हलके भोजन का अच्छा अंग हो सकता है। भोजन के साथ पानी कम से कम पियो। दोपहर के भोजन के घंटे



भर बाद पानी पियें। भोजन यदि कड़ा और रूखा हो तो 2- 4 घूंट पानी अवश्य पियें।

प्रातः उठते ही खूब पानी पियो। दोपहर भोजन के थोड़ी देर बाद छछ और रात को सोने के पहले उष्ण दूध अमृत समान है। दिन में कम से कम दो-तीन लीटर पानी अवश्य पियो। धूपपान, मादक पेय- पदार्थ (जरदा, गुटखा, सॉफ्ट ड्रिंक जैसे कोकाकोला, पेप्सी इत्यादि एवं शराब आदि) सर्वथा छोड़ दो। चाय- कॉफी आदि के स्थान पर सादा ठंडा या गुनगुना पानी, नींबू पानी, छछ, गाजर, पालक चुकन्दर, लौकी, टमाटर इत्यादि सब्जियों का एव

मौसमी या संतरा, पपीता इत्यादि फलों के रस का उपयोग लाभकारी होता है। डाइबेटीज (शर्कर) के रोगी को शर्करा या उससे बने पदार्थों से पूर्ण परहेज करना चाहिए। फलों में अधिक मीठे फल का सेवन कम करें। फल के रस के बजाय फल खायें। मेथी दाना और करेला मधुमेह रोग की राम बाण दवा है। मेथी दाना रोज 18/24 घंटे पानी में, जहाँ तक संभव हो सके मिट्टी के बर्तन में भिगोयें। दूसरे दिन सुबह नाश्ते के पहले या बाद में दानामेथी का पानी पी लें। दानामेथी अंकुरित कर सलाद में या नमक, नींबू लगाकर भी खा सकते हैं।

लाभदायक है सर्दियों में

## सिंघाड़े का सेवन



सर्दियाँ शुरू होते ही बाजार में सिंघाड़े आसानी से प्राप्त हो जाते हैं और यह खाने में बहुत स्वादिष्ट होते हैं। सिंघाड़ा हमारी सेहत के लिए बहुत लाभदायक होता है इसमें पाए जाने वाले पौष्टिक तत्व हमारी शरीर को तंदरूस्त रखने में मदद करते हैं। सिंघाड़े में वैसे तो विटामिन बी,फाइबर और भी कई पौष्टिक तत्व पाए जाते हैं पर विटामिन ए और सी भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं जो हमारी त्वचा को सुंदर बनाने में मदद करते हैं। हमारे शरीर को भी शक्ति प्रदान करता है।

- » सिंघाड़े का सेवन करने से त्वचा में चमक तो आती ही है और त्वचा निखारने में भी मदद करता है।
- » कच्चे सिंघाड़े का सेवन करने से शरीर में खून की मात्रा बढ़ जाती है।
- » सर्दियों में सिंघाड़े का सेवन करना काफी लाभदायक होता है ,सिंघाड़े खाने से त्वचा तो निखरती ही है और साथ ही खुश्की की समस्या भी दूर हो जाती है।
- » सिंघाड़े का सेवन करने से त्वचा संबंधी सभी रोगों से छुटकारा मिलता है जैसे धूप की अल्ट्रावायलेट किरणों से भी त्वचा की रक्षा करता है।
- » सिंघाड़े का सेवन करने से गले में होने वाली खराश से राहत मिलती है और खांसी से भी छुटकारा मिलता है।
- » सिंघाड़े का सेवन करने से हमें कई रोगों से राहत मिलती है जैसे पीलिया के रोगियों के लिए भी काफी फायदेमंद होता है।
- » सिंघाड़े खाने से त्वचा पर पड़ने वाली झुर्रियों से भी राहत मिलती है।

औषधीय गुणों से भरपूर

## अजवायन



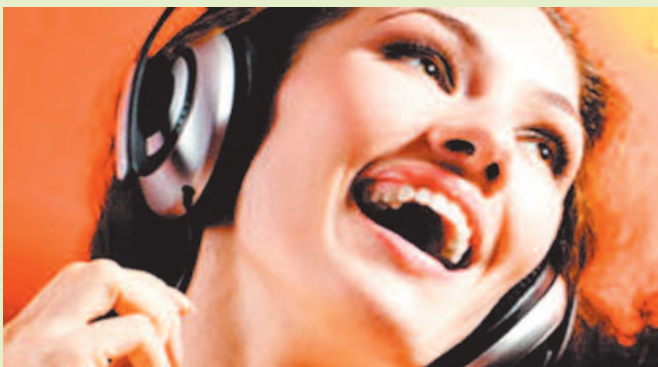
- » अजीर्ण की शिकायत होने पर अजवायन का तेल तथा अर्क शीघ्र लाभ देते हैं।
- » उदर शूल होने पर भी अजवायन का अर्क या तेल दें।
- » दांत दर्द करते हों तो अजवायन को धीरे-धीरे चबाएं। चबाते समय दबाव कम डालें। रस निगल जाएँ।
- » मुंह से दुर्गंध आती हो तो भी अजवायन चबाया करें।
- » सर्दी का बुखार परेशान करता हो तो अजवायन को गुड़ के साथ खाया करें। 5-6 दिनों में पूर्ण ठीक हो जाएँगे।
- » जिन्हें सूतिका बुखार हो जाए, वह अजवायन का सेवन करें।
- » प्रसूता नारियों को अजवायन खिलाने पर उनकी भूख खुल जाती है। उनकी पाचन शक्ति में वृद्धि होने लगती है।
- » वायु गोला की शिकायत होने पर अजवायन एक चम्मच, काला नमक चौथाई चम्मच, पीस-छानकर ताजा पानी से लें।
- » बार-बार पेशाब की शिकायत होने पर अजवायन तथा तिल मिलाकर रोगी को खिलाएं।
- » गुर्दे का दर्द हो तो गुड़, पिसी कच्ची अजवायन, दोनों एक समान मात्रा में लें। मात्रा एक चम्मच, दिन में 4 बार।
- » शरीर में शक्ति संचार करने के लिए यह चूर्ण, दिन में 2 बार, आधा चम्मच एक समय, ताजा पानी से दें।
- » फोड़ा-फुंसी की सूजन होने पर नींबू के रस में अजवायन पीसकर दिन में 2 बार लेप करें।

घर के कामकाज से

## कम होता है तनाव

अगर आप तनाव के दौर से गुजर रहे हैं तो घरेलू कामकाज कीजिए। महज 20 मिनट का घरेलू काम आपको राहत देगा। आपका तनाव भागेगा और मानसिक रूप से आप स्वस्थ महसूस करेंगे। ब्रिटेन के अनुसंधानकर्ताओं का मानना है कि सप्ताह में कम से कम एक बार घरेलू कामकाज जैसी शारीरिक गतिविधियों के जरिये तनाव को कम किया जा सकता है। इसमें साफ-सफाई, बाग-बगीचे की देखभाल, मकान का रखरखाव आदि भी शामिल हैं। इस निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए लंदन के यूनिवर्सिटी कॉलेज के मार्क हैमर के नेतृत्व में एक अध्ययन किया गया। उन्होंने अपने अध्ययन में 20000 लोगों को शामिल किया और उनकी दिमागी हालत को जानने का प्रयास किया।

यू तो नियमित कसरत को मानसिक स्वास्थ्य के लिए बढ़िया माना जाता है, लेकिन विशेषज्ञ भी इस बात पर राजी नहीं हो सके कि किस तरह की और कितनी कसरत करना चाहिए।



स्वस्थ और सुंदर दिखने के नुस्खे दादी माँ के पिटारे से लेकर आधुनिक साजो-सामान में बिखरे पड़े हैं। प्रत्येक समय, काल में सुंदरता का पैमाना भी परिवर्तित हुआ है। जहाँ प्राचीन समय में गहनों से लकड़क, लहराती केश राशि से सुसज्जित, सजीली-लजीली सुंदरियों का वर्चस्व था तो आज टाईट जींसधारी, लंबी, दुबली, छरहरी काया सुंदरता के मानदंड में शामिल है। प्रत्येक स्त्री अपनी सुंदरता के प्रति सजग है। अधिक चुरत-दुरुस्त रहने के लिए डाइटिंग, योग, व्यायाम या एरोबिक्स का सहारा लेती हैं। बढ़ते हुए वजन या थुलथुल शरीर से चिंताग्रस्त, सदैव उदास और थका हुआ महसूस करने वाली स्त्रियाँ तथा जो अपनी व्यस्तता के कारण व्यायाम नहीं कर पाती या बेडौल काया के कारण योग क्लास, हेल्थ क्लब जाने में संकोच करने वाली स्त्रियों के लिए एरोबिक्स वरदान साबित हुआ है। एरोबिक्स यानी संगीत की धुन पर किए जाने वाले व्यायाम। एरोबिक्स करने के

लिए कोई विशेष साजो-सामान की जरूरत नहीं होती। बस पर्याप्त स्थान हो, इस हेतु आप कमरे से फनीचर हटाकर स्थान बना सकती हैं। पॉप, रॉक, जाज संगीत का कोई कैसेट या कर्णप्रिय धुन तथा तेज लय वाला कोई भी कैसेट लेकर उसी आधार पर नृत्य करें। कैसेट लेते समय इस बात का ध्यान अवश्य रखें कि व्यायाम के समय जिन अंगों को रिद?म पर थिरकन देना है उसके लिए सही रिद?म और संगीत उस कैसेट में अवश्य हो। इन धुनों पर जॉगिंग, रनिंग,



## एरोबिक्स यानी डांस, फन, रिदम और हेल्थ

साइकलिंग, तैराकी, जैसी गति में थिरकन की जाती है। इस हेतु जेनफौंड द्वारा तैयार किए गए लयात्मक योग व्यायाम की कैसेट बाजार में उपलब्ध है। भारतीय सिने अभिनेत्री रेखा ने भी एरोबिक्स पर एक ऑडियो कैसेट माईड एंड बॉडी तैयार किया है। इसमें योग और व्यायाम को लेकर एरोबिक्स के लिए धुन तैयार की है। अनीता राज, शिल्पा शेण्डी ने भी वीडियो कैसेट तैयार किए हैं। एरोबिक्स व्यायाम अकेले भी किए जा सकते हैं और समूह के साथ भी। समूह के साथ करने का अलग ही मजा है। सप्ताह में तीन-चार बार या समय उपलब्ध होने पर

प्रतिदिन भी व्यायाम किया जा सकता है। वैसे भी अपेक्षाकृत इसमें बहुत ही कम समय लगता है। लगभग दस से बीस मिनट लगते हैं।

एरोबिक्स करने वाले लोगों का कहना है कि वे इस अनूठे नृत्य व्यायाम से तन-मन की प्रसन्नता महसूस करते हैं और शरीर पर जमी अनावश्यक चर्बी गायब हो जाती है। इन्हें करने के लिए कोई शिक्षक हो यह आवश्यक नहीं। एरोबिक्स के बारे में संगीत के रसिक तथा उद्योगपति का मानना है कि इस व्यायाम से उनमें अधिक चुस्ती-फुर्ती आती है और वे अधिक हल्का महसूस करते हैं। संगीत की सुमधुर आवाज तनाव, चिंता दूर करने में सहायक है। एरोबिक्स निश्चय ही जीवन में अनोखा बदलाव लाता है। होटलों, हेल्थ क्लबों, ब्यूटी पार्लर्स, यहां तक की कई लोगों ने निजी कक्षाएं भी खोल ली हैं, जहां 100 रुपए से लेकर 5000 रुपए तक फीस वसूली जाती है। आप अपने स्टैंडर्ड के अनुसार इन कक्षाओं में शामिल हो सकते हैं या घर में ही मुफ्त में इसका आनंद उठा सकते हैं।

### एप्पल ने लॉन्च किया पहला टचस्क्रीन मैकबुक-प्रो

**भारत में 9 नवंबर से उपलब्ध, कीमत 3.49 लाख से शुरू**

**मुंबई ।**

दिग्गज टेक कंपनी एप्पल ने अपने प्रो एंड टेल इवेंट में पहला टचस्क्रीन मैकबुक प्रो लॉन्च कर सालों पुरानी रणनीति को बदल दिया है। ओएलईडी डिस्प्ले, नई एम5 चिप्स और टच जेस्चर के साथ, यह लैपटॉप सीधे स्क्रीन पर इंटरैक्शन का अनु्ठा अनुभव प्रदान करेगा। यह नया टचस्क्रीन डिस्प्ले यूजर्स को सीधे स्क्रीन पर डॉक्यूमेंट स्कॉल करने, तस्वीरों को जूम करने, ड्राइंग बनाने और कंटेंट एनोटेट करने की सुविधा देता है। पहली बार मैकबुक में आइफोन का लोकप्रिय फीचर डायनामिक आइलैंड भी शामिल किया गया है। लैपटॉप में प्रोएलईडी एक्सडीआर नाम का नया टेंडेम ओएलईडी डिस्प्ले है, जो बेहतर कलर एक्यूरेसी और 2,000 निट्स की पीक ब्राइटनेस का वादा करता है। यह एम5 प्रो और एम5 मैक्स चिप्स से संचालित होता है, जो वीडियो एडिटिंग, थ्रीडी रेंडरिंग और एआई वर्कलोड जैसे भारी कामों के लिए डिजाइन की गई हैं। इनमें एआई से संबंधित कामों के लिए न्यूरल एक्सीलेरेटर भी दिए गए हैं। भारत में 14-इंच मॉडल की कीमत 3,49,900 और 16-इंच मॉडल की कीमत 4,09,900 रुपए रखी गई है। नया मैकबुक प्रो भारत में 9 नवंबर से बिन्की के लिए उपलब्ध होगा। एप्पल का यह कदम कंपनी की पुरानी रणनीति से एक बड़ा बदलाव है, क्योंकि स्टडीव जॉन्स ने कभी टचस्क्रीन लैपटॉप को इस्तेमाल में असुविधाजनक बताया था।

### एसीएमई सोलर का मुनाफा दोगुना, आय में रिकॉर्ड उछाल

**बीईएसएस और नवीकरणीय विस्तार से लाभ को मिला बढ़ावा**

**नई दिल्ली ।**

एसीएमई सोलर होल्डिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में शानदार वित्तीय नतीजे पेश किए। कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ दोगुना से अधिक होकर 269 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 115 करोड़ रुपये से काफी अधिक है। कंपनी की कुल आय 67.5 फीसदी बढ़कर 1,007 करोड़ रुपये रही, जिसका मुख्य कारण बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) और नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता का विस्तार था। कर पूर्व आय (ईबीआईटीडीए) भी 63.6व बढ़कर 874 करोड़ रुपये दर्ज हुई। तिमाही के दौरान, एसीएमई ने 2.1 गीगावाट-घंटा (जीडब्ल्यूएच) की नई बीईएसएस क्षमता चालू की, जिससे उसकी कुल बीईएसएस क्षमता बढ़कर 5.2 जीडब्ल्यूएच हो गई। कंपनी ने इस अवधि में 184 करोड़ यूनिट स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन भी किया। इस बीच कंपनी ने एनटीपीसी के साथ 400 मेगावॉट की फर्म एंड डिस्पैचेबल रिन्यूएबल एनर्जी (एफडीआई) परियोजना के लिए 4.37 रुपये प्रति यूनिट की दर पर बिजली खरीद समझौता (पीपीए) किया है। यह समझौता एसीएमई मैरीगेल्ड ऊर्जा प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से किया गया है, जिसकी बिजली आपूर्ति 30 जून, 2028 तक अपेक्षित है।

### रिलायंस ने मंग की हैमलीज की छोटी फेंचाइजिंग इकाई

**ब्रिटेन में स्वेच्छिक पंजीकरण समाप्त करने का आवेदन स्वीकृत**

**नई दिल्ली ।**

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने घोषणा की है कि उसकी अनुषंगी की अनुषंगी कंपनी हैमलीज (फेंचाइजिंग) लिमिटेड को भंग किया जा रहा है। यह निर्णय ब्रिटेन में कंपनी के स्वेच्छिक पंजीकरण को समाप्त करने के आवेदन के बाद आया है, जिसकी नियामकीय सूचना जारी कर दी गई है। यह इकाई रिलायंस समूह के कुल कारोबार में नगण्य योगदान देती थी, इसलिए इसे बंद करने का फैसला लिया गया है। ब्रिटेन के कंपनी पंजीयक ने इस संबंध में आधिकारिक राजपत्र में एक नोटिस प्रकाशित किया है। इसके अनुसार, हैमलीज (फेंचाइजिंग) लिमिटेड को 27 अक्टूबर, 2026 से कम से कम दो महीने बाद कंपनी रजिस्टर से हटाकर भंग कर दिया जाएगा।

वित्तीय आंकड़ों के अनुसार, कैलेंडर वर्ष 2025 में हैमलीज (फेंचाइजिंग) लिमिटेड का कारोबार 56.08 करोड़ रुपये था, जो वित्त वर्ष 2025-26 में रिलायंस इंडस्ट्रीज के कुल एकीकृत कारोबार का केवल 0.0048 प्रतिशत था। 31 दिसंबर, 2025 तक इसकी नेटवर्थ शून्य दर्ज की गई थी, जो इसके नगण्य महत्व को दर्शाता है। गौरलब्ध है कि रिलायंस इंडस्ट्रीज की अनुषंगी रिलायंस ब्रांड्स लिमिटेड ने जुलाई 2019 में ब्रिटिश खिलौना खुदरा विक्रेता हैमलीज का अधिग्रहण 6.79 करोड़ पाउंड (लगभग 620 करोड़ रुपये) में किया था। लंदन में 1760 में स्थापित हैमलीज दुनिया के सबसे पुराने खिलौना खुदरा ब्रांडों में से एक है। इस फेंचाइजिंग इकाई को भंग करने से मुख्य हैमलीज ब्रांड के वैश्विक संचालन पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

## निखिल द्विवेदी की सफाँन मैजिकवर्क्स को बड़ी राहत-आईएमपीपीए अवॉर्ड निरस्त

**मुंबई ।**

फिल्म निर्माता निखिल द्विवेदी की प्रोडक्शन कंपनी सफाँन मैजिकवर्क्स को बॉम्बे हाईकोर्ट से महत्वपूर्ण कानूनी राहत मिली है। न्यायमूर्ति अरिफ एस. डॉक्टर ने 23 अक्टूबर, 2026 को इंडियन मोशन पिक्चर प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन (आईएमपीपीए) द्वारा 3 जुलाई, 2026 को पारित अवॉर्ड को निरस्त कर दिया। इस

निर्णय से न्यायालय के समक्ष लंबित वाद और सभी संबंधित आवेदनों का निस्तारण हो गया है। न्यायालय ने आईएमपीपीए की विवाद निवारण समिति द्वारा पारित अवॉर्ड को रद्द करते हुए टिप्पणी की कि एसोसिएशन अपनी ही समिति द्वारा पारित अवॉर्ड के निरस्त होने पर स्वयं को पीड़ित पक्ष के रूप में प्रस्तुत नहीं कर सकती। न्यायालय ने उल्लेख किया कि नोटिस की तामील होने के

## जुपिटर वैगन्स को रेलवे से मिला 1,140 करोड़ का ऑर्डर

**कोलकाता ।**

भारतीय रेलवे की बढ़ती माल ढुलाई क्षमता को मजबूती देते हुए जुपिटर वैगन्स लिमिटेड को रेल मंत्रालय से 1,140 करोड़ रुपये का एक अहम ऑर्डर मिला है। इस सौदे में कंपनी 2,583 अल्ट्राधुनिक वैगन का विनिर्माण

करेगी, जिससे देश की औद्योगिक आपूर्ति श्रृंखला को गति मिलेगी। जुपिटर वैगन्स को बॉक्स एनएचएल और बॉक्स एनएस श्रेणी के वैगन बनाने का ठेका मिला है, जिसकी जानकारी कंपनी ने गुरुवार को दी। यह ऑर्डर राष्ट्रीय रेल योजना के तहत माल ढुलाई में रेलवे की हिस्सेदारी

## शेयर बाजार भारी तेजी के साथ बंद

**सेंसेक्स 905 और निफ्टी 237 अंक उछला**

**मुम्बई ।**

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 905.01 अंकों की शानदार उछाल के साथ बढ़कर 74,151.04 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी इंडेक्स भी 237.90 अंकों की तेजी के साथ ही 22,936.75 अंक पर पहुंच गया।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 लिस्टेड कंपनियों में से 26 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुए, जबकि केवल 4 शेयरों में मामूली

गिरावट दर्ज की गई। इसी तरह, निफ्टी 50 के 50 शेयरों में से 39 शेयरों ने तेजी के साथ कारोबार समाप्त किया, जबकि 11 कंपनियों के शेयर लाल निशान में बंद हुए। यह दिखाता है कि बाजार की तेजी किसी एक सेक्टर या कुछ शेयरों तक सीमित नहीं थी, बल्कि यह व्यापक थी।

तेजी वाले शेयरों की बात करें तो अडानी ग्रुप की कंपनी अडानी पोर्ट्स एंड एसईजेड के शेयरों में सबसे ज्यादा उत्साह देखने को मिला, जो 5.17 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। इसके बाद कोटक महिंद्रा बैंक , पावर ग्रिड , एटरनल , बजाज फाइनेंस , भारतीय स्टेट बैंक के शेयरों में भी उछाल रहा। वहीं अन्य प्रमुख बढ़ने वाले शेयरों में टाइटन, एनटीपीसी , बीडिएल , इन्फोसिस , आईटीसी, भारती एयरटेल, महिंद्रा एंड महिंद्रा

### मारुति सुजुकी का इलेक्ट्रिक वाहन निर्यात 50,000 इकाई के पार

**अगस्त 2025 से ई-विटारा की 50 देशों में धूम**

**नई दिल्ली ।**

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) निर्यात के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। कंपनी ने अगस्त 2025 से अक्टूबर 2026 की अवधि के दौरान 50,000 से अधिक ईवी का निर्यात किया है, जो वैश्विक बाजारों में इसकी बढ़ती पकड़ और भारत के ईवी निर्यात में इसकी अग्रणी भूमिका को दर्शाता है।

कंपनी ने बताया कि अप्रैल-सितंबर 2026 के दौरान, भारत से हुए कुल इलेक्ट्रिक यात्री वाहन निर्यात में मारुति की हिस्सेदारी करीब 93 प्रतिशत रही। मारुति अपनी इलेक्ट्रिक एसयूवी 'ई-विटारा' का निर्यात ब्रिटेन, नॉर्वे, जर्मनी, जापान सहित करीब 50 देशों में कर रही है, जिसमें यूरोप इसका सबसे बड़ा बाजार है। 'ई-विटारा' का उत्पादन अगस्त 2025 में गुजरात स्थित हंसलपुर संयंत्र में शुरू हुआ था, जो सुजुकी के पहले वैश्विक बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन का एकमात्र निर्माण केंद्र है। मारुति सुजुकी इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ हिसाशी ताकेउची ने इस वैश्विक विस्तार पर खुशी जताई। हाल ही में, हंसलपुर संयंत्र की वार्षिक उत्पादन क्षमता बढ़ाकर 10 लाख वाहन कर दी गई है, जो इसे सुजुकी का दुनिया का पहला ऐसा विनिर्माण संयंत्र बनाती है। कुल 25,288.7 करोड़ रुपये के निवेश से निर्मित इस संयंत्र ने वित्त वर्ष 2025-26 में मारुति के कुल वाहन निर्यात में लगभग आधी हिस्सेदारी निभाई।

# एचयूएल का दूसरी तिमाही में 38 फीसदी उछाल का अनुमान

**दमदार प्रदर्शन, रिकॉर्ड वॉल्यूम ग्रोथ के बावजूद ब्रोकरेज ने घटाया टारगेट**

**नई दिल्ली ।**

एफएमसीजी दिग्गज हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में बेहतरीन नतीजे पेश किए हैं। कंपनी का मुनाफा 4 फीसदी बढ़कर 2,790 करोड़ रुपए रहा, जबकि वॉल्यूम ग्रोथ 7 फीसदी दर्ज की गई, जो 21 तिमाहियों का

उच्चतम स्तर है। इन शानदार नतीजों के साथ, कंपनी ने 19 रुपए प्रति शेयर का अंतरिम डिविडेंड भी घोषित किया है। एचयूएल की नेट सेल्स में भी 14.8 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जो 14 तिमाहियों का सबसे मजबूत प्रदर्शन है।

दमदार नतीजों के बावजूद, ब्रोकरेज फर्मों ने बाजार की मौजूदा स्थिति और एफएमसीजी सेक्टर के वॉल्यूम ग्रोथ को देखते हुए एचयूएल के शेयर



आदि रहे। इस दौरान कुछ कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। टाटा ग्रुप की कंपनी टैट के शेयर 1.44 फीसदी की सबसे बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए।

मारुति सुजुकी और , टेक महिंद्रा और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में भी गिरावट रही। वहीं

इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। सेंसेक्स 400.28 अंक की बढ़त दर्ज करते हुए 73,646.31 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 110.41 अंक चढ़कर 22,809.25 के स्तर पर बना हुआ था।

# एचयूएल का दूसरी तिमाही में 38 फीसदी उछाल का अनुमान

**दमदार प्रदर्शन, रिकॉर्ड वॉल्यूम ग्रोथ के बावजूद ब्रोकरेज ने घटाया टारगेट**

**नई दिल्ली ।**

एफएमसीजी दिग्गज हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में बेहतरीन नतीजे पेश किए हैं। कंपनी का मुनाफा 4 फीसदी बढ़कर 2,790 करोड़ रुपए रहा, जबकि वॉल्यूम ग्रोथ 7 फीसदी दर्ज की गई, जो 21 तिमाहियों का उच्चतम स्तर है। इन शानदार नतीजों के साथ, कंपनी ने 19 रुपए प्रति शेयर का अंतरिम डिविडेंड भी घोषित किया है। एचयूएल की नेट सेल्स में भी 14.8 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जो 14 तिमाहियों का सबसे मजबूत

प्रदर्शन है। दमदार नतीजों के बावजूद, ब्रोकरेज फर्मों ने बाजार की मौजूदा स्थिति और एफएमसीजी सेक्टर के वॉल्यूम ग्रोथ के शेयर पर अपने टारगेट प्राइस घटा दिए हैं।

नुवामा ने टारगेट 2,820 रुपए से घटाकर 2,510 रुपए और जेफरीज ने 2,450 रुपए से घटाकर 2,350 रुपए किया है, हालांकि दोनों ने बाय रेटिंग बरकरार रखी है। इस तिमाही में कच्चे माल की बढ़ती लागत के चलते मार्जिन पर दबाव साफ दिखा। ग्रांस मार्जिन 47.1 फीसदी और एबिटा मार्जिन 22.6 फीसदी

### रुपया बढ़त के साथ बंद

**मुंबई ।**

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार बढ़त पर बंद हुआ। अमेरिकी के द्तीय बैंक फेडरल रिजर्व की नीतिगत घोषणा के बाद डॉलर में मामूली कमजोरी

आने से गुरुवार को शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 11 पैसे मजबूत होकर 95.17 के स्तर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने बाजार की उम्मीदों के अनुरूप ब्याज दरों को 3.75 प्रतिशत से 4.00 प्रतिशत के दायरे में अपरिवर्तित रखा है। हालांकि, इस फैसले के बाद डॉलर पर हल्का दबाव देखने को मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार का रुपया 95.20 प्रति डॉलर पर खुला। इसके बाद इसमें सुधार आया और यह 95.17 प्रति डॉलर तक पहुंच गया। बुधवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.28 पर बंद हुआ। कारोबारियों का कहना है कि कच्चे तेल की ऊंची कीमतें और अमेरिका में बॉण्ड प्रतिफल का मजबूत स्तर रुपये पर दबाव बनाए हुए है। हालांकि, करीब 721 अरब डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार, हाल में विदेशी पोर्टफोलियो निवेश के प्रवाह में सुधार और भारतीय रिजर्व बैंक की बाजार में मौजूदगी रुपये को सहारा दे रही है।

# एचयूएल का दूसरी तिमाही में 38 फीसदी उछाल का अनुमान



रहा, जिसमें गिरावट दर्ज की गई। दूसरी ओर, होम केयर कारोबार ने 22 फीसदी की शानदार ग्रोथ दर्ज की, वहीं ब्यूटी एंड वेल्बीइंग और फूड्स जैसे सेगमेंट में भी अच्छी बढ़ोतरी देखी गई। कंपनी ने डब, वैसलीन जैसे प्रीमियम प्रोडक्ट्स

पर भी जोर दिया है। एचयूएल को उम्मीद है कि ग्रामीण मांग में सुधार और नए आउटलेट्स जोड़ने के प्रयासों से वित्त वर्ष 2026-27 में प्रदर्शन बेहतर होगा, और एबिटेडा मार्जिन 22-24 फीसदी के दायरे में रहेगा।

### घरेलू विमानन उद्योग को 38,000 करोड़ तक के घाटे का अनुमान

**मुंबई।**

भारतीय विमानन उद्योग को चालू वित्त वर्ष (2026-27) में 36,000 रुपए से 38,000 करोड़ रुपए तक का भारी घाटा होने का अनुमान है। रेटिंग एजेंसी इका ने गुरुवार को यह चेतावनी जारी करते हुए बताया कि पिछले वित्त वर्ष (2025-26) के अनुमानित 28,000-30,000 करोड़ रुपए के घाटे की तुलना में यह नुकसान और बढ़ेगा, जो उद्योग के लिए बढ़ती चुनौतियों को दर्शाता है। इका के मुताबिक, यात्री यातायात वृद्धि दर में नरमी, विमान ईंधन (एटीएफ) की लगातार बढ़ती कीमतें और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में तेज गिरावट के कारण विदेशी मुद्रा संबंधी नुकसान इस घाटे के प्रमुख कारण हैं। इसके अलावा, फरवरी 2026 के अंत में पश्चिम एशिया में संभावित युद्ध शुरू होने से हवाई यात्री यातायात प्रभावित होने की आशंका है। एजेंसी ने विमानों की लगातार आपूर्ति के कारण पट्टा किराये में वृद्धि को भी एयरलाइन कंपनियों की लागत बढ़ने का एक महत्वपूर्ण कारक बताया है। इन चुनौतियों के बावजूद, एयरलाइन कंपनियां अपनी लागत में हुई इस बढ़ोतरी की भरपाई के लिए हवाई किराये में पर्याप्त वृद्धि नहीं कर पा रही हैं, जिससे उनके वित्तीय प्रदर्शन पर गहरा दबाव बना हुआ है और घाटे की स्थिति बनी रहने की संभावना है।

## फेड ने स्थिर रखीं ब्याज दरें, महंगाई पर पैनी नजर

**फेडरल रिजर्व ने अक्टूबर बैठक में थामी दरें; दिसंबर में बढ़ोतरी की अटकलें**

**नई दिल्ली ।**

अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने अक्टूबर की अपनी मौद्रिक नीति बैठक में ब्याज दरों को 3.75-4 फीसदी के दायरे में अपरिवर्तित रखने का फैसला किया है।

यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब अमेरिका में लगातार ऊंची महंगाई दर अभी भी एक बड़ी चुनौती है, हालांकि फेड ने अर्थव्यवस्था को पहले से मजबूत बताया है। फेडरल ओपन मार्केट कमिटी ने 10-2 के बहुमत से दरें स्थिर रखने का निर्णय लिया। सितंबर में 0.25 फीसदी की बढ़ोतरी के बाद यह उछाव आया है। केंद्रीय बैंक ने संकेत दिया है कि वह अगला बदलाव करने से पहले महंगाई और रोजगार के नए आंकड़ों पर बारीकी से नजर रखेगा।

फेड चेयरमैन केविन वार्श ने दिसंबर की अगली बैठक के लिए कोई स्पष्ट संकेत नहीं दिया है, लेकिन कुछ अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि दिसंबर में 0.25 फीसदी की और बढ़ोतरी हो



सकती है।

ब्याज दरों में बदलाव का अर्थव्यवस्था और बाजार पर सीधा असर पड़ता है। ऊंची ब्याज दरें कर्ज महंगा करती हैं, जिससे खर्च व निवेश घटता है, और महंगाई नियंत्रित होती है। हालांकि, यह शेयर बाजारों पर दबाव डाल सकता है। अमेरिकी फेड के इन फैसलों का असर भारत सहित वैश्विक बाजारों पर भी पड़ता है। यदि अमेरिका में दरें ऊंची रहती हैं या और बढ़ती हैं, तो विदेशी निवेशक भारतीय बाजारों से पूंजी निकाल सकते हैं, जिससे संसेक्स-निफ्टी पर दबाव बढ़ सकता है।



## टाईम पास

## आज का राशिफल

चू चे चो ला ली  
लू ले लो आ

स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहे। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। परिवारिक परेशानी बड़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठ में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रखें। शुभांक-1-3-5

का की कू घ ड  
छ के को हा

आध्यात्मिक रुचि बनेगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बतते नजर आएंगे। मनोयुग्मिद्वि का योग है। प्रतिष्ठ बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संभव होंगे। हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित विघ्न पैदा होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-3-5-7

मा नी मू ने गो  
रा टी रू टू

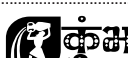
आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियंत्रण रखें। पारिवारिक परेशानी बड़ेगी। हाथ-पैरों में पीड़ा हो सकती है। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-4-6

रा टी रु रे रो  
ता ती तू ते

मनोविनोद बड़ेगी। व्यावसायिक का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बड़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आगम प्रभावित होगा। शुभांक-6-8-9

ये यो गा नी मू  
घा फा डा ने

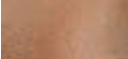
किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हिंदी समझे जाने वाले हो पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। शुभांक-7-8-9

कुंभ  
गू ने गो ला

ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का पहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। भाई-बहनों का प्रेम बड़ेगा। शुभांक-1-3-5

सी मू से सो वा  
दी दू थ ज्ञ ज दे

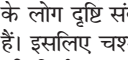
ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का पहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। भाई-बहनों का प्रेम बड़ेगा। शुभांक-1-3-5

दी दू थ ज्ञ ज दे  
दो चा ची

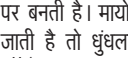
ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का पहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। भाई-बहनों का प्रेम बड़ेगा। शुभांक-1-3-5

दी दू थ ज्ञ ज दे  
दो चा ची

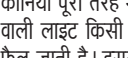
ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का पहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। भाई-बहनों का प्रेम बड़ेगा। शुभांक-1-3-5

दी दू थ ज्ञ ज दे  
दो चा ची

ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का पहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। भाई-बहनों का प्रेम बड़ेगा। शुभांक-1-3-5

दी दू थ ज्ञ ज दे  
दो चा ची

ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का पहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। भाई-बहनों का प्रेम बड़ेगा। शुभांक-1-3-5

दी दू थ ज्ञ ज दे  
दो चा ची

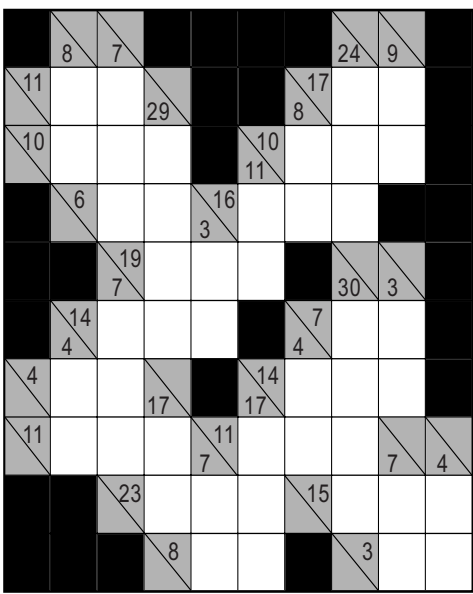
ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का पहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। भाई-बहनों का प्रेम बड़ेगा। शुभांक-1-3-5

दी दू थ ज्ञ ज दे  
दो चा ची

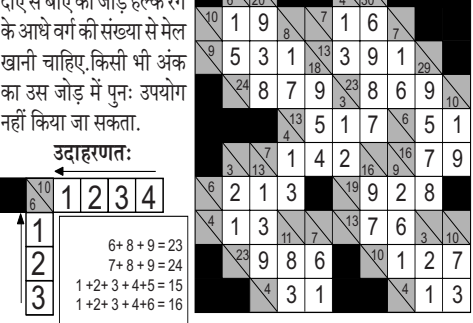
ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का पहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। भाई-बहनों का प्रेम बड़ेगा। शुभांक-1-3-5

दी दू थ ज्ञ ज दे  
दो चा ची

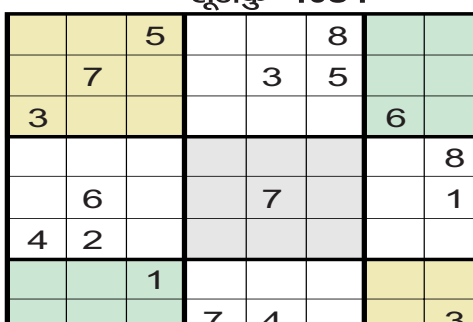
## काकुरो पहेली - 4054



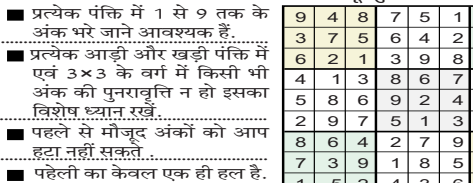
खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता।



उदाहरणतः



सूडोकु - 4054



सूडोकु - 4053 का हल



सूडोकु - 4053 का हल



सूडोकु - 4053 का हल



सूडोकु - 4053 का हल



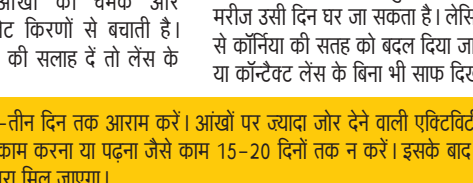
सूडोकु - 4053 का हल



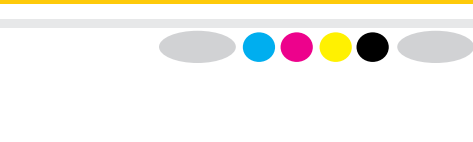
सूडोकु - 4053 का हल



सूडोकु - 4053 का हल



सूडोकु - 4053 का हल



## लॉफिंग जॉन

मेजर (जवान से) : तुम इतना ज्यादा क्यों पीते हो? तुम्हें खबर है कि अगर तुम्हारा रिकॉर्ड अच्छा होता तो अब तक सुबेदार हो गए होते।

जवान : माफकीजिए सर !

आपकी बात तो सोलह आने सच है। मगर बात यह है कि जब दो चूट मेरे अंदर पहुंच जाते हैं तो मैं अपने आपको कर्नल समझने लगता हूँ।

एक बार रमन जवानों की परेड करवाने में बहुत व्यस्त था, उसने गरज कर कहा- सभी जवान अपना-अपना दायाँ पैर ऊपर उठाएँ।

बस क्या था, एक जवान ने गलती से बायाँ पैर ऊपर उठा दिया।

यह देख कर रमन जोर से चिल्लाया- ये कौन बेवकूफ है, अपने दोनों पैर ऊपर उठा कर खड़ा है?

चमन (रमन से) - यार ! कल तो गजब हो गया। प्लेटफॉर्म पर भीड़ में मेरी प्रेमिका न जाने कहाँ खो गई थी। मुझे तो लगा जैसे मेरे तो हाथों के तोते उड़ गए।

रमन- उफयार ! यह तो बहुत ही बुरा हुआ। वैसे ये तो बता दे कितने तोते थे?

लॉफिंग जॉन

लॉफिंग जॉन

लॉफिंग जॉन

लॉफिंग जॉन

लॉफिंग जॉन

लॉफिंग जॉन

लॉफिंग जॉन

लॉफिंग जॉन

लॉफिंग जॉन

लॉफिंग जॉन

लॉफिंग जॉन

लॉफिंग जॉन

लॉफिंग जॉन

लॉफिंग जॉन

लॉफिंग जॉन

लॉफिंग जॉन

लॉफिंग जॉन

लॉफिंग जॉन

लॉफिंग जॉन

लॉफिंग जॉन

लॉफिंग जॉन

लॉफिंग जॉन

लॉफिंग जॉन

लॉफिंग जॉन

लॉफिंग जॉन

लॉफिंग जॉन

लॉफिंग जॉन

लॉफिंग जॉन

लॉफिंग जॉन

लॉफिंग जॉन

लॉफिंग जॉन

लॉफिंग जॉन

लॉफिंग जॉन

लॉफिंग जॉन

लॉफिंग जॉन

लॉफिंग जॉन

लॉफिंग जॉन

लॉफिंग जॉन

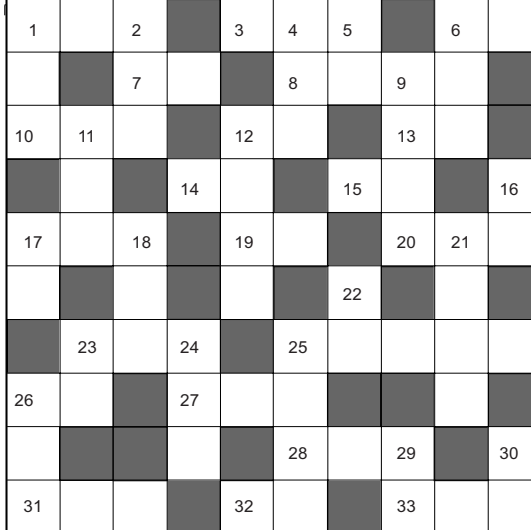
लॉफिंग जॉन

लॉफिंग जॉन

लॉफिंग जॉन

लॉफिंग जॉन

## फिल्म वर्ग पहेली- 4054



बायें से दायें:-

- जैको श्रॉफ, सलमान, रंभा, अर्श्वी भावे की फिल्म-3
- 'छम छम बरसा' गीत वाली फिल्म-3
- 'जलता है जिया मेरा भीगी भीगी' गीत वाली फिल्म-2
- गंवेश रोशन, सिम्मी की फिल्म-2
- अमिताभ, शर्मिला, हेमा, परवीन की फिल्म-4
- 'मल्ला तेरी गली में जीना तेरी' गीत वाली फिल्म-3
- फरदीन, करीना की 'रंग दोन्ही रंग' गीत वाली फिल्म-2
- 'कहना है तुम' गीत वाली आमिर, मनीषा की फिल्म-2
- 'सिर्फ संडे को कलती हूँ मैं तो प्यार' गीत वाली फिल्म-2
- 'चौदनी रात है' गीत वाली सलमान, नागमा की फिल्म-2
- 'जिंदगी ये जिंदगी दो घड़ी की
- जिंदगी' गीत वाली फिल्म-3
- नागार्जुन, उर्मिला की फिल्म-2
- जैको श्रॉफ, जूही, एकता की एक ससंसे फिल्म-3
- मिलिंद, विक्रम सलूज की फिल्म-3
- विनोद मेहरा, अनिल कपूर, रिमिता, रति की फिल्म-2, 1, 2
- 'याइला रे लड़की मस्त' गीत वाली फिल्म-2
- धर्मेन्द्र, शर्मिला की 'बहारां की बाग़त आ' गीत वाली फिल्म-3
- 'तुझे देखके दिल' गीत वाली फिल्म-3
- सनी, जॉन, सुनील शेठ्टी की फिल्म-3
- 'जिस का मुझे था' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-2
- अक्षय, सैफ, खीना टंडन, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-3

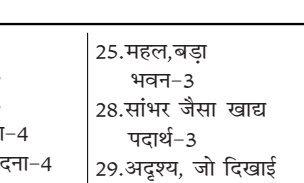
## ऊपर से नीचे:-

- 'रंग भरे मौसम से' गीत वाली फिल्म-3
- अमिताभ, संजीव, श्रद्धा, हेमा, शर्मिला की फिल्म-3
- 'मैं तेरी मुहब्बत में' गीत वाली फिल्म-3
- विजय आनंद, कृतिका पाने, सोनू वालिया की फिल्म-2
- 'दिल्ली की सड़कें' गीत वाली फिल्म-3
- राजबख्श, अनिता की फिल्म-4
- 'किसी के दिल में' गीत वाली फिल्म-3
- नवीन निशान, सायफ की 'इधर गया था' गीत वाली फिल्म-4
- 'तेरे बिना तेरे' गीत वाली फर्दीन, करीना की फिल्म-2
- संजय, उर्मिला की 'ओ भंवर देखो हम' गीत वाली फिल्म-2
- 'खाई है रे हमने कसम संग रहने की' गीत वाली फिल्म-3
- जैको, नीलम की 'चुगया तूने दिल' गीत वाली फिल्म-4
- 'अपनी चाहतों पे काबू' गीत वाली जॉन, उर्मिला की फिल्म-2
- इरफान खान, की 'मैंने दिल से कहा' गीत वाली फिल्म-2
- 'हम तीनों की वो यादें' गीत वाली फिल्म-3
- राजेंद्रकुमार, राखी की फिल्म-2, 2
- 'पहली बार जो' गीत वाली फर्दीन, उर्मिला की फिल्म-3
- 'सुन जरा सोनिया' गीत वाली फिल्म-2
- राजेशकपूर, बबिता की फिल्म-2

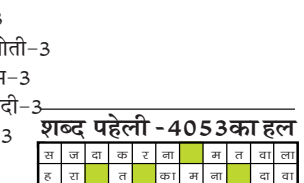
## शब्द पहेली- 4053



## शब्द पहेली- 4053 का हल



## शब्द पहेली- 4053 का हल



## शब्द पहेली- 4053 का हल



## शब्द पहेली- 4053 का हल



## RATE TARIFF

## राष्ट्रीय शिखर

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR  
NATIONAL HINDI DAILY

## DISPLAY B&amp;W

Rs. 750/-

(Per Sq. cm)

## DISPLAY COLOR

Rs. 750/- +  
50% Extra

(Per Sq. cm)

## CLASSIFIED DISPLAY

Rs. 75/-

(Per Sq. cm)

Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

## CLASSIFIED Run On words

Rs. 15/-

(Per Word)

Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area

Delhi NCR

&amp;

Western U.P.

## Special Page / Position Premium

|                    |       |                         |       |                      |       |
|--------------------|-------|-------------------------|-------|----------------------|-------|
| Front Page (Semi)  | - 50% | Island Position         | - 50% | Strip Advt.          | - 15% |
| Front Page (Solus) | - 75% | Right Hand Page         | - 10% | Political Advt.      | - 50% |
| Back Page          | - 25% | Top of AD Column        | - 15% | Pull Outs            | - 50% |
| Page Three         | - 20% | Any other Spl. Position | - 10% | Discount as per deal |       |

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)

Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001

Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail: rashtriyashikhar@gmail.com, Website: www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

चार प्रकार  
के होते हैं लेंस

## आपकी आंखों के लिए कौन सा है सही?

कं प्यूटर और मोबाइल स्क्रीन के साथ निरंतर संपर्क में रहने के कारण चश्मे और कॉन्टेक्ट लेंस का इस्तेमाल करने वालों की लाइफ तेजी से बढ़ती जा रही है। फिर भी उन्हें इनके चुनाव और इस्तेमाल का सही तरीका मालूम नहीं होता। आजकल हर आयु वर्ग के लोग दृष्टि संबंधी समस्याओं से परेशान रहते हैं। इसलिए चश्मे और कॉन्टेक्ट लेंस पर लोगों की निर्भरता बढ़ती जा रही है। इसके अलावा चश्मे से छुटकारा पाने के लिए लोग लेजर ट्रीटमेंट के बारे में भी जानने को इच्छुक होते हैं। हमें अपनी आंखों के साथ चश्मे और कॉन्टेक्ट लेंस की देखभाल कैसे करनी चाहिए।

## नजर से जुड़ी समस्याएं

मायोपिया : रखस आंखों में किसी वस्तु की इमेज रेटिना पर बनती है। मायोपिया में यह छवि रेटिना से पहले बन जाती है तो धुंधला दिखाई देने लगता है। इसके लिए कॉन्वेक्स या माइनस नंबर का लेंस दिया जाता है।

हाइपरेमेट्रोपिया : जब किसी वस्तु की इमेज रेटिना के ऊपर न बनकर उसके पीछे बनती है तो उसे हाइपरेमेट्रोपिया कहते हैं। इससे पास की चीज देखने में परेशानी होती है। इस समस्या को दूर करने के लिए प्लस पावर वाले कॉन्वेक्स लेंस की जरूरत होती है।

एस्ट्रोमेट्रोपिया : यह वैसी स्थिति है, जिसमें आंखों का कॉर्निया पूरी तरह गोल नहीं होता। इससे रेटिना पर पड़ने वाली लाइट किसी एक जगह टिकने के बजाय आसपास फैल जाती है। इससे दूर या पास, दोनों जगह पर धुंधला दिखाई देता है, साथ ही सिरदर्द भी हो सकता है। ऐसी समस्या होने पर सिलिंड्रिकल लेंस का इस्तेमाल किया जाता है।

प्रेसबायोपिया : आमतौर पर 40 साल की उम्र के बाद लोगों को नजदीक की चीजें देखने में परेशानी होती है। ऐसी समस्या को दूर करने के लिए चश्मे में कॉन्वेक्स या प्लस नंबर का लेंस यूज किया जाता है।

## कैसा हो चश्मा

- फ्रेम हल्का हो, नाक और कान पर अधिक दबाव न डालता हो। उसकी फिटिंग भी अच्छी होनी चाहिए।
- चश्मे को पहनते और उतारते वक्त दोनों हाथों का इस्तेमाल करना चाहिए।
- चश्मे के लिए रोजाना लेंस हल्के होते हैं पर आसानी से

कॉन्टेक्ट लेंस का चुनाव  
जिनकी दूर की नजर कमजोर होती है और जिन्हें चश्मा पहनना नापसंद है, उनके लिए कॉन्टेक्ट लेंस सही विकल्प साबित होता है। अगर आंखों में ड्रायनेस की समस्या है तो सॉफ्ट कॉन्टेक्ट लेंस का चुनाव करना चाहिए। रे फ्लैस्टिक के बने होते हैं। आरामदायक होने के साथ कॉर्निया तक ऑक्सीजन पहुंचाने में भी मददगार होते हैं। इसकी कमी से कॉर्निया में सूजन आ सकती है। ऐसे लेंस को महीने भर बाद बदल देना चाहिए।

## आरजीपी लेंस

इसका पूरा नाम रिजिड गैस परमिएबल लेंस है। ये थोड़े सख्त होते हैं। इनमें विजन अधिक साफ होता है। इनकी देखभाल भी आसान होती है। जिनकी दृष्टि ज्यादा कमजोर हो या जो लोग अधिक व्यस्त रहते हैं, उनके लिए ऐसे लेंस उपयुक्त होते हैं।

जिन्हें नजर के धुंधलेपन के साथ सिरदर्द जैसी समस्याएं हों, उनके लिए टॉरिक लेंस उपयुक्त रहता है।

जिनकी कॉर्निया सही शेप में नहीं होती या चश्मे का पावर अधिक हो तो उनके लिए सेमी टॉक्स लेंस बेहतर विकल्प हो।

टूटते नहीं हैं और इन पर खरोंच भी नहीं पड़ती।

- प्लास्टिक लेंस भी हल्के होते हैं और आसानी से टूटते नहीं हैं, लेकिन इन पर खरोंच जल्दी पड़ जाती है।
- ट्रिक्लेक्स लेंस भी वजन में हल्के होते हैं और जल्दी टूटते नहीं हैं।

- लेंस पर कई तरह की कोटिंग भी मिलती है, जैसे कि एंटी-रिफ्लेक्ट, एंटी-स्टैच, फोटोक्रोमिक आदि। एंटी-रिफ्लेक्ट कोटिंग आंखों को चमक और फोटोक्रोमिक अल्ट्रावायलेट किरणों से बचाती है।
- ऑवरलैप जब चश्मा लगाने की सलाह दें तो लेंस के

## सर्जरी के बाद

ऑपरेशन के बाद दो-तीन दिन तक आराम करें। आंखों पर ज्यादा जोर देने वाली एक्टिविटीज मसलन टीवी देखना, कंप्यूटर पर काम करना या पढ़ना जैसे काम 15-20 दिनों तक न करें। इसके बाद चश्मे या लेंस से हमेशा के लिए छुटकारा मिल जाएगा।

रिवमिंग और मेकअप आदि से कुछ सप्ताह तक दूर रहें। अगर इन छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखेंगे तो आंखें हमेशा स्वस्थ रहेंगी।

# उदिति सिंह के साथ रिश्ते को शादी तक ले जाना चाहते थे करण वाही



बिग बॉस 20 में उदिति सिंह लगातार एक्टर करण वाही के साथ अपने पुराने रिश्ते को लेकर बात करती रहती हैं। वह थो में अपने ब्रेकअप की वजह भी बता चुकी हैं। साथ ही, उन्होंने यह भी आरोप लगाया है कि करण ने उनके साथ बुरा बर्ताव किया था और उनके डैंगी को भी गलत तरीके से ट्रीट किया था। अब करण वाही ने इस पूरे मामले पर खुद चुप्पी तोड़ी है। एक्टर ने चौकाने वाला खुलासा करते हुए बताया कि वह इस रिश्ते को शादी तक ले जाना चाहते थे। करण ने उन अटकलों पर भी विराम लगाया, जिनमें दावा किया जा रहा था कि ब्रेकअप से पहले दोनों की शादी होने वाली थी।

करण वाही ने बातचीत में उदिति सिंह के साथ अपने रिश्ते और ब्रेकअप की वजह पर बात की। उन्होंने बताया कि जब दोनों ने एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया, तब वह करीब 33 साल के थे और जिंदगी के उस पड़ाव पर थे, जहां किसी रिश्ते में आने से पहले उसके भविष्य के बारे में सोचना जरूरी मानते थे। करण के मुताबिक, वह इस रिश्ते को शादी तक ले जाने के इरादे से आगे बढ़े थे, लेकिन इसका मतलब यह नहीं था कि दोनों की शादी की तारीख या कोई पक्की योजना तय हो चुकी थी।

## शादी का इरादा था, लेकिन कोई पक्की योजना नहीं थी

करण वाही ने बताया कि उदिति को डेट करते समय उनके मन में शादी का विचार था। उन्होंने कहा, 'जब मैंने उन्हें डेट करना शुरू किया, तब मैं 33-34 साल का था। इसलिए, मैं ऐसी उम्र में था जहां मेरा सोचना था कि अब अगर मैं किसी रिश्ते में आता हूँ, तो वह शादी में बदलना चाहिए। वरना, मुझे ऐसा कोई रिश्ता नहीं चाहिए।' करण ने यह भी स्पष्ट किया कि उनके रिश्ते को लेकर शादी की योजना बनने की खबरें सही नहीं थीं। लॉकडाउन के दौरान दोनों ने साथ समय बिताया था और अपने भविष्य को लेकर बातचीत भी की थी, लेकिन इसे शादी तय होने के रूप में देखना गलत होगा। एक्टर ने कहा कि उनका इरादा रिश्ते को शादी तक ले जाने का था, जिसे लोगों ने शायद इस तरह समझ लिया कि दोनों जल्द शादी करने वाले थे।

## करण वाही ने ब्रेकअप की वजह पर की बात

उदिति सिंह से अलग होने के कारण पर बात करते हुए करण ने कहा कि दोनों एक-दूसरे के साथ उतने

अनुकूल नहीं थे। उन्होंने अपनी बात रखते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि हम एक-दूसरे के साथ उतने कम्पैटिबल नहीं थे। कम से कम मेरे लिए तो यही सच है।' करण ने उन अटकलों को भी खारिज किया कि उनके माता-पिता के दखल या आपत्ति की वजह से रिश्ता खत्म हुआ था। दोनों की उम्र में करीब 10 साल का अंतर भी उनके रिश्ते को लेकर चर्चा का विषय रहा था, लेकिन करण ने इसे ब्रेकअप की वजह साफ नहीं की।

## उदिति के लिए मन में नहीं है कड़वाहट

करण वाही ने बातचीत में यह भी साफ किया कि उदिति से अलग होने के बाद उनके मन में कोई कड़वाहट नहीं है। भले ही उनका रिश्ता शादी तक नहीं पहुंच पाया, लेकिन वह बीते समय को लेकर कोई शिकायत नहीं रखते। करण ने उदिति के प्रति सकारात्मक भाव जाहिर करते हुए कहा कि वह उनके लिए खुश हैं। करण के इस बयान के बाद उनके और उदिति के रिश्ते को लेकर चल रही चर्चाओं में एक नया पहलू सामने आया है। एक्टर ने स्पष्ट किया कि रिश्ता शादी के इरादे से शुरू हुआ था, लेकिन दोनों के बीच अनुकूलता की कमी के कारण वह आगे नहीं बढ़ पाया।



# म्यूजिकल लव स्टोरी में बनी आदित्य रॉय कपूर और तारा सुतारिया की जोड़ी

बॉलीवुड अभिनेता आदित्य रॉय कपूर और अभिनेत्री तारा सुतारिया जल्द ही बड़े पर्दे पर स्क्रीन शेयर करते हुए नजर आने वाले हैं। दोनों फिल्म निर्माता भूषण कुमार की आगामी इंटेंस म्यूजिकल लव स्टोरी में लीड रोल प्ले करते हुए दिखाई देंगे। इस फिल्म का निर्देशन मिलाप मिलन जावेरी करेंगे। वहीं, शिव चानना को-प्रोड्यूसर के तौर पर फिल्म से जुड़े हैं। बता दें कि यह फिल्म प्यार, भावनाओं और संगीत से भरपूर होने वाली है। खास बात यह है कि दर्शकों को आदित्य और तारा की नई ऑनस्क्रीन जोड़ी देखने को मिलेगी।

## पहली बार साथ नजर आएंगे आदित्य और तारा

आदित्य रॉय कपूर बॉलीवुड में अपनी रोमांटिक फिल्मों के लिए खास पहचान रखते हैं। 'आशिकी 2' जैसी फिल्म में उनके अभिनय और रोमांटिक अंदाज को दर्शकों ने खुब पसंद किया था। वहीं तारा सुतारिया भी अपनी खूबसूरती, अभिनय और स्क्रीन प्रेजेंस के लिए जानी जाती हैं। ऐसे में दोनों को एक इंटेंस म्यूजिकल लव स्टोरी में साथ देना दर्शकों के लिए दिलचस्प होगा।

## टी-सीरीज के साथ तारा का तीसरा प्रोजेक्ट

इस प्रोजेक्ट में तारा 'मरजावा' के बाद भूषण कुमार और मिलाप मिलन जावेरी के साथ फिर से काम कर रही हैं। उन्होंने पहले भी टी-सीरीज के साथ 'एक विलेन रिटर्न्स' में काम किया

था और अब यह बैनर के साथ उनका तीसरा काम है। एक रॉ और इमोशनल लव स्टोरी के सेंटर में, इस फिल्म का मकसद लड़ाई और हाई-स्टेक ड्रामा के बैकग्राउंड में रोमांस को दिखाना है।

## कब सिनेमाघरों में दस्तक देगी फिल्म

निर्माताओं की योजना के मुताबिक, फिल्म की शूटिंग इसी साल के अंत तक शुरू होगी और इसे 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। फिलहाल फिल्म के आधिकारिक नाम और रिलीज डेट की घोषणा होना बाकी है। अब देखना दिलचस्प होगा कि आदित्य रॉय कपूर और तारा सुतारिया की यह नई रोमांटिक जोड़ी बड़े पर्दे पर दर्शकों का दिल जीतने में कितनी सफल होती है।



# एक्ट्रेस प्रिया ठाकुर ने टीवी शो 'वसुधा' के बारे में दी अपडेट

टीवी एक्ट्रेस प्रिया ठाकुर इन दिनों अपने शो 'वसुधा' में देव और वसुधा की शादी के ट्रैक को लेकर एक्साइटेड हैं। जी टीवी के इस शो में दोनों की जिंदगी एक नया मोड़ लेने जा रही है। खास बात यह है कि इस बार वसुधा को चंद्रिका की मंजूरी भी मिल रही है। शो में देव और किरदार अभिषेक शर्मा निभा रहे हैं, जबकि वसुधा के रोल में प्रिया ठाकुर नजर आ रही हैं। शादी के इस ट्रैक को लेकर प्रिया ने बताया कि पर्दे पर दुल्हन बनना उन्हें हमेशा पसंद रहा है, हालांकि भारी लहंगे, जूलरी और घंटों तक शूटिंग करना आसान नहीं होता। शो में देव और वसुधा की शादी पहले ही हो चुकी है, लेकिन इस बार उनकी शादी का मतलब दोनों के लिए काफी अलग है। इसकी सबसे बड़ी वजह चंद्रिका का वसुधा को अपनी बड़ी बहू के रूप में स्वीकार करना है। दर्शक लंबे समय से इस पल का इंतजार कर रहे थे और अब पूरे परिवार को दोनों के रिश्ते का जश्न मनाते देखा उनको लिए खास होगा। शादी के ट्रैक के बारे में बात करते हुए प्रिया ने कहा, 'दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे थे कि चंद्रिका वसुधा को अपनी बड़ी बहू के रूप में स्वीकार करें। मुझे लगता है कि यही बात इस शादी को खास बनाती है। भले ही देव और वसुधा की पहले भी शादी हो चुकी है, लेकिन इस बार चंद्रिका की मंजूरी और आशीर्वाद के साथ पूरा परिवार उनके रिश्ते का जश्न मना रहा है। सभी को उनके लिए खुश होते देखा हमारे लिए भी खास पल है और उन फैसले के लिए भी, जो लंबे समय से देव और वसुधा को इस तरह एक होते देखा चाहते थे।' प्रिया ने कहा, 'शो में शादी से जुड़े कई शानदार फंक्शन दिखाए गए हैं और यह उन सभी फैसले के लिए एक छोटा सा तोहफा है, जिन्होंने देव और वसुधा के सफर में उनका साथ दिया है। शादी के ट्रैक की शूटिंग हमेशा मजेदार होती है, लेकिन इसके साथ कई चुनौतियां भी आती हैं। भारी कपड़े, जूलरी और सेट पर लंबे समय तक काम करना आसान नहीं होता। मुझे स्क्रीन पर दुल्हन बनना हमेशा पसंद रहा है।



# साइकोलॉजिकल थ्रिलर 'जॉन डो' में अर्जुन दास निभाएंगे 'चंद्र' का किरदार

तमिल सिनेमा के उभरते सितारे अर्जुन दास निर्देशक मधुमिता की आगामी साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म 'जॉन डो' में 'चंद्र' नाम का किरदार निभाते नजर आएंगे। फिल्म निर्माताओं ने इसका खुलासा किया। अर्जुन दास ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर फिल्म से जुड़ा अपना फर्स्ट लुक पोस्टर साझा करते हुए लिखा, 'नान पोधुमा? (क्या मैं पर्याप्त हूँ?)' यह एक सवाल है जो चंद्र को लगातार परेशान करता है। शायद यह वह सवाल है जो हम सभी ने कभी न कभी खुद से पूछा है। उसकी तलाश में कहीं न कहीं मुझे खुद का भी एक हिस्सा मिला। 'जॉन डो' की दुनिया के चंद्र से मिलिए। यह फिल्म नवंबर में आपके नजदीकी सिनेमाघरों में रिलीज होगी।' उन्होंने यह भी बताया कि फिल्म का लेखन और निर्देशन मधुमिता ने किया है। फिल्म का निर्माण अर्का मीडिया वर्क्स ने किया है और इसे एजीएस सिनेमाज प्रस्तुत कर रही है। फिल्म में संचना नटराजन मुख्य

अभिनेत्री की भूमिका में नजर आएंगी। इसके अलावा श्रुति, जारा विनीत चांधोके और निरव भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे। फिल्म को लेकर दर्शकों और सिनेप्रेमियों में कई कारणों से उत्सुकता बनी हुई है। सबसे खास बात यह है कि अर्जुन दास अपने करियर में पहली बार एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रहे हैं। इसके अलावा फिल्म का निर्माण अर्का मीडिया वर्क्स कर रही है, जिसने पैन इंडिया ब्लॉकबस्टर फिल्म 'बाहुबली' का भी निर्माण किया था। फिल्म को शोभू यारलागुड और प्रसाद देविनेनी प्रोड्यूस कर रहे हैं। किशोर केदारी और मधुमिता इसके सह निर्माता हैं, जबकि सीम्या शर्मा क्रिएटिव प्रोड्यूसर की जिम्मेदारी संभाल रही हैं। फिल्म की तकनीकी टीम भी काफी मजबूत मानी जा रही है। इसका संगीत प्रसिद्ध संगीतकार मुजीब माजीद ने तैयार किया है, जबकि अतिरिक्त संगीत द आर्टिस्ट 404 ने दिया है। फिल्म की कहानी

और पटकथा मधुमिता और निकोलस शेवेलियर ने मिलकर लिखी है। सिनेमैटोग्राफी प्रीथा जयरामन ने की है और संपादन विजय वेंकटरमणन ने संभाला है। फिल्म के एक्शन सीक्वेंस दिनेश सुब्बारायन और एक्शन संतोष ने तैयार किए हैं। प्रिया करन और प्रिया हेरी ने कोस्टयूम डिजाइन किए हैं, जबकि अश्विनी काले ने प्रोडक्शन डिजाइन का काम संभाला है। स्रूतों के अनुसार, फिल्म लगभग तैयार है और निर्माता इसे इस साल नवंबर में रिलीज करने की योजना बना रहे हैं।



एक्टिंग और प्रोडक्शन से भी आगे बढ़ गया है। मॉन्स्टर

# 'रामायण' के कर्नाटक डिस्ट्रीब्यूशन की कमान संभालेंगे यश!

'रामायण' में रावण के किरदार में नजर आने वाले रॉकिंग स्टार यश अब सिर्फ पर्दे पर ही नहीं, पर्दे के पीछे भी मचाएंगे धमाल! नमित मल्होत्रा के साथ फिल्म के प्रोड्यूसिंग पार्टनर यश की कंपनी मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस का डिस्ट्रीब्यूशन विंग अब कर्नाटक में फिल्म की रिलीज की जिम्मेदारी संभालेगा। रावण बनकर बड़े पर्दे पर छाने की तैयारी कर रहे रॉकिंग स्टार यश का 'रामायण' से जुड़ाव अब

माइंड क्रिएशंस का डिस्ट्रीब्यूशन विंग कर्नाटक में इस मेगा प्रोजेक्ट की रिलीज की कमान संभालने जा रहा है। यानी यश अब सिर्फ अपनी दमदार मौजूदगी से दर्शकों को दीवाना नहीं बनाएंगे, बल्कि अपनी कंपनी के जरिए इस महागाथा को कर्नाटक के दर्शकों तक पहुंचाने में भी अहम भूमिका निभाएंगे। डिस्ट्रीब्यूशन विंग की शुरुआत के साथ मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस ने प्रोडक्शन से आगे बढ़ते हुए अपने बिजनेस का दायरा बढ़ाया है। भारतीय सिनेमा के सबसे महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट्स में शामिल 'रामायण' को बड़े पैमाने पर दर्शकों तक पहुंचाने की दिशा में यह एक अहम कदम है। नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही 'रामायण' भारतीय महाकाव्य की दो हिरसों में पेश की जाने वाली भव्य सिनेमाई गाथा है। शानदार स्टारकास्ट और बड़े स्कैल पर तैयार हो रही यह फिल्म सदियों पुरानी कहानी को नए सिनेमाई अंदाज में बड़े पर्दे पर जीवंत करने के लिए तैयार है। फिल्म की रिलीज को देश और दुनिया के अलग-अलग बाजारों में पहुंचाने के लिए बड़ी जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इंटरनेशनल डिस्ट्रीब्यूशन की कमान सोनी पिक्चर्स संभालेगा, जबकि करण जोहर की धर्मा प्रोडक्शंस उत्तर भारत में फिल्म को रिलीज करेगी। दिल राजू आंध्र प्रदेश और तेलंगाना की जिम्मेदारी संभालेंगे, वहीं कर्नाटक में मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस का डिस्ट्रीब्यूशन विंग मोर्चा संभालेगा।

संक्षिप्त

समाचार

### इजरायल चुनाव में नेतन्याहू समर्थक खेमे को बढ़त : ट्रंप ने थपथपाई अपनी पीठ

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के समर्थन में किए प्रचार से हुए फायदे का जिक्र किया है। उनकी बढ़त से उत्साहित ट्रंप ने दावा किया कि उनके एक ऐलान से इजरायली नेता की चुनावी स्थिति में सुधार हुआ। इजरायल नेसेट चुनाव की मतगणना के शुरुआती आंकड़ों में नेतन्याहू के समर्थक खेमे को 57 सीटों पर बढ़त मिली है, जबकि उनके विरोधी खेमे को 47 सीटें मिली हैं। ट्रंप ने बुधवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रथ सोशल पर एक पोस्ट साझा की। दावा किया कि नेतन्याहू के समर्थन में अमेरिकी राष्ट्रपति की घोषणा के बाद चुनावी माहौल बदल गया। पहले निर्णायक हार की आशंका जताई जा रही थी, लेकिन अब मुकाबला बराबरी का हो गया है या वह जीत भी सकते हैं। डेविंग सी. श्वाट्ज को कोट (हवाले से) करते हुए अपनी पीठ थपथपाई। लिखा, ‘जब राष्ट्रपति ट्रंप ने बीबी नेतन्याहू का समर्थन किया, तो पूरी स्थिति ही बदल गई। अब, एक महान प्रधानमंत्री की करारी हार के बजाय, ऐसा लग रहा है कि नेतन्याहू ने बराबरी की स्थिति हासिल कर ली है, या शायद वह उनके लिए एक जीत ही हैं! यह सब राष्ट्रपति ट्रंप के समर्थन के बाद हुआ, जो केवल मध्य पूर्व, इजरायल और संयुक्त राज्य अमेरिका के भले के लिए काम करना चाहते हैं।’

### ट्रंप पर स्विस मॉडल ने रेप का आरोप लगाया :कहा– वीजा दिलाने के बहाने होटल में बुलाया था

बर्न , एजेंसी। स्विटजरलैंड की पूर्व मॉडल बीट्रिस वयूल ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप पर रेप का आरोप लगाया है। उसने कहा कि 1993 में न्यूयॉर्क के प्लाजा होटल में ट्रंप ने उनके साथ रेप किया था।वयूल ने बताया कि घटना के बाद उनके शरीर के कई हिस्सों से खून बह रहा था और चोट के निशान पड़ गए थे। यह दावा अमेरिकी संसद में डेमोक्रेटिक सदस्यों की ओर से जारी एक नई रिपोर्ट में किया गया है। वयूल ने 2024 में ट्रंप पर यौन शोषण का आरोप लगाया था। तब उन्होंने कहा था कि 1993 में ट्रंप ने उन्हें जबरन पकड़ा, चूसा और उनके कपड़े उतारने की कोशिश की थी। उस नई रिपोर्ट में वयूल ने समिति के कर्मचारियों को बताया कि उस घटना में ट्रंप ने उनके साथ रेप किया था। वयूल स्विटजरलैंड की मॉडल और पूर्व मिस स्विटजरलैंड हैं। उनके मुताबिक, 1993 में वह अफ्रिकन ड्रीम पेंजेंट में हिस्सा लेने अमेरिका आई थीं। इस प्रतियोगिता की ट्रंप के साथ साझेदारी थी। कार्यक्रम के दौरान मैंनेहटन के प्लाजा होटल में पत्रकारों के साथ दोपहर के भोजन के समय उनकी ट्रंप से मुलाकात हुई। वयूल ने बताया कि इसके बाद ट्रंप के एक सहयोगी ने उन्हें होटल के कमरे में मिलने के लिए बुलाया। उन्हें लगा था कि वह बातचीत होगी लेकिन उनके आरोप के मुताबिक, कमरे में ट्रंप ने पीछे से उन्हें पकड़ लिया और जबरन रेप किया।

### कोलबिया में वेनेजुएला सीमा के पास धमाका, चार पुलिसकर्मी घायल

बोगोटा, एजेंसी। कोलबिया और वेनेजुएला की सीमा को जोड़ने वाले एक पुल के पास मंगलवार को बम धमाका हुआ, जिसमें कम से कम चार पुलिसकर्मी घायल हो गए। नॉर्ट ई स्टैंडेंडर प्रांत के गवर्नर विलियम विलामिजार ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बताया कि पुलिस हमले के लिए जिम्मेदार लोगों का पता लगाने में जुटी है। धमाका फ्रांसिस्को डी पाउला डी सैंटेंडर अंतरराष्ट्रीय पुल के पास कोलंबिया की कर संग्रह एजेंसी के स्थानीय कार्यालय के सामने हुआ। घटनास्थल के वीडियो में धमाके से क्षतिग्रस्त एक ट्रक और कई मोटरसाइकिलें दिखाई दीं। यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब कोलंबिया की रूढ़िवादी सरकार देश की सुरक्षा रणनीति में बदलाव कर रही है और आपराधिक गिरोहों तथा विद्रोही समूहों के खिलाफ अधिक सख्त रुख अपना रही है। अगरस्त में राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के बाद अबेलाडी डी ला एंरिस्पेला ने देश में सक्रिय बचे हुए विद्रोही समूहों के साथ शांति वार्ता रद्द कर दी थी। उनका कहना था कि पिछले चार वर्षों में बातचीत से बहुत काम नहीं निकले। उन्होंने आरोप लगाया कि सशस्त्र समूहों ने सरकार के साथ हुए संघर्षविराम का इस्तेमाल ग्रामीण इलाकों में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए किया।

## भारतीय पायलट कैप्टन रिमत मच्छर को यूएई ने दिया ऑर्डर ऑफ जायद सम्मान

**अबू धाबी, एजेंसी।** फ्लाईदुबई फ्लाइट को हाइजैक होने से बचाने के लिए जान की बाजी लगाने को तैयार भारतीय पायलट कैप्टन रिमत मच्छर को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने सर्वोच्च सम्मान से नवाजा है। राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने मच्छर समेत विमान के अन्य चालक दल सदस्यों को प्रथम श्रेणी के ‘ऑर्डर ऑफ जायद 2’ से सम्मानित किया है। दुबई के क्राउन प्रिंस शेख हमदान बिन मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम ने चालक दल को यह सम्मान प्रदान किया। दुबई मीडिया ऑफिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इसकी जानकारी

दी। यूएई के नेतृत्व ने चालक दल की त्वरित कार्रवाई, जिम्मेदारी और व्यावसायिक दक्षता की सराहना करते हुए कहा, ‘यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना देश की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। राष्ट्रपति ने चालक दल के सदस्यों से मुलाकात की। इस दौरान यूएई के उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और दुबई के शासक शेख मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

यह सम्मान 30 सितंबर को फ्लाईदुबई की उड़ान एफजेड 1073 में हुई घटना के बाद गया है। दुबई से तेल अवीव जा रहे विमान के कॉकपिट में सह-पायलट ने कैप्टन मच्छर पर



हमला कर दिया था और विमान का नियंत्रण अपने हाथ में लेने की कोशिश की थी। यूएई के अभियोजकों की जांच के अनुसार, आरोपी की मंश विमान केइजरायलके बेन गुरियन हवाई अड्डे पर दुर्घटनाग्रस्त कर बड़े पैमाने पर जानमाल का नुकसान पहुंचाने की थी। गंभीर रूप से

घायल होने के बावजूद कैप्टन मच्छर ने कॉकपिट को दरवाजा खोलने में सफलता हासिल की। इसके बाद चालक दल के अन्य सदस्यों और यात्रियों ने हस्तक्षेप कर हमलावर को काबू में किया। विमान को सऊदी अरब के तबुक हवाई अड्डे की ओर मोड़ा गया, जहां उसे सुरक्षित उतारा गया। इस

## यूएन महासभा को क्यूबा के विदेश मंत्री ने किया बाधित, अमेरिकी प्रतिनिधि से हुई तीखी बहस



इसके बाद दोनों एक-दूसरे को घूरने लगे। वाल्ट्ज मंच से बोल रहे थे, जबकि रोड्रिगेज और उनके साथी मंच के नीचे सामने की तरफ मौजूद थे। रहमान ने ‘पॉइंट ऑफ ऑर्डर’ उठाते हुए आग्रह किया, ‘क्यूपा कामकाज को सुचारू रूप से चलाने में मेरी मदद करें, और आपको यह अधिकार मिल जाएगा।’ वाल्ट्ज ने रोड्रिगज पर चिल्लाते हुए कहा, ‘पीछे हट जाओ! यह हवाना नहीं है।’ इस बीच, रहमान ने कहा, ‘क्यूपा बैठ जाइए। बैठ जाइए,’ और फिर बैठक को स्थगित कर दिया। उन्होंने कहा, ‘मैं यहां प्रक्रिया के नियमों को निष्पक्ष और स्वतंत्र तरीके से लागू करने के लिए हूं। कुछ ही मिनटों में जब बैठक फिर से शुरू हुई, तो रोड्रिगेज ने ‘पॉइंट ऑफ ऑर्डर’ उठाया। असल में यह एक जवाब था, जिसमें उन्होंने कहा कि वाल्ट्ज ‘सरसर झूठ बोल रहे हैं’ और ‘क्यूबा की जनता तथा सरकार की गरिमा को ठेस पहुंचा रहे हैं’। इस दौरान क्यूबा के प्रतिनिधिमंडल ने

उनके संबोधन का विरोध किया और मेज थपथपाकर आपत्ति जताई। स्थिति तेज और तनावपूर्ण हो गई, जब विदेश मंत्री रोड्रिगेज वाल्ट्ज के मंच के करीब पहुंचे और उन्हें झूठा करार दिया। इस पर अमेरिकी राजदूत ने उन्हें पीछे हटने को कहा। संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों ने हस्तक्षेप कर सदन में व्यवस्था बहाल करने की कोशिश की। जब वाल्ट्ज ने अपना भाषण फिर से शुरू किया, तो उन्होंने कहा कि रोड्रिगेज ने कैमरों और राजदूतों के सामने उन्हें चुप कराने की कोशिश की थी, लेकिन ‘सोचिए कि अगर कोई इस शासन की कोखरता के बीच बोलने की हिम्मत करे, तो क्या होगा।’ उन्होंने कुछ तस्वीरें दिखाईं, जिनके बारे में उनका कहना था कि उनमें ‘कास्त्रो’ 40,000 डॉलर की कीमत वाली दो रोलैक्स घड़ियां पहने हुए हैं। संभवतः वे पूर्व और ‘क्यूबा की जनता तथा सरकार’ के रहे थे, जो क्यूबा की क्रांति के नेता फिदेल कास्त्रो के भाई हैं। असेंबली

## अमेरिकी चुनाव आयोग की वेबसाइट पर साइबर हमला

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका में मध्यावधि चुनाव से पहले चुनाव आयोग की वेबसाइट पर साइबर हमला हुआ है। इससे चुनावी चंदे और खर्च का ब्योरा दर्ज करने वाला इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम प्रभावित हो गया। रॉयटर्स को मिले एक ईमेल के मुताबिक, हैकर या हैकर्स ने अमेरिकी संघीय चुनाव आयोग (एफईसी) के सिस्टम में सेंध लगाने की कोशिश की। इसके बाद आयोग को अपनी ऑनलाइन सेवाएं अस्थायी रूप से बंद करनी पड़ीं। यह घटना तीन नवंबर को होने वाले मध्यावधि चुनाव से करीब एक सप्ताह पहले हुई है। इन चुनावों से तय होगा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी अगले दो साल तक अमेरिकी संसद में अपना बहुमत बनाए रख पाएगी या नहीं।

एफईसी ने बयान में कहा, ‘इस समय आयोग का इलेक्ट्रॉनिक फाइलिंग सिस्टम बंद है और हमारी आईटी टीम सेवा बहाल करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है।’ आयोग की वेबसाइट पर पुनर्ने चुनावी

खर्च की रिपोर्ट अब भी देखी जा सकती हैं। आयोग के एक अधिकारी ने चुनावी नियमों का पालन कराने वाली कंपनियों को भेजे ईमेल में कहा कि एफईसी के सिस्टम में सेंध लगाने की कोशिश की जा रही थी। इसी वजह से इंटरनेट के जरिए उपलब्ध सेवाओं को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा। सोमवार रात करीब 10 बजे से सिस्टम बंद था। मंगलवार रात आयोग ने बताया कि समस्या की पहचान कर ली गई है और उसे ठीक करने की प्रक्रिया जारी है। हालांकि, वेबसाइट पर जारी सूचना के मुताबिक, फाइलिंग सिस्टम अभी भी बंद था। एफईसी अमेरिका में चुनाव कराने की जिम्मेदारी नहीं संभालता। इसलिए इस तकनीकी गड़बड़ी का मतदाताओं के वोट डालने की क्षमता पर असर पड़ने की आशंका नहीं है। हालांकि, सिस्टम बंद होने से राजनीतिक संगठनों के लिए चुनावी खर्च की 24 घंटे और 48 घंटे के भीतर जमा की जाने वाली अनिवार्य रिपोर्ट दाखिल करना मुश्किल हो गया है।

### दुबई में है दुनिया का पहला गोल्ड वॉकवे...चारों ओर सोना ही सोना, 24 कैरेट एकदम खरा

**दुबई , एजेंसी।** दुबई गोल्ड डिस्ट्रिक्ट ने इस साल के अंत से पहले दुनिया का पहला ‘गोल्ड वॉकवे’ खोलने की योजना की घोषणा की है. इसे अपनी तरह का पहला और दुनिया का सबसे लंबा वॉकवे बताया गया है. यह वॉकवे 24 कैरेट सोने से बना होगा. घोषणा ऐसे समय में की गई है जब दुबई ने सोने की बालियों की सबसे भारी जोड़ी और दुनिया की सबसे बड़ी बालियों की जोड़ी के लिए दो गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए हैं. ये बालियां पारंपरिक ‘झुमके’ डिजाइन में हथ से बनाई गई थीं. दुबई गोल्ड डिस्ट्रिक्ट के कमर्शियल सेक्टर के सीनियर डायरेक्टर, राशिद अल हरमीदी ने इस साल के अंत से पहले गोल्ड वॉकवे खोलने की योजना का खुलासा किया. इससे इस इलाके में पर्यटकों के लिए एक नया आकर्षण तैयार होगा. अल हरमीदी ने कहा यह वॉकवे, जो अगले



दो महीनों के भीतर खुलने वाला है, अपनी तरह का पहला और दुनिया का सबसे लंबा वॉकवे होगा. इसे 24 कैरेट सोने से बनाया जाएगा.’ यह प्रोजेक्ट दुबई के एक प्रमुख पर्यटन स्थल और सोने के व्यापार के वैश्विक केंद्र के रूप में और मजबूत करने की कोशिशों का हिस्सा है. इस वॉकवे पर आने वाले लोग और पर्यटक सोने के रास्ते पर चल सकेंगे, जिससे दुबई गोल्ड डिस्ट्रिक्ट में पर्यटन का एक नया अनुभव मिलेगा. उन्होंने इस इलाके में

एक प्रदर्शनी (एजेंजीबिशन) आयोजित करने की योजना के बारे में भी बताया. इसका लक्ष्य मध्य पूर्व (मिडिल ईस्ट) में सोने और आभूषणों के व्यापार की सबसे बड़ी प्रदर्शनी बनना है. इस साल की शुरुआत से, दुबई गोल्ड डिस्ट्रिक्ट में सोने के थोक व्यापार वाले कार्यालयों की संख्या में 20 फीसदी की वृद्धि हुई है. इसके साथ ही, सोने, आभूषणों, कीमती पत्थरों और लज्जरी घड़ियों के नए स्टोरों की संख्या में भी 15 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई है.

अल हरमीदी ने बताया कि दुबई गोल्ड डिस्ट्रिक्ट में विस्तार का काम चल रहा है, ताकि यहां अपना कारोबार शुरू करने की इच्छा रखने वाली सोने और आभूषण कंपनियों की बढ़ती मांग को पूरा किया जा सके. उन्होंने अनुमान जताया कि अगले साल यहां आने वाली कंपनियों की संख्या में 10 फीसदी से 20 फीसदी तक की वृद्धि होगी. इस विस्तार योजना के तहत नए कार्यालय और रिटेल स्पेस भी उपलब्ध कराए जाएंगे. इस क्षेत्र के स्वर्ण और आभूषण उद्योग के लिए एस ऐतिहासिक पल में इथरा दुबई ने आधिकारिक तौर पर दुबई गोल्ड डिस्ट्रिक्ट लॉन्च किया है. इसे विशेष रूप से इस तरह तैयार किया गया है कि यह स्वर्ण और आभूषण व्यापार के लिए दुबई को दुनिया के प्रमुख केंद्र के रूप में और अधिक ऊंचाईयों पर ले जा सके।

एफजेड1073 दुबई से तेल अवीव जा रही थी। इसी दौरान विमान के को-पायलट ने कॉकपिट में कैप्टन मच्छर पर हमला कर दिया। हमले में कैप्टन घायल हो गए। उन्होंने बताया था कि को-पायलट ने सिर पर कई बार किए। को-पायलट ने विमान को गिराने की कोशिश में कैप्टन पर कॉकपिट में ही मौजूद इमरजेंसी कुल्हाड़ी से हमला किया था। इस दौरान मच्छर ने विमान से हाईजैक का संकेत भी भेजा था। हमले के दौरान कैप्टन मच्छर ने किसी तरह कॉकपिट का दरवाजा खोला। इसके बाद विमान में मौजूद यात्रियों और कू ने अंदर पहुंचकर हमलावर को काबू किया।

## आसियान रक्षा बैठक से इतर मिले राजनाथ सिंह और पीट हेगसेथ, अमेरिकी रक्षा मंत्री से हुई चर्चा

सेबू , एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को फिलीपींस के सेबू में आसियान रक्षा मंत्रियों की 13वीं बैठक प्लस (एडीएमएम-प्लस) से इतर अमेरिकी और व्यापक मंत्री पीट हेगसेथ से मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा हुई। अमेरिकी युद्ध मंत्री पीट हेगसेथ ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर मुलाकात की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं ने प्रमुख रक्षा साझेदारी के ढांचे के एक साल पूरे होने का जश्न मनाया और सहयोग बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की। राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर इस मुलाकात की जानकारी दी। उन्होंने लिखा, ‘13वीं एडीएमएम-प्लस बैठक के इतर अमेरिकी युद्ध मंत्री पीट हेगसेथ के साथ शाहदादर मुलाकात हुई। हमने अपने 10 वर्षीय भारत-अमेरिका रक्षा ढांचे की प्रगति की समीक्षा की। यह ढांचा सैन्य प्रौद्योगिकी, सूचना साझा करने और संयुक्त उत्पादन के क्षेत्रों में रणनीतिक तालमेल को आगे बढ़ा रहा है। हमारी मजबूत साझेदारी स्वतंत्र, खुले और सुरक्षित हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण आधार बनी हुई है।

**भारत-अमेरिका रक्षा साझेदारी के एक साल पूरे :** राजनाथ सिंह और हेगसेथ की मुलाकात ऐसे समय हुई है, जब भारत और अमेरिका के बीच प्रमुख

रक्षा साझेदारी के ढांचे को एक साल पूरा हो गया है। वर्ष 2025 में दोनों देशों ने इस ढांचे पर हस्ताक्षर किए थे। इसका उद्देश्य अगले 10 वर्षों में रक्षा साझेदारी को और व्यापक बनाना है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, यह ढांचा दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को गहरा करने के लिए साझा दृष्टिकोण और नीतिगत दिशा प्रदान करता है।

**हेगसेथ ने अन्य देशों के रक्षा नेताओं से भी की मुलाकात :** अमेरिकी युद्ध मंत्री ने दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और जापान के रक्षा मंत्रियों के साथ भी बैठकें कीं। दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्री कांग के साथ मुलाकात के बाद उन्होंने दोनों देशों के गठबंधन और रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने पर जोर दिया। ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री मार्ल्स के साथ बैठक में उन्होंने गठबंधन को मजबूत करने और बेहतर परिणाम हासिल करने की बात कही। वहीं, जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी के साथ चर्चा में उन्होंने साझा रणनीतिक लक्ष्यों, रक्षा निवेश, प्रशिक्षण और हथियारों के उत्पादन को बढ़ाने पर जोर दिया। हवाई अड्डे पर फिलीपींस के राष्ट्रीय रक्षा विभाग के अवर सचिव और सेवानिवृत्त मेजर जनरल फैबियन एम. पेड्रोसा ने उनका औपचारिक स्वागत किया। इस दौरान फिलीपींस में भारत के राजदूत हर्ष कुमार जैन और रक्षा अतारो कैप्टन चंद्रकांत कोठारी भी मौजूद थे।

### ब्राजील चुनाव में हार के बाद बोल्सोनारो ने देश छोड़ा, लूला ने बताया ‘शर्मनाक’

**रियो डी जेनेरो, एजेंसी।** ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डा सिल्व्वा ने मंगलवार को चुनाव के बाद देश छोड़ने के लिए हारे हुए राष्ट्रपति उम्मीदवार फ्लेवियो बोल्सोनारो की आलोचना की और इस कदम को ‘शर्मनाक’ बताया. शिन्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक लूला ने अपने 81वें जन्मदिन का जश्न मनाने के लिए ब्रासीलिया में राष्ट्रपति निवास, अल्बोराडो पैलेस के बाहर इकट्ठा हुए समर्थकों से कहा, ‘मुझे अफसोस है कि उन्होंने ब्राजील छोड़ दिया और ब्राजील छोड़ने का उनका फैसला शर्मनाक है.’

लिबरल पार्टी के फेडरल सांसद मौरिसियो माकोन ने मंगलवार को कहा कि फ्लेवियो बोल्सोनारो ब्राजील छोड़कर अमेरिका जा रहे हैं. ब्राजील के सुप्रीम फेडरल कोर्ट ने सोमवार को फ्लेवियो बोल्सोनारो के देश छोड़ने पर रोक लगा दी. ब्राजील की मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह न्यायिक आदेश कोर्ट की मनी-लॉन्ड्रिंग जांच से जुड़ा है. इसमें बोल्सोनारो



और वकील विलर टोमाज दोनों जांच के दायरे में हैं. बोल्सोनारो के देश छोड़ने की अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है. ब्राजील की मीडिया ने बताया कि देश के इमिग्रेशन कंट्रोल सिस्टम में ऐसा कोई रिकॉर्ड नहीं था जिससे पता चले कि वह रेगुलर बॉर्डर कंट्रोल के जरिए ब्राजील से बाहर गया था. फेडरल पुलिस इस बात की जांच कर रही थी कि वह देश छोड़कर गया या नहीं और कैसे गया. ब्राजील के सुप्रीम फेडरल कोर्ट के जज ने फ्लेवियो बोल्सोनारो को पासपोर्ट सरेंडर करने का आदेश दिया और उनके

देश छोड़ने पर रोक लगा दी. ब्राजील की पब्लिक न्यूज एजेंसी एजेंसिया ब्रासिल के मुताबिक यह सीक्रेट फैसला बोल्सोनारो और वकील विलर टोमाज से जुड़ी एक जांच का हिस्सा है. ब्राजील की मीडिया ने बताया कि मोरेस ने बोल्सोनारो को टोमाज से कॉन्टैक्ट करने से भी मना किया है. मनी लॉन्ड्रिंग और गैर-कानूनी फॉरेन एक्सचेंज ट्रॉजैक्शन के शक में फेडरल पुलिस दोनों लोगों की जांच कर रही है. विचार को हुए प्रेसिडेंशियल रनऑफ में लूला ने बोल्सोनारो को हराया उन्हें 51.79 फीसदी वैध वोट मिले, जबकि

## न्यूयॉर्क अटॉर्नी जनरल चुनाव में बढ़ी हलचल, क्या लेटिशिया जेम्स को टक्कर दे पाएंगी भारतीय मूल की सरिता कोमाटिरेड्डी?

**न्यूयॉर्क , एजेंसी।** भारतीय मूल की अमेरिकी रिपब्लिकन सरिता कोमातीरेड्डी न्यूयॉर्क की एक बेहद हाई-प्रोफाइल राजनीतिक लड़ाई में उतर चुकी हैं. वह 3 नवंबर को होने वाले अटॉर्नी जनरल के चुनाव में मौजूदा डेमोक्रेटिक अटॉर्नी जनरल लेटिशिया जेम्स को टक्कर दे रही हैं. सरिता एक पूर्व संघीय अभियोजक (फेडरल प्रोसियक्यूटर) हैं, जिन्हें आतंकवाद, साइबर क्राइम, मनी लॉन्ड्रिंग और कई अन्य जटिल मामलों को संभालने का 10 साल से ज्यादा का अनुभव है. वह अपने इसी कानून-व्यवस्था के रिकॉर्ड को अपने चुनाव प्रचार का सबसे मुख्य हिस्सा बना रही हैं. सरिता (उम्र 42 वर्ष) ने फरवरी 2026 में न्यूयॉर्क के अटॉर्नी जनरल पद के लिए रिपब्लिकन पार्टी का नामांकन हासिल किया था.

उनका पूरा अभियान कानून और व्यवस्था के संदेश पर टिका है, जो न्यूयॉर्क में एक संघीय अभियोजक के रूप में उनके वर्षों के अनुभव और बाद में ड्रा एनफोर्समेंट एडमिनिस्ट्रेशन के चीफ ऑफ स्टाफ के रूप में उनकी भूमिका पर आधारित है. लेकिन उनके इस कानूनी करियर के पीछे एक निजी कहानी भी है, जो एक भारतीय अप्रवासी परिवार से शुरू होती है और जिस पर 11 सितंबर 2001 (9/11) के आतंकवादी हमलों ने ही उन्हें लॉ में करियर बनाने का फैसला लेने के लिए प्रेरित किया. ये हमले न्यूयॉर्क में हुए थे, जहां उनका जन्म हुआ था और जहां बाद में उन्होंने देश के कुछ सबसे गंभीर अपराधों के खिलाफ



मामले दर्ज करने में 10 साल से ज्यादा का समय बिताया. न्यूयॉर्क के इंटरनै डिस्ट्रिक्ट में एक असिस्टेंट यूएस अटॉर्नी के रूप में, उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद, साइबर अपराध, नशीले पदार्थों की तस्करी, मनी लॉन्ड्रिंग, धोखाधड़ी और विदेशी सार्वजनिक भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों पर काम किया. वह राष्ट्रीय सुरक्षा और साइबर अपराध का संचालन किया और यूएस कोर्ट ऑफ अपीलस के सामने 15 अपीलों पर बर्बर की. एक भारतीय अप्रवासी की बेटी से लेकर एक संघीय अभियोजक और वरिष्ठ कानून प्रवर्तन अधिकारी बनने तक का सरिता का सफर अब उन्हें चुनावी राजनीति में ले आया है।